www.deshbandhu.co.in ख़बरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 7 । अंक – 237 । नर्मदापुरम, मंगलवार 3 दिसम्बर 2024 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

प्रदेश में सर्वप्रथम हरदा जीआईएस का पोर्टल एल हुआ लांच — पृष्ठ 3
▸ संसद को ठप कौन कर रहा है? ▸ अडानी को जांच से बचाने का मोदी सरकार का निराशोन्मत प्रयास — पृष्ठ 4
▸ देर रात अधिकारियों के साथ निर्माण कार्यों का जायजा लेने निकले विधायक शर्मा — पृष्ठ 6
पर्यावरणीय सुरक्षा दुनिया का सामूहिक दायित्व : गोयल — पृष्ठ 8

सार समाचार

भोपाल गैस त्रासदी की 40वीं बरसी पर श्रद्धांजलि आज, राज्यपाल होंगे शामिल

भोपाल, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल भोपाल गैस त्रासदी की 40वीं बरसी पर 3 दिसम्बर को बरकतउल्ला भवन, सेंट्रल लायब्रेरी में प्रात: 10:30 बजे आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना सभा'' कार्यक्रम में भोपाल गैस त्रासदी के दिवंगतजनों की स्मृति में श्रद्धांजलि देंगे। भोपाल गैस त्रासदी की 40वीं बरसी पर विभिन्न धर्माचार्यों द्वारा दिवंगतों के लिये सर्वधर्म पाठ किया जायेगा। दिवंगतों की स्मृति में मौन श्रद्धांजलि भी दी जायेगी। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास, संचालक गैस राहत और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे।

नए डीजीपी मकवाना ने संभाला कार्यभार

कानून व्यवस्था मजबूत करने पर जोर

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के नए पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कैलाश मकवाना ने सोमवार को कार्यभार संभाल लिया। डीजीपी मकवाना ने पदभार ग्रहण के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर कानून–व्यवस्था की समीक्षा की और कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पुलिस अनुशासन और कानून–व्यवस्था की स्थिति बेहतर है, जिसे और मजबूत बनाने का प्रयास किया जाएगा।

नए डीजीपी ने जनता और पुलिस के बीच विश्वास बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए पुलिस थानों में सुधार किए जाएंगे। साइबर अपराधों पर विशेष ध्यान देने की बात कहते हुए उन्होंने बताया कि इसके लिए तकनीकी सुदृढ़ता और नए तरीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। डीजीपी ने आगामी सिंहस्थ मेले के लिए पुलिस तैयारियों पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इस बड़े आयोजन को लेकर कानून–व्यवस्था और सुरक्षा सुनिश्चित करना प्राथमिकता होगी। इसके लिए पुलिस बल को प्रशिक्षित और तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जाएगा। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और ट्रैफिक सुधार को अपनी प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए जनजागरूकता और सख्त नियमों का पालन कराया जाएगा। उन्होंने पुलिस बल को जनता के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार बनने की बात कही। उनका कहना है कि कानून–व्यवस्था बनाए रखने के साथ–साथ जनता का विश्वास अर्जित करना जरूरी है।

अवध ओझा आम आदमी पार्टी में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। मशहूर शिक्षाविद अवध ओझा ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया की मौजूदगी में सोमवार को आप में शामिल हो गए। श्री केजरीवाल ने पार्टी मुख्यालय में टोपी और पटका पहनाकर अवध ओझा को पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस दौरान श्री केजरीवाल ने कहा , अवध ओझा के अनुभव और दृष्टिकोण से हमारी शिक्षा नीति को नई दिशा मिलेगी। हम बाबा साहब के सपनों को पूरा करने के लिए मिलकर काम करेंगे। अवध ओझा शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में बहुत अहम भूमिका निभाने वाले हैं, जिससे दिल्ली और देश को बहुत फायदा होगा।

साहित्य अकादेमी का पुस्तक मेला पुस्तकायन 6 से

नई दिल्ली, एजेंसी। साहित्य अकादेमी के सुप्रसिद्ध पुस्तक मेले 'पुस्तकायन' के तृतीय संस्करण का आयोजन छह से 15 दिसंबर तक होगा। साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने सोमवार को यहां बताया कि पुस्तकायन का उद्घाटन अमेरिका में भारत के पूर्व राजदूत एवं लेखक नवतेज सरना करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष माधव कौशिक करेंगे और समापन वक्तव्य साहित्य अकादेमी की उपाध्यक्ष कुमुद शर्मा देंगी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्कृति मंत्रालय अतिरिक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार रंजना चोपड़ा एवं संयुक्त सचिव उमा नंदूरी भी उपस्थित रहेंगी। पुस्तक मेले में 40 से अधिक महत्त्वपूर्ण प्रकाशक शामिल हो रहे हैं।

किसान आंदोलन पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा

लोकतंत्र में सभी को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का अधिकार

- अवैध हिरासत के खिलाफ दायर की गई थी याचिका
- आमरण अनशन शुरू करने से पहले हिरासत में लिया था

आप शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं, लेकिन लोगों को असुविधा न पहुंचाएं।'

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने किसानों के आंदोलन पर को सोमवार को कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में कोई भी शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर सकता है। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह दल्लेवाल की ओर से पेश अधिवक्ता से कहा कि वह प्रदर्शनकारी किसानों को राजमार्गों को बाधित करने से रोकने और लोगों को असुविधा पहुंचाने से बचाने के लिए उन्हें (दल्लेवाल) राजी करें। पीठ ने अधिवक्ता से कहा, लोकतांत्रिक व्यवस्था में आप शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं, लेकिन लोगों को असुविधा न पहुंचाएं।

पीठ ने उनसे आगे कहा, आप सभी जानते हैं कि खनौरी सीमा पंजाब के लिए जीवन रेखा है। पीठ ने हालांकि स्पष्ट किया कि वह विरोध प्रदर्शन पर कोई टिप्पणी नहीं कर रही है। पीठ ने कहा, हम इस पर टिप्पणी नहीं कर रहे हैं कि विरोध सही है या गलत। शीर्ष अदालत ने कहा कि उसने किसानों द्वारा उठाए गए मुद्दे पर गौर किया है और इस पर लंबित मामले के साथ विचार किया जा रहा है। पंजाब–हरियाणा सीमा पर खनौरी विरोध स्थल से कथित तौर पर हटाए गए दल्लेवाल की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका का निपटारा करते हुए पीठ ने 26 नवंबर को कहा था, हमने देखा है कि उन्हें रिहा कर दिया गया है और उन्होंने शनिवार को एक साथी प्रदर्शनकारी को अपना आमरण अनशन समाप्त करने के लिए राजी भी किया। उनके आमरण अनशन शुरू करने से ठीक पहले 26 नवंबर को दल्लेवाल को कथित तौर पर खनौरी सीमा से जबरन हटाकर लुधियाना के एक अस्पताल में ले जाया गया था, जहां शुक्रवार शाम को उन्हें छुट्टी दे दी गई।

पंजाब पुलिस द्वारा उनकी कथित अवैध हिरासत के खिलाफ शीर्ष अदालत में एक याचिका दायर की गई थी। दल्लेवाल रिहा होने के बाद खनौरी सीमा पर आमरण अनशन में शामिल हो गए। सुरक्षा बलों द्वारा रोके जाने के बाद किसान 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी सीमा मुख्य स्थल पर पर डेरा डाले हुए हैं। ये किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी के अलावा किसानों ने स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू करने, किसानों और खेत मजदूरों के लिए पेंशन, कृषि ऋण माफी की माँग कर रहे हैं।

प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद लिया फैसला

किसानों ने दिल्ली कूच एक सप्ताह के लिए रोका

नोएडा, देशबन्धु। मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा ने दिल्ली कूच एक सप्ताह के लिए रोक दिया है। यह फैसला किसान नेताओं की ग्रेटर नोएडा, नोएडा और यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद लिया गया। हालांकि इस दौरान करीब चार घंटे तक एक्सप्रेस वे बंद रहा। दिल्ली–नोएडा बॉर्डर पर किसानों के प्रदर्शन के कारण जाम की स्थिति बन गई थी। दिल्ली नोएडा में लोग दिनभर जाम से परेशान रहे। शाम करीब साढ़े तीन बजे तीनों प्राधिकरण के ओएसडी के साथ किसानों ने बातचीत की। किसानों ने सात दिन का समय दिया है। इसके बाद नोएडा एक्सप्रेस–वे से बैरिकेडिंग हटा दी गई और आवाजाही शुरू हो गई है। इससे पहले सोमवार दोपहर बारह बजे किसान नोएडा के महामाया फ्लाईओवर के पास इकट्ठा हुए।

4 घंटे बंद रहा एक्सप्रेस वे

संसद का घेराव करने के लिए निकले थे

संसद का घेराव करने के लिए दिल्ली की तरफ बढ़े, तो पुलिस ने दलित प्रेरणा स्थल पर रोक दिया। किसानों की पुलिस से नोकझोंक हो गई। अंत में राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल के पास किसानों को रोका गया। वहीं वार्ता हुई।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला के साथ सभी दलों के नेताओं की बैठक में बनी सहमति

आज से संसद के सुचारू रूप से चलने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार और विपक्ष के बीच सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र में दोनों सदनों की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने को लेकर सहमति बन गई है और मंगलवार को पहला विधेयक पारित होने की संभावना है।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में सदन में आज सभी दलों के नेताओं की बैठक में यह सहमति बनी। बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संवाददाताओं से कहा कि लोकसभा अध्यक्ष के साथ सदन में सभी दलों के नेताओं की बैठक हुई है। कुछ दिनों से संसद में गतिरोध बना हुआ है, सभी ने इस पर अपनी चिंता व्यक्त की है।

उन्होंने कहा, हमने भी कहा कि भारत की संसद में सभी निर्वाचित प्रतिनिधि अपनी बात रखने आते हैं और कई दिनों तक संसद का न चलना अच्छा नहीं है। विपक्ष की ओर से पहले भी कई मांगें की जा चुकी हैं। कार्य मंत्रणा समिति में संविधान पर चर्चा कराने का प्रस्ताव रखा गया। सरकार ने इसे स्वीकार कर लिया है। आगामी 13–14 दिसंबर को हम संविधान पर चर्चा करेंगे। 16–17 दिसंबर को राज्यसभा में भी चर्चा होगी। अध्यक्ष ने यह भी कहा कि अगर कोई कोई मुद्दा उठाना चाहता है तो इसके लिए नियम है। आप इसके लिए नोटिस दे सकते हैं लेकिन संसद में हंगामा करना और कामकाज में बाधा डालना सही नहीं है। यह सभी ने स्वीकार कर लिया है। श्री रिजीजू ने कहा कि यह अच्छा है कि सभी की सहमति से सदनों में कल से चर्चा होगी।

पहला विधेयक पारित होने की है संभावना

सीतारमण, रूपाणी महाराष्ट्र के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त

भाजपा विधायक दल की बैठक कल

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा का रिजल्ट आने के 10 दिन बाद भी मुख्यमंत्री के नाम पर सस्पेंस बना हुआ है। इस बीच भाजपा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी को पर्यवेक्षक बनाया है। विजय रूपाणी आज शाम मुंबई पहुंचेंगे, जबकि निर्मला सीतारमण 4 दिसंबर को सुबह मुंबई पहुंचेंगी।

बीजेपी विधायक दल की बैठक 4 दिसंबर को सुबह 10 बजे विधान भवन के सेंट्रल हॉल में होगी। इसमें मुख्यमंत्री का नाम तय होगा। 5 दिसंबर को शाम 5 बजे मुंबई के आजाद मैदान में सीएम का शपथ समारोह होगा। भाजपा की ओर से देवेंद्र फडणवीस का सीएम बनना तय माना जा रहा है। विधानसभा चुनाव में महायुति को 230 सीटें मिली हैं। बहुमत के लिए जरूरी 145 विधायकों से 85 सीटें ज्यादा। भाजपा को 132, शिवसेना शिंदे को 57 और ह्ष्टक्क अजित पवार को 41 सीटें मिली हैं।

जनता मुझे मुख्यमंत्री बनाना चाहती है

महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक साक्षात्कार में कहा, जनता चाहती है कि मुख्यमंत्री मैं ही रहूं। मैं आम लोगों के लिए काम करता हूं। मैं जनता का मुख्यमंत्री हूं। इसी वजह से लोग मानते हैं कि मुझे ही मुख्यमंत्री बनना चाहिए।

सड़क हादसे का हुए शिकार

युवा आईपीएस अधिकारी की ड्यूटी के पहले ही दिन मौत

बेंगलुरु, एजेंसी। मध्यप्रदेश के युवा आईपीएस अधिकारी हर्ष बर्धन की एक सड़क हादसे में मौत हो गई। मध्यप्रदेश के सिंगरौली में रहने वाले 27 वर्षीय हर्ष बर्धन पहली ड्यूटी ज्वाइन करने के मैसूर से हासन जा रहे थे। बताया जाता है कि इस दौरान पुलिस वाहन का टायर फटने से चालक का नियंत्रण बिगड़ गया और वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया और वे गंभीर रूप से चोटिल हो गए और उनकी मौत हो गई। बताया जाता है कि उन्होंने मैसूर के आईजीपी कार्यालय पहुंचकर वरिष्ठ अधिकारी से मुलाकात की थी। इस दौरान हर्ष बर्धन को शुभकामनाएं दी गई थीं।

बताया जाता है कि मैसूर से वे हासन के लिए रवाना हुए तो इसके बाद कित्तने गांव के पास यह हादसा हुआ। सूचना मिलते ही हसन एसपी मोहम्मद सुजीता, एएसपी तम्मैया और वेंकटेश नायडू मौके पर पहुंचे। गंभीर रूप से घायल हर्ष बर्धन को स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सूचना मिलते ही हसन दक्षिण क्षेत्र के आईजीपी डॉ. बोरलिंगय्या ने अस्पताल का पहुंचे। पुलिस ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए बेंगलुरु ले जाने पर विचार किया। हालांकि, हर्ष बर्धन की हालत पल–पल बिगड़ती जा रही थी। इसलिए उन्हें दूसरी जगह ले जाना संभव नहीं था।

सिंगरौली में पदस्थ हैं हर्ष बर्धन के पिता

बिहार का मूल निवासी है परिवार

दुर्घटना में मौत के शिकार हुए आईपीएस हर्ष बर्धन का परिवार बिहार कर रहने वाला है। लेकिन हर्ष बर्धन के पिता सिंगरौली जिले में रहते हैं वह सिंगरौली में एसडीएम हैं। यह खबर सिंगरौली पहुंचते ही शोक की लहर दौड़ गई और सिंगरौली कलेक्ट्रेट में दिवंगत युवा आईपीएस को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में बोले नौसेना प्रमुख

पाकिस्तानी नौसेना को मजबूत बना रहा है चीन

भारत किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार

नई दिल्ली, देशबन्धु। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने सोमवार को कहा कि चीन पाकिस्तान की नौसेना को युद्धपोतों तथा पनडुब्बियों से लैस कर मजबूत बनाने में लगा है लेकिन भारत किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय नौसेना की हिन्द महासागर में सभी नौसेनाओं की गतिविधियों पर कड़ी नजर रहती है और चीन की पनडुब्बी पिछले वर्ष इस क्षेत्र में आई थी और फिर कराची गई थी लेकिन उसके बाद से चीनी की पनडुब्बी इस क्षेत्र में दिखाई नहीं दी है। चीन और बंगलादेश की नौसेनाओं के बीच सहयोग के बारे में एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि उनके बीच प्रशिक्षण और अभ्यास होता है। बंगलादेश की नौसेना भारत के साथ भी अभ्यास करती है। हालाकि बांग्लादेश में बदले हालातों के बीच चीन की नौसेना और बंगलादेश की नौसेना के बीच गठजोड़ की रिपोर्टों पर उन्होंने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। नौसेना दिवस चार दिसम्बर से पहले सोमवार को यहां वार्षिक संवाददाता सम्मेलन में एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि सरकार ने नौसेना के लिए दो और परमाणु पनडुब्बियों की मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि नौसेना आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से काम कर रही है और अभी 62 युद्धपोत तथा एक पनडुब्बी देश में ही बनायी जा रही है। एडमिरल त्रिपाठी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत पाकिस्तान की नौसेना की हैरान कर देने वाली मजबूती से अवगत है और रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि उसे अगले एक दशक में 50 प्लेटफार्म मिलने वाले हैं। उन्होंने कहा कि यह अफसोस की बात है कि पाकिस्तान ने लोगों के कल्याण की जगह हथियारों को चुना है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को शुभकामनाएं ।

सुखबीर बादल को अकाल तख्त ने सुनाई सजा

- स्वर्ण मंदिर में वॉशरूम-जूठे बर्तन साफ करने का आदेश
- अकाल तख्त ने 'तनखैया' घोषित किया था

अमृतसर, एजेंसी। सिखों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था अकाल तख्त ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल को साल 2015 में गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम का पक्ष लेने के लिए गुरुद्वारे में रसोई और वॉशरूम की सफाई की सजा सुनाई है।

सुखबीर बादल और साल 2015 में उनके कैबिनेट के सदस्य रहे अकाली दल के नेता 3 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से एक बजे तक स्वर्ण मंदिर में शौचालय साफ करेंगे। इसके बाद स्नान करेंगे और लंगर चलाएंगे। एक घंटा बर्तन साफ करेंगे और एक घंटा गुरबाणी सुनेंगे। साथ ही जूते साफ करने की भी उनको सजा सुनाई गई है। उनके गले में तख्ती डाली जाएगी। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह की ओर से बुलाई गई पांच सिंह साहिबानों की बैठक के बाद यह धार्मिक सजा सुनाई गई है। दो महीने पहले सुखबीर सिंह बादल को अकाल तख्त ने 'तनखैया' (धार्मिक दुराचार का दोषी) घोषित किया था। सुखबीर सिंह बादल के पैर में चोट लगे होने के कारण वह दरबार साहिब के बाहर चोला डाल कर व्हीलचेयर पर बैठ कर पहरेदारी करेंगे। सिरसा डेरा को माफी देने के समय प्रकाश सिंह बादल मुख्यमंत्री थे।

डल झील को निहारने के लिए लांच किया

कश्मीर में टैक्सी नहीं अब 'उबर शिकारा' करें बुक

• सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, देशबन्धु। अगर आप विश्व प्रसिद्ध डल झील में शिकारे में सवार होकर चांदनी रात में चांद को निहारना चाहते हैं तो आपको 'उबर शिकारा' बुक कर लेना चाहिए। हालांकि उबर टैक्सी का संचालन अभी आरंभ नहीं हुआ है पर अपने किस्म के 'उबर शिकारा' ने सबको चौंकाया जरूर है।

दरअसल पारंपरिक शिकारा सवारी के अनुभव को आधुनिक बनाने के लिए एक अभिनव कदम उठाते हुए, उबर ने 'उबर शिकारा' लांच किया है, जो एक ऐसी सेवा है जो डल झील की सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक तकनीक की सुविधा के साथ जोड़ती है। यह पहल पर्यटकों और स्थानीय लोगों को उबर ऐप के माध्यम से शिकारा की सवारी बुक करने की सुविधा देती है, जो कश्मीर के सबसे प्रतिष्ठित आकर्षणों में से एक को देखने का एक नया और सुलभ तरीका प्रदान करती है।

उबर शिकारा की शुरुआत ऐसे समय में हुई है जब कश्मीर में पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। पर्यटन विभाग के अनुसार, 1 जनवरी से 30 नवंबर, 2024 के बीच 35,254 अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों सहित 28 मिलियन से अधिक पर्यटकों ने घाटी का दौरा किया है। शुरुआत में आठ शिकारों के बेड़े के साथ पेश किया गया, उबर शिकारा डल झील पर एक घंटे की सवारी प्रदान करता है और इसमें चार यात्री बैठ सकते हैं। यह सेवा ग्राहकों को 12 घंटे से लेकर 15 दिन पहले तक के विकल्प के साथ पहले से ही सवारी बुक करने की सुविधा देती है, जो स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों के लिए लचीलापन प्रदान करती है। मूल्य निर्धारण शिकारा सवारी के लिए सरकार के आधिकारिक दर कार्ड का पालन करता है, जो पारदर्शिता सुनिश्चित करता है और किसी भी अस्पष्टता को समाप्त करता है। उल्लेखनीय रूप से, उबर ने इन बुकिंग पर कमीशन शुल्क माफ कर दिया है, जिससे यह स्थानीय शिकारा आपरेटरों के लिए एक अनुकूल व्यवस्था बन गई है। जम्मू कश्मीर शिकारा यूनियन के अध्यक्ष वली मोहम्मद ने भी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि यह उबर के साथ हमारा पहला सहयोग है, और हमें खुशी है कि यह सरकार द्वारा स्वीकृत दरों का पालन करता है, जिससे सौदेबाजी की कोई गुंजाइश नहीं रहती। यह सभी के लिए फायदेमंद है, क्योंकि हमें उबर को कोई कमीशन नहीं देना पड़ेगा। वे कहते थे कि यह पहल पर्यटकों के अनुभव को बहुत बढ़ाएगी और कश्मीर को और भी अधिक आकर्षक गंतव्य बनाएगी।

झील की सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक तकनीक से जोड़ा

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

मेडिकल कालेज और स्वास्थ्य सुविधा की मांग लेकर जल सत्याग्रह 5 को

इटारसी, देशबन्धु। नर्मदापुरम जिले के इटारसी में मेडिकल कॉलेज की मांग और इटारसी सहित जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के लिए 5 दिसंबर को दोपहर 12 बजे नर्मदापुरम में मां नर्मदा के तट पर कलेक्ट्रेट के पास कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड द्वारा जल सत्याग्रह किया जाएगा। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गजानन तिवारी ने कहा कि वेंटिलेटर, स्थाई विशेषज्ञ डॉक्टर सहित मेडिकल कालेज इटारसी की जो सबसे बड़ी एवं गंभीर समस्या उसका निराकरण नहीं हो सकता आंदोलन जारी रहेगा। 5 दिसंबर को 12 बजे कड़कड़ाती ठंड में नर्मदापुरम में कलेक्ट्रेट के पास मां नर्मदा के पावन जल में जल सत्याग्रह करने जा रहे हैं। इस लड़ाई को हमेशा जारी रखेंगे, जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जाती। अगर हम हार गए तो इंसानियत की हार होगी, मानवता की हार होगी, क्योंकि यह लड़ाई हम अपने लिए नहीं, बल्कि गरीब जनता के लिए लड़ रहे हैं, इटारसी के लिए लड़ रहे हैं।

लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर त्रिशताब्दी वर्ष आयोग समिति की प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरित

इटारसी, देशबन्धु। लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर त्रिशताब्दी वर्ष आयोग समिति द्वारा इटारसी नगर में रंगभरो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे इटारसी नगर के 20 विधालय के 420 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह सरस्वती शिशु मंदिर, आर्य नगर इटारसी में किया जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती श्वेता नितिन अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि श्रीमती सुनयना अभिषेक तिवारी उपस्थित रहीं। अध्यक्षता श्रीमती सुमन राजेंद्र माहेश्वरी ने की। मुख्यवक्ता सुश्री मेघा (विभाग तरुणी संयोजिका राष्ट्र सेविका समिति नर्मदापुरम) ने उपस्थित छात्र छात्राओं को लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के जीवन और उनके द्वारा समाज उत्थान के लिए किये गए कार्यों के बारे में अवगत कराया। प्रतियोगिता में नगर के प्रथम स्थान पर प्रज्ञान को. एड. इंग्लिश मीडियम स्कूल की कक्षा ग्यारहवीं की दिव्या चौरसिया, द्वितीय स्थान पर ड्रीम इंडिया स्कूल के कक्षा सातवीं के यश गालर और तृतीय स्थान पर सरस्वती शिशु मंदिर आर्य नगर की कक्षा छठवीं की नैंसी अग्रवाल रही। अतिथियों ने सभी विजेताओं को सम्मानित किया एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनायें दी गईं। समारोह के अंत में समिति की सुश्री मोहिनी गिरिराज सोनी ने अतिथियों, अभिभावक एवं शिक्षकों का आभार व्यक्त कर पुरस्कार वितरण समारोह का समापन हुआ।

स्टेट कराटे प्रतियोगिता में जीनियस प्लेनेट स्कूल के कराते खिलाड़ियो ने जीते 12 पदक

इटारसी, देशबन्धु। दो दिवसीय स्टेट कराटे चैंपियनशिप में नर्मदापुरम जिले के कराते खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। जीनियस प्लेनेट सीनियर सेकेंडरी स्कूल इटारसी के कराते खिलाड़ियों ने जिले को 4 रजत,8 कांस्य पदक दिलवाए हैं। मध्य प्रदेश कराते एसोसिएशन के द्वारा दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय कराते चैंपियनशिप का आयोजन इंदौर पब्लिक स्कूल में कराया था। इस प्रतियोगिता में जीनियस प्लेनेट सीनियर सेकेंडरी स्कूल इटारसी के मुख्य करते प्रशिक्षक रवि साहू के नेतृत्व में निष्कर्ष रोकड़े रजत पदक, भूमि आश्रय रजत पदक, आस्था मंझरिया रजत पदक, अनुश्री राजपूत रजत पादक, अंश शिंदे कांस्य पदक, आराध्या राजपूत कांस्य पदक, सोनाक्षी चौरे कांस्य पदक ,परीक्षित यादव कांस्य पदक, मोइन शाह कांस्य पदक, यति दीवान कांस्य पदक, अवनी पटेल कांस्य पदक, हर्ष यादव कांस्य पदक, दीक्षा चौहान कांस्य पदक, मोहम्मद अरमान सिद्दीकी कांस्य पदक प्राप्त किए। जिले को कुल 62 पदक प्राप्त हुए, जिसके कारण नर्मदापुरम कराटे एसोसिएशन को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ एवं ओवरऑल ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इन सभी खिलाड़ियों को जीनियस प्लेनेट स्कूल के संचालक मोहम्मद जाफर सिद्दीकी, मनीता सिद्दीकी, स्कूल प्राचार्य विशाल शुक्ला एवं स्कूल स्टाफ ने सभी बच्चों एवं मुख्य प्रशिक्षक कराते रवि साहू को बधाई दी।

रेलवे ने दो ट्रेनों में बढ़ाए अतिरिक्त कोच, आज 4 टिकट काउंटर और खोले जाएंगे

भोपाल,देशबन्धु। भोपाल में चल रहे इज्तिमे के लिए रेलवे ने भी इंतजाम किए हैं। भोपाल-इटारसी एक्सप्रेस और राजस्थान जाने वाले लोगों के लिए भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस में एक-एक अतिरिक्त कोच बढ़ाया है। 2 दिसंबर को भोपाल स्टेशन पर 4 टिकट काउंटर भी बढ़ाने का फैसला लिया है। इसके तहत 2 टिकट काउंटर 6 नंबर प्लेटफार्म स्थित पंडाल में और दो काउंटर और बढ़ाए जाएंगे।वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि गाड़ी संख्या 11272 भोपाल-इटारसी एक्सप्रेस में 2 और 3 दिसंबर को एक सामान्य कोच बढ़ाया जाएगा। इसी तरह गाड़ी संख्या 14814 भोपाल-जोधपुर एक्सप्रेस में 2 और 3 दिसंबर को सामान्य कोच बढ़ाया जाएगा। वहीं भोपाल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए 6 नियमित टिकट काउंटर के अलावा 2 अतिरिक्त टिकट खिड़कियां शुरू की गई हैं। 6 एटीवीएम (ऑटोमैटिक टिकट वेंडिंग मशीन) से टिकट जारी किए जा रहे हैं।

एनकास की टीम कर रही अस्पताल का निरीक्षण, दो दिन के लिए गेट बंद

इटारसी, देशबन्धु। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (ठ्ठह्वड्डह्य) की केंद्रीय टीम दो दिनों तक शासकीय श्यामा प्रसाद मुखर्जी अस्पताल का निरीक्षण करेगी। टीम द्वारा दो दिनों तक अस्पताल की गुणवत्ता का निरीक्षण किया जा रहा है।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सार्वजनिक अस्पतालों की विश्वसनीयता में सुधार लाने तथा अच्छा प्रदर्शन करने वाली सुविधाओं को मान्यता देने के लिए शुरू किया गया एक कार्यक्रम है।

एनक्यूएएस माप प्रणाली आठ व्यापक विषयों या चिंता के क्षेत्रों पर आधारित है, जिनमें शामिल हैं, सेवा प्रावधान, रोगी अधिकार, इनपुट, समर्थन सेवाएं, नैदानिक सेवाएं, संक्रमण नियंत्रण, गुणवत्ता प्रबंधन और परिणाम। इसके आधार पर टीम यह रिपोर्ट केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को सौंपेगी, पिछले वर्ष इटारसी की सिविल अस्पताल को इस टीम के निरीक्षण के बाद प्रमाण पत्र मिला था, उसी मानक को अस्पताल बरकरार रख रहा है या नहीं, यह निरीक्षण टीम द्वारा किया जा रहा है। टीम की रिपोर्ट अस्पताल के हक में जाती है तो प्रमाण पत्र निरंतर रहेगा।

एनकास की टीम दो दिन इटारसी में रहेगी और हर स्तर पर जांच करेगी। आज एक दिन का निरीक्षण पूर्ण हो चुका है। कल दूसरे दिन का निरीक्षण होगा। टीम भोपाल से आयी है और निरीक्षण के बाद रिपोर्ट दिल्ली सौंपी जाएगी। टीम की रिपोर्ट के आधार पर क्वालिटी का निर्धारण होगा। अस्पताल प्रबंधन ने दो दिन के लिए अस्पताल का गेट बंद किया है, ताकि लगातार वाहनों के आने जाने, अवांछित लोगों के आने से गंदगी और अव्यवस्था न उत्पन्न हो। लोग बाइक लेकर फर्राटा भरते हैं, और गंदगी भी फैलाते हैं, इससे एनकास की रिपोर्ट पर फर्क पड़ सकता है।

एनकॉस के लक्ष्य - यह सुनिश्चित करना कि प्रयोगशाला परीक्षण प्रक्रियाएं सुरक्षित, सटीक और सुसंगत हों, ब्लॉक और जिला स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशालाओं को योग्यता प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित करना, गुणवत्ता मानकों को बनाए रखना और सुधारना, मरीजों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करना , एनक्यूएएस मानकों को सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित किया गया है। ये जिला अस्पतालों, सीएचसी, पीएचसी और शहरी पीएचसी के लिए उपलब्ध हैं।

इनका कहना है...

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक की टीम भोपाल से आयी है जो अस्पताल का निरीक्षण कर रही है। यह टीम रिपोर्ट दिल्ली को करेगी जो अस्पताल में क्वालिटी कंट्रोल का मापदंड निर्धारित करेगी। पिछले वर्ष अस्पताल को इसके लिए प्रमाण पत्र मिला था, जहां तक गेट की बात है तो इसे केवल दो दिन के लिए बंद किया है।

डॉ. आरके चौधरी, अधीक्षक

छात्र- छात्राओं ने रेड रिबन लगाकर दिया एड्स के प्रति जागरूकता का संदेश

इटारसी, देशबन्धु। शासकीय महात्मा गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय, इटारसी (म.प्र.) में रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना बालक इकाई के तत्वावधान में एड्स जागरूकता अभियान के अतंर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें पोस्टर के माध्यम से एड्स क्या होता है ? कैसे होता है। इससे कैसे बचा जा सकता है आदि तथ्यों को ध्यान में रखते हुए पोस्टर बनाकर जनजागरूकता का काम किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ.राकेश मेहता ने अपने उद्बोधन में कहा कि एड्स को लेकर समाज में कई प्रकार की भ्रांतियां हैं, उनको दूर करना इस अभियान का मूल प्रयोजन है। आम व्यक्तियों में जागरूकता एड्स के प्रति सजगता ही एड्स जैसी गंभीर बीमारी से बचा सकती है। एक बार उपयोग में लाई गई सुई का उपयोग दोबारा ना करें। ब्लड चढ़ाते समय विशेष ध्यान रखें। साथ ही कहा कि एड्स एक दूसरे से हाथ मिलाने नहीं होता है। एक दूसरे के साथ भोजन करने से नहीं होता है, यदि कोई व्यक्ति एड्स से पीड़ित हो जाता है तो उसके लिए जिला चिकित्सालय में उचित काउंटर की व्यवस्था की गई है, और उनकी जानकारी गोपनीय रखी जाती है। ऐसे व्यक्ति आपके संज्ञान में आते हैं तो ऐसे व्यक्ति को चित्किसालय में भेजने का प्रयास करें।

रेड रिबन एवं राष्ट्रीयसेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ.संतोष कुमार अहिरवार ने बताया कि यह अभियान पूरे माह चलने वाला है इसके लिए प्रशासन एवं विश्वविद्यालय के विस्तृत निर्देश हैं, जिसमें प्रमुख रूप से मानव श्रंखला, नुक्कड़ नाटक, साईकिल रैली, बाईक रैली, पोस्टर, भाषण आदि प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। चौक, चौराहों में जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के डॉ.अरविंद शर्मा, डॉ.रश्मि तिवारी, डॉ.अर्चना शर्मा, डॉ.मनीष कुमार चैरे, डॉ.संजीव कैथवास, डॉ.दिनेश कुमार, डॉ.बलिराम खातरकर आदि प्राध्यापक एवं एन.एस.एस, एनसीसी रेड रिबन क्लब के विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ ने निकाली वाहन रैली, युवाओं में भरा जोश

इटारसी, देशबन्धु। वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ के मंडल अध्यक्ष राजेश पांडे के नेतृत्व में आज वाहन रैली निकाली गयी। रैली में युवाओं ने जोश और उमंग दिखाया और गाय को जिताने के लिए संकल्प लिया। इटारसी की पांचोंव शाखाओं के अध्यक्ष ,सचिव ,मुख्यालय कार्यकारिणी सदस्य युवा पदाधिकारी एसबीएफ सदस्य के साथ महिला विंग एवं छोटे-छोटे डिपो के रेलवे कर्मचारियों ने वहां मन बना लिया है कि गाय पर मोहर लगाना है।

उल्लेखनीय कि आज मंडल अध्यक्ष राजेश पांडे के नेतृत्व में डीजल शेड से यार्ड की पूरी रेलवे कॉलोनी होते हुए वाहन रैली तिरंगे झंडे के साथ डीजे एवं रेलवे कर्मचारियों के जोश जुनून के साथ जयस्तंभ चौराहे से होती हुई रेलवे साइकिल स्टैंड पर पहुंची जहां पर सभा के रूप में परिवर्तित हुई। सभा का संचालन मुख्य शाखा के अध्यक्ष प्रीतम तिवारी, योगेश चोरे ने किया। अपने उद्बोधन में भागीरथ मीणा ने कहा कि लाल झंडे को भोपाल मंडल ने नकार दिया है, वहीं अपने ओजस्वी उत्कृष्ट भाषण में मंडल अध्यक्ष राजेश पांडे ने कहा कि आने वाले मान्यता के चुनाव में तिरंगा झंडा गाय निशान रेलवे कर्मचारियों का पहला संगठन बन गया है एवं सभी जो कार्य रेलवे कर्मचारियों के होने थे वह वह सेंट्रल में मजदूर संघ करता आया है।

अपने उद्बोधन में पांडे ने कहा कि 12 तारीख को भोपाल मंडल में ही नहीं अपितु भारतीय रेल में इतिहास लिखा जाएगा कि एनपीएस और यूपीएस के जन्मदाताओं को रेलवे कर्मचारियों ने त्याग दिया है, केवल ओल्ड पेंशन स्कीम देने वाले संगठन आठवां वेतन देने वाले संगठन रेलवे कर्मचारियों के बच्चों को ईसीसी बैंक में लगाने वाले संगठन वेस्ट सेंट्रल मजदूर संगठन गाय निशान को जिताने के लिए अपील की। आभार प्रदर्शन इटारसी के कोऑर्डिनेटर मुख्यालय कार्यकारिणी सदस्य कुंदन अगलावे ने किया।

जीतेंद्र बने न्यू आदर्श श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्ट्रीय संगठन सचिव

इटारसी, देशबन्धु। न्यू आदर्श श्रमजीवी पत्रकार संघ की बैठक आज नर्मदापुरम में आयोजित की गई। बैठक के दौरान संगठन को और गति देने के लिए मध्य प्रदेश के वरिष्ठ

पत्रकार जितेंद्र कुमार राजवंशी को न्यू आदर्श श्रमजीवी पत्रकार संघ में नवीन जिम्मेदारी दी गई। पूर्व में कई वर्षों से राजवंशी के पास में प्रदेश संयोजक का दायित्व था। उनकी कार्यशैली को देखते हुए पदोन्नत कर राष्ट्रीय संगठन सचिव के पद पर मनोनीत किया गया। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डीएल, राष्ट्रीय महासचिव अशोक चौधरी, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष शंकर लाल कारपेंटर, राष्ट्रीय कार्यालय सचिव आरती ठाकुर की सहमति से श्री राजवंशी को मनोनीत किया गया। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व विधायक लालजी राम मालवीय व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

बिजली विभाग के पथरोटा डिपो स्टोर में लगी आग, सतर्कता से बुझाई

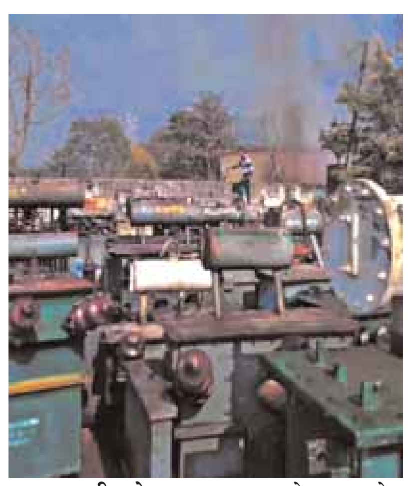

इटारसी, देशबन्धु। मध्यप्रदेश मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के पथरोटा स्थित डिपो स्टोर में आज सुबह करीब 11 बजे अचानक आग लग गयी। घटना डिपो स्टोर इटारसी परिसर एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था इटारसी की कामन दीवार के पास हुयी थी। आग ने विकराल रूप ले लिया था। बाउंड्री वाल से सटे हुये वितरण ट्रांसफार्मर रखे हुये थे, जिनके अंदर अत्यधिक ज्वलनशील ऑयल रहता है। सूचना मिलने पर डिपो स्टोर प्रबंधक ने ड्यूटी पर उपस्थित सुरक्षा गार्ड एवं अन्य कर्मचारियों की मदद से डिपो स्टोर इटारसी में उपलब्ध फायर फायटिंग सिस्टम तत्काल ऑपरेट कर आग पर पूर्ण रूप से काबू पाया गया। बता दें कि डिपो स्टोर इटारसी में हर समय 2000 से 2500 गुड एवं विफल ट्रांसफार्मर का स्टॉक बना रहता है एवं 25 एमटी के तीन नग ऑयल टैंक जिससे अधिकतम समय ट्रांसफार्मर ऑयल भरा रहता है। डिपो स्टोर इटारसी के कर्मचरियों द्वारा यदि तत्काल पूर्ण सजगता के साथ फायर फायरिंग सिस्टम आपरेट कर आग पर काबू नहीं पाया जाता तो करोड़ों रुपए का नुकसान हो सकता था।

करुणाधाम पीठाधीश्वर 6 दिसंबर से करेंगे नर्मदा परिक्रमा

भोपाल,देशबन्धु। करुणाधाम आश्रम के पीठाधीश्वर सुदेश शांडिल्य 6 दिसंबर से नर्मदा परिक्रमा करने जा रहे हैं। यह परिक्रमा हरदा के ग्राम गोयद से शुरू होगी। उनके साथ 60 से अधिक महिला, पुरुष और युवा परिक्रमा करेंगे। गुरु श्री शांडिल्य ने बताया कि नर्मदा परिक्रमा पूर्ण रूप से धार्मिक और आध्यात्मिक है। लगभग 4000 किलोमीटर की यात्रा 90 से 120 दिन में पूरी होगी। परिक्रमा में हर पग पर ईश्वर का नाम लेते हुए आगे बढ़ा जाएगा। नर्मदा परिक्रमा से काम, क्रोध, लोभ इत्यादि का नाश होगा और आचरण उत्तम होगा। उन्होंने बताया की परिक्रमा के दौरान प्रत्येक दिन एक पौध-रोपण किया जाएगा, उसके रख-रखाव की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी।

नव विवाहिता ने बेटे के जन्मदिन से पहले की खुदकुशी

ढाई साल पहले हुई थी शादी

भोपाल,देशबन्धु। भोपाल के ईंटखेड़ी में रहने वाली एक नव विवाहिता ने शनिवार शाम फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बताया गया है कि रविवार को उसके बेटे का पहला जन्मदिन था। लेकिन इसके एक दिन पहले ही महिला ने यह कदम क्यों उठाया। इसका खुलासा नहीं हो सका है। हालांकि महिला के भाई और जीजा ने ससुराल वालों पर प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सीहोर जिले के दोराहा अंगूरी अहिरवार उम्र 25 वर्ष की शादी ढाई साल पहले भोपाल के बरखेड़ी हज्जमा ईंटखेड़ी निवासी जितेंद्र अहिरवार से हुई थी। जितेंद्र किसानी करते हैं। अंगूरी ने 1 दिसंबर 2023 को बेटे को जन्म दिया था। रविवार को उसके बेटे का पहला जन्मदिन था। इससे एक दिन पहले शनिवार की शाम अंगूरी ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुंचाया और रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। एएसआई जितेंद्र उईके ने बताया कि घटना स्थल से कोई पत्र नहीं मिला है। इसके चलते मौत के कारणों का अभी खुलासा नहीं हो सका है। फिलहाल मर्ग कायम किया है। मामला नव विवाहिता से जुड़ा होने के कारण आगे की जांच एसडीओपी मंजू चौहान करेंगी। मायके पक्ष के विस्तृत बयानों के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

भाई बोला- 7 दिन मायके में रहने के बाद ससुराल लौटी थीं

अंगूरी के भाई धर्मेंद्र अहिरवार ने बताया कि दीदी 7 दिन मायके में रहने के बाद शुक्रवार को ही ससुराल में लौटी थीं। घर में रहने के दौरान दीदी ने प्लानिंग की थी कि बेटे कान्हा का पहला जन्मदिन धूमधाम से सेलिब्रेट करेंगे। हमें भी कहकर निकली थीं कि ससुराल आ जाना, वहां पार्टी करेंगे। शनिवार दोपहर को उनसे फोन पर बात हुई थी। तब वह सामान्य बात कर रही थीं, किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया था। हमें बहन की मौत की सूचना शनिवार शाम साढ़े चार उनके जेठ ने कॉल पर दी थी। जब ससुराल पहुंचे तो शव ठंडी हो चुकी थी। मतलब काफी पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी।

ससुराल वाले प्रताड़ित करते थे

धर्मेंद्र ने बताया कि दीदी ने ससुराल वालों की प्रताड़ना से तंग आकर ही जान दी है। उसने आरोप लगाया कि ससुराल में हर छोटी बड़ी चीज पर उन पर बेहद सख्ती की जाती थी। घर के बरामदे में भी बिना अनुमति नहीं जा सकती थीं। खाना बनाती तो उस पर भी जीजा और सास एब निकालते थे। आए दिन तानाकशी करते थे, जिससे दीदी बेहद तनाव में रहने लगी थीं। ससुराल वालों की प्रताड़ना से तंग आकर ही उन्होंने खुदकुशी की है।

दिव्यांग बच्चों ने खेलकूद प्रतियोगिता में दिखाया कमाल

चिचोली, देशबन्धु। दिव्यांग बच्चों में खेलकूद की भावनाओं को विकसित करने के लिए सोमवार को ब्लॉक स्तरीय हाई स्कूल हायर सेकेंडरी स्कूल के प्रतिभावान दिव्यांग छात्रों की खेलकूद प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें ब्लॉक के हायर सेकेंडरी स्कूल हाई स्कूल के दिव्यांग छात्राओ ने हिस्सा लिया बच्चों ने प्रतियोगिता जीतने के लिए दम दिखाया। बच्चों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर उन्हें पुरस्कृत किया गया।

दिव्यांग छात्र छात्राओं ने कुर्सी दौड़, रंगोली प्रतियोगिता, चम्मच दौड़ चित्रकला प्रतियोगिता 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में भाग लिया यह प्रतियोगिता उत्कृष्ट स्कूल के प्राचार्य जेएस तोमर, कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य डी के केलकर , ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दीपक महाले के निर्देशन में कराई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर परिषद उपाध्यक्ष वर्षा आंवलेकर एवं जनपद उपाध्यक्ष सुनीता बारस्कर ने किया। खेलकूद प्रतियोगिता में कुर्सी दौड प्रतियोगिता मे लव हरसूले प्रथम रहे। बालिका मे सुहानी धुर्वे, चम्मच दौड प्रतियोगिता में प्रिंस गोचर एवं नेहा उईके प्रथम रहे। 100 मीटर दौड़ में अरविंद वाडीवा और सुहानी धुर्वे प्रथम रही। रंगोली प्रतियोगिता में प्रिया बिसोने ,और मेहंदी प्रतियोगिता में सुहानी धुर्वे प्रथम रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में लव हरसुले प्रथम रहे। पुरस्कार वितरण में नगर परिषद उपाध्यक्ष वर्षा आंवलेकर, उत्कृष्ट स्कूल के प्राचार्य जेएस तोमर, कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य डीके केलकर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दीपक महाले, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पाठक खेड़ा के प्राचार्य राजकुमार पवार शेषराव माली, अलका जायसवाल ,बीएसी अरुणा साहू, सुलेखा घाटोले, एमआरसी सीमा सिह एवं सभी जन शिक्षक मौजूद रहे कार्यक्रम का मंच संचालन डैनी गौड, पीटीआई शिक्षक विजय गहलोत मौजूद रही।

प्रदेश में सर्वप्रथम हरदा जीआईएस का पोर्टल-एप हुआ लान्च

हरदा, देशबन्धु। मध्यप्रदेश शासन के राज्य इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम तथा भारत सरकार के सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से प्रदेश के 5 जिलों हरदा, धार, उज्जैन, राजगढ़ एवं सिवनी में जिला जीआईएस योजना प्रणाली परियोजना लागू हो रही है। इसमें सर्वप्रथम पायलट प्रोजेक्ट के रूप में हरदा जिले में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर आदित्य सिंह द्वारा हरदा जीआईएस एप लान्च किया गया है। इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रोद्योगिक विभाग मध्यप्रदेश शासन भोपाल के अतिरिक्त परियोजना संचालक डॉ. संदीप गोयल एवं उनकी टीम भी उपस्थित थी।

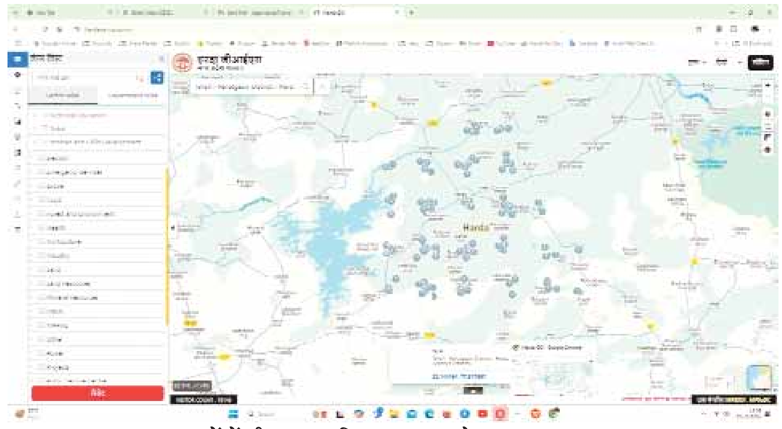

इस अवसर पर बताया गया कि इस पोर्टल/एप से जिले में अधोसंरचना संबंधी परियोजनाओं का क्रियान्वयन व मॉनिटरिंग आसान होगी। यह एप नई परियोजनाओं को शुरू करने में तो मददगार सिद्ध होगा ही साथ ही आपदा प्रबन्धन व्यवस्थाओं में भी सहायक सिद्ध होगा। इस एप्लीकेशन के माध्यम से शासकीय योजनाओं की मेपिंग और मॉनिटरिंग आसान होगी तथा नई योजनाओं की प्लानिंग करना और सरल हो जाएगा।

हरदा जीआईएस प्रणाली के माध्यम से अधिकारीगण जिले में विकास योजनाओं को तैयार करने और विकास कार्यों की मॉनिटरिंग करने में मदद ले सकेंगे। इस एप के माध्यम से निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी हो सकेगी। सभी विभागों के जिला अधिकारियों को उनके विभाग से संबंधित विकास कार्यों की मेपिंग कराने के निर्देश दे दिये गये है। इसके साथ ही जिले के अधिकारियों से कहा गया है कि वे अपने विभाग से संबंधित जानकारी नियमित रूप से जीआईएस सिस्टम में अपडेट करते रहें। यह जीआईएस एप फसल क्षति के आंकलन में भी मददगार सिद्ध हो सकता है। जीआईएस एप के माध्यम से किस गांव में क्या संसाधन उपलब्ध है और क्या संसाधन उपलब्ध नहीं है, ये दोनों जानकारियाँ उपलब्ध रहेंगी। किस गांव में कितने हेण्डपम्प है, उसमें से कितने चालू स्थिति में है, हेण्डपम्प का मैकेनिक कौन है ? इस तरह की सूक्ष्म जानकारी भी नागरिकों को जीआईएस सिस्टम के माध्यम से उपलब्ध रहेगी। जीआईएस प्रणाली के माध्यम से यह जानकारी भी उपलब्ध हो सकेगी कि विकास कार्यों के लिये जिले में कितना लेण्ड बैंक कहाँ उपलब्ध है, उसमें से कहाँ अतिक्रमण है? यह सब जानकारी भी मिल सकेगी।

कलेक्टर आदित्य सिंह ने बताया कि हरदा जिले के जीआईएस आधारित इस एप से जिले के नागरिकों को एक अतिरिक्त सुविधा देने की तैयारी भी की जा रही है, जिसके माध्यम से कोई भी आम नागरिक अपनी शासकीय विभागों से संबंधित ''डिमाण्ड'' की एप्लिकेशन भी जिला प्रशासन को अपने स्मार्टफोन के माध्यम से भेज सकेगा। उन्होंने बताया कि समस्याओं के आवेदन के लिये तो सीएम हेल्पलाइन एवं लोक सेवा केन्द्र जैसे प्लेटफार्म उपलब्ध है। अब नागरिकों की मांग संबंधी आवेदनों को प्राप्त कर उनका ऑनलाइन निराकरण कराने की दिशा में यह नवाचार किया जा रहा है जो कि अगले एक-दो सप्ताह में लागू हो जाएगा।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

हरदा विधायक जबलपुर शहर के प्रभारी नियुक्त

हरदा, देशबन्धु। हरदा विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने की सक्रियता एवं संगठन हित में किए गए कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए मप्र कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने पत्र जारी कर उन्हे जबलपुर शहर का जिला प्रभारी नियुक्त किया है। विधायक डॉ. दोगने प्रदेश कांग्रेस द्वारा दिए गए निर्देशानुसार जबलपुर शहर के जिला, ब्लाक, बूथ एवं मैदानी स्तर पर संगठन की मजबूती के लिए कार्य करेगें। हरदा विधायक डॉ. दोगने को जबलपुर शहर प्रभारी नियुक्त होने पर कांग्रेसजनों ने बधाई दी।

रहटगांव की कृषि उपज मंडी में नगद उर्वरक विक्रय केंद्र प्रारंभ

हरदा, देशबन्धु। जिले में उर्वरक व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए म.प्र. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित हरदा का नगद उर्वरक विक्रय केंद्र - कृषि उपज मंडी रहटगांव में किसान संघ के प्रतिनिधियों एवं जिला विपणन अधिकारी की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया है। उपसंचालक कृषि संजय यादव ने कृषक भाईयों से अनुरोध है किया है कि कृषि उपज मंडी रहटगांव से नकद उर्वरक क्रय कर सकते है। रहटगांव की कृषि उपज मंडी में नगद उर्वरक विक्रय केंद्र प्रारंभ होने से स्थानीय किसानों में हर्ष व्याप्त है और किसानों ने इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार प्रकट किया है।

फसल बीमा की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर

हरदा, देशबन्धु। जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत वर्ष 2024-25 में फसल बीमा सप्ताह प्रारंभ किया गया है, जो कि 7 दिसम्बर तक जारी रहेगा । उपसंचालक कृषि संजय यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत रबी वर्ष 2024-25 में अधिसूचित फसलों का फसल बीमा की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर तक नियत की गई है। उन्होंने किसानों से अनुरोध किया है की अंतिम तिथि से पूर्व अपनी फसलों का बीमा अवश्य करवा लें। उपसंचालक ने बताया कि गेहूं की प्रीमियम राशि 675 रु, चना - 594 रु एवं सरसों - 510 रु प्रीमियम राशि प्रति हेक्टयर निर्धारित की गई है। उपसंचालक कृषि श्री यादव ने जिले के अऋणी और कालातीत एन.पी.ए. कृषक भाईयो से अनुरोध किया है कि अपने निकटतम कॉमन सर्विस सेन्टर या बैंक के माध्यम से आवश्यक दस्तावेज जैसे कि ऋण पुस्तिका, बैंक पासबुक, आधारकार्ड, बटाईदार कृषक के लिए आवश्यक दस्तावेज (दस्तावेज - खोटनामा, ऋणपुस्तिका, बैंक पासबुक, आधारकार्ड एवं कृषि भूमि स्वामी का आधारकार्ड ले जाकर करवा सकते है। फसल बीमा कंपनी के प्रतिनिधि भी ग्राम पंचायत स्तर पर भी प्रचार-प्रसार करने के लिए जा रहे है, उनसे भी जानकारी ले सकते है। उन्होंने बताया कि फसल बीमा से संबंधित अधिक जानकारी के लिए भारत सरकार के कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाईन नम्बर 14447 पर भी सम्पर्क किया जा सकता है।

कलेक्ट्रेट परिसर में स्वास्थ्य शिविर संपन्न

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देश पर स्वास्थ विभाग द्वारा सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 74 अधिकारी कर्मचारियों व आम नागरिकों का स्वास्थ्य परिक्षण किया गया। इस दौरान कुल 19 मरीजों की आभा आई. डी. बनाई गई। इस दौरान 38 व्यक्तियों की शुगर की जांच व 74 लोगों का ब्लड प्रेशर की जांच कर आवश्यक दवाईयां वितरित की गई।

ग्रामीण क्षेत्र का दौरा कर शासकीय कार्यालयों का निरीक्षण करें अधिकारी: कलेक्टर

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर आदित्य सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण ढंग से निराकरण कराएं। उन्होने अक्टूबर माह की ग्रेडिंग में हरदा जिले का प्रथम स्थान आने पर अधिकारियों को बधाई दी और इसी तरह का प्रयास भविष्य में भी करते रहने की समझाईश दी।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सभी अधिकारी ग्रामीण क्षेत्र के भ्रमण के दौरान अपने अधीनस्थ कार्यालयों का नियमित रूप से निरीक्षण करें। इसके साथ ही दूरस्थ ग्रामों में भ्रमण के दौरान अधिकारीगण अपने विभाग के कार्यालयों के साथ-साथ गांव के आंगनवाड़ी, छात्रावास, स्कूल, अस्पताल का जरूर निरीक्षण करें और वहां जो भी समस्या सामने आये, उसे जिला प्रशासन के ध्यान में लाएं ताकि निराकरण किया जा सके। उन्होने बैठक में मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देश दिये कि शहरी क्षेत्र में स्थित बड़े भवनों का फायर सेफ्टी ऑडिट पूर्ण कराएं, जो संस्थान इन निर्देशों का पालन न करें, उनके विरूद्ध नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने जिला संयोजक अनुसूचित जनजाति कार्य विभाग को निर्देश दिये कि आदिवासी बहुल क्षेत्रों में आयोजित हो रहे जनसमस्या निवारण शिविरों में जनजातीय वर्ग के युवाओं के स्वरोजगार संबंधी बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना और टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के तहत अधिकाधिक पात्र ग्रामीणों के प्रकरण बनवाएं। उन्होने 70 वर्ष से अधिक आयु के वृद्धजनों के आयुष्मान कार्ड पंजीयन व वितरण के संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी से जानकारी ली।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में निर्देश दिये कि विभिन्न विभागों में सेवा निवृत्त कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण तथा मृत कर्मचारियों के परिजनों के अनुकम्पा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों का त्वरित निराकरण करें। बैठक में संयुक्त कलेक्टर सतीश राय, डिप्टी कलेक्टर संजीव नागू, एसडीएम हरदा कुमार शानु देवड़िया सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव में आथित्य सत्कार एवं अन्य व्यवस्थाएं बेहतर की जाएगी : संभागायुक्त

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नर्मदापुरम संभागायुक्त केजी तिवारी ने सोमवार को गूगल मीट में कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव जो आगामी 7 दिसम्बर को आयोजित किया जाएगा। इसमें सभी निवेशको का बेहतर तरीके से आतिथ्य सत्कार किया जाएगा। कानून एवं व्यवस्था की स्थिति सुढढ़ रहेगी। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि राजस्व अभियान 3.0 में सीमांकन, नक्शा, बंटाकन, नक्शा दुरूस्तीकरण, बंटवारा के प्रकरण तेज गति से निराकृत किए जाए। उन्होने अब तक राजस्व महाअभियान में हुए कार्यो की सराहना की। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि सभी कलेक्टर्स अपने एवं अपर कलेक्टर कोर्ट के लंबित प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें। संभागायुक्त ने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि कुछ विभाग प्रमुख एवं प्राचार्यो द्वारा समयमान वेतनमान का आदेश तो जारी कर दिया गया है लेकिन कुछ कर्मचारियों को अब तक भुगतान नहीं हुआ है। ऐसे छूटे हुए कर्मचारियों को समयमान वेतनमान का भुगतान करने के निर्देश संभागायुक्त ने दिए।

संभागायुक्त ने कहा कि उन्होने भ्रमण के दौरान टेल क्षेत्र में नगर का पानी पहुंचाने के निर्देश दिए थे। लगभग अधिकांश टेल क्षेत्र में नहर का पानी पहुंच चुका है, लेकिन फिर भी कुछ क्षेत्र ऐसे है जहां टेल ऐरिया में पानी नहीं पहुंचा है। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि जिन टेल क्षेत्र में तवा नहर का पानी नहीं पहुंचा है वहां कलेक्टर्स स्वयं जाकर देखें एवं उन टेल क्षेत्र में पानी पहुंचाना सुनिश्चित करें। खाद्य बीज की समीक्षा करते हुए संभागायुक्त को सभी कलेक्टर्स ने अवगत कराया कि जिले में खाद्य बीज एवं बारदाने पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। संभागायुक्त ने जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत पूर्ण हुई नल जल योजना का कार्य ही टेकओवर करें। ठेकेदार द्वारा बनाए अपूर्ण कार्य को ग्राम पंचायत हैण्डऑवर ना करें।

संभागायुक्त ने सीपी ग्राम पोर्टल, सीएम हैल्प लाईन एवं जनसुनवाई में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होने लोक सेवा के प्रदाय की गारण्टी के अंतर्गत अधिसूचित सेवाओं में समय सीमा से बाहर के प्रकरणों तथा उन पर की गई कार्यवाही की समीक्षा की। सोयाबीन एवं धान, ज्वार, बाजरा उपार्जन तथा रबी फसलों हेतु सिचांई एवं खाद्य बीज के वितरण की प्रगति की समीक्षा की। संभागायुक्त ने मत्स्य एवं पशु पालन हेतु किसान क्रेडिट कार्ड की स्वीकृति एवं प्रगति की अद्ययतन स्थिति की समीक्षा की और निर्देश दिए कि मत्स्य और पशु पालन किसानों को कर्मिशियल बैंक से छोटेछोटे ऋण दिलाना सुनिश्चित करें। संभागायुक्त ने आगामी शीतकालीन मौसम को देखते हुए रैन बसेरो में अलाव की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। गूगल मीट के दौरान नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना, बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र सूर्यवंशी, हरदा कलेक्टर आदित्य सिंह ऑनलाईन तथा संयुक्त आयुक्त विकास जीसी दोहर ऑफलाईन मौजूद थे।

राजस्व प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जाए: कलेक्टर

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कलेक्टर सोनिया मीना ने समय सीमा बैठक में सीएम हेल्पलाइन, समयसीमा एवं जनसुनवाई के प्रकरणों की विभागवार विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निराकरण में कोताही ना बरतें। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण किया जाना सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सीएम हेल्पलाइन की पूर्व प्रगति की निरंतरता को बरकरार रखते हुए ग्रेडिंग में सुधार करें। इसी के साथ सीपीग्राम से संबंधित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की वस्तुस्थिति स्पष्ट कर उनका संतुष्टि पूर्वक निराकरण करवाया जाना सुनिश्चित करें। समस्त राजस्व अधिकारी राजस्व महाअभियान 3.0 के साथ-साथ जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के निराकरण पर भी विशेष ध्यान दें। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के सीएम हेल्पलाइन पर खराब प्रदर्शन पर असंतोष व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि शिकायों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण करें तथा समय सीमा बाहर के प्रकरणों पर भी विशेष ध्यान दें।

कलेक्टर सोनिया मीना ने जिले में आगामी रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के आयोजन को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक कर सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की और महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियों पर जोर दिया और विभिन्न विभागों को अपने-अपने दायित्वों के पालन के लिए निर्देशित किया। कलेक्टर ने नर्मदापुरम एवं सोहागपुर के ग्रामीण क्षेत्रो में बाग एवं तेंदुए के मूवमेंट होने से ग्रामीणों में जागरूकता लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि ग्रामीण रात्रि के समय बाहर ना निकले, विद्युत विभाग के खेतों में सिंचाई हेतु विद्युत उपलब्धता रात्रि के बजाय दिन के समय प्रदान करने के निर्देश दिए। वन विभाग, एसडीएम तहसीलदार सभी समन्वय बनाकर कार्य करें ग्राम स्तरीय अमला जिसमें पटवारी सचिव आदि किसी भी आपातकालीन स्थिति हेतु तैयार रहे।

बस स्टैण्ड एवं आटो यूनियन में हुआ विश्व एड्स दिवस जागरूक अभियान

नर्मदापुरम, देशबन्धु। विश्व एड्स दिवस सप्ताह हेतु परियोजना संचालक राज्य एड्स नियंत्रण समिति एवं कलेक्टर द्वारा दिये गये निर्देशानुसार जिले में सीएमएचओ डॉ दिनेश देहलवार के मार्गदर्शन में विश्व एड्स दिवस जागरुक सप्ताह चल रहा है। इसी क्रम में सोमवार को बस स्टेंड एवं आटो यूनियन स्टेंड नर्मदापुरम में एच.आई.व्ही. एड्स जागरूकता हेतु टीआई एवं प्रियांशी एनजीओ द्वारा रैली परिचर्चा कर उपस्थित जन समुदाय को पोस्टर बैनर प्रदर्शनी द्वारा व रेड रिबन लगाकर एड्स जागरूकता के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर जिला क्षय अधिकारी डॉ प्रियंका दुबे, मीडिया प्रभारी सुनील साहू, क्वार्डीनेटर हेमंत पटेल, आईसीटीसी काउंसलर एनजीओ स्टाफ सहित मीनाक्षी बाथरी एवं रक्षा शुक्ला द्वारा एचआईवी से डरना नही लड़ना है के नारे लगाए गए व 1097 टोल फ्री नम्बर की जानकारी प्रदान की।

बैंकर्स की क्षमता संवर्धन के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

नर्मदापुरम, देशबन्धु। भारतीय रिजर्व बैंक भोपाल कार्यालय द्वारा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र के वित्तपोषण में कार्यरत बैंकर्स की क्षमता संवर्धन के लिए राष्ट्रीय मिशन 3.0 के अंतर्गत दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन नर्मदापुरम में किया गया।

कार्यशाला में भारतीय रिजर्व बैंक के महाप्रबंधक हेमन्त कुमार सोनी ने प्रतिभागियों का स्वागत किया एवं समग्र आर्थिक वातावरण में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र की महत्ता एवं इस क्षेत्र के विकास में बैंको की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बडौदा एवं कैनरा बैंक के उच्च अधिकारियों ने भी अपने अमूल्य अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक एवं निजी बैंक के अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रोशिनी हजेला (सहायक महाप्रबंधक), वित्तीय समावेशन एवं विकास विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा किया गया तथा उन्होंने भारतीय सन्दर्भ मे एमएसएमई का महत्व एवं एमएसएमई वित्तपोषण पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों पर प्रतिभागियों को विस्तार से समझाया। नवीन कुमार सिंह (प्रबंधक) द्वारा एमएसएमई वित्तपोषण के तकनीकी हस्तक्षेप, अकाउंट एग्रीगेटर की भूमिका पर सत्र लिया गया। सरवन एस (प्रबंधक) द्वारा अधिकार प्राप्त समिति की भूमिका एवं संबंधित पहलुओं पर सत्र लिया गया। इसके अतिरिक्त कार्यशाला में एमएसएमई क्षेत्र के लिए भारत सरकार की पहल, एमएसएमई खातों में प्रगति की निगरानी और तनाव का प्रबंधन, सीजीटीएमएसई और एनसीजीटीसी की भूमिका, एमएसएमईएस में क्रेडिट फ्लो को पुनर्जीवित करना, एमएसएमई ऋण में सीआईसी की भूमिका, ऋण दस्तावेज और एमएसएमई ऋण की वसूली के पहलुओं, सीजीटीएमएसई और एनसीजीटीसी की भूमिका, एनपीए प्रबंधन आदि विषयों को शामिल किया गया। कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों ने विभिन्न मुद्दों पर सक्रिय रूप से बातचीत की। प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए बताया की कार्यशाला से प्राप्त ज्ञान का फायदा नर्मदापुरम क्षेत्र के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को मिलेगा जिससे रोजगार सृजन में सहायता मिलेगी।

जिले की खेल प्रतिभाओं के लिए एक और स्टेडियम जरूरी : जैसानी

हरदा, देशबन्धु। शहर में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने, शहर के युवाओं में खेल के प्रति निरंतर बढ़ती जा रही रुचि, बच्चो को मोबाइल से दूर कर मैदानी खेलों से जोड़ने, बुजुर्गों, महिलाओं एवं सभी वर्ग के नागरिकों को योगा, व्यायाम, टहलने की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए स्थानीय नेहरू स्टेडियम की तर्ज पर एक और नवीन खेल मैदान का निर्माण किया जाना नितांत आवश्यक है इसी मांग को लेकर जमना जैसानी फाउंडेशन ने खेल मंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा ।

जैसानी फाउंडेशन के शांति कुमार जैसानी ने कहा कि हरदा में वर्तमान में नेहरू स्टेडियम ही एकमात्र ऐसा खेल मैदान है जहां खिलाड़ियों और युवाओं की खेल संबंधी आवश्यकताएँ पूर्ण होती है।उन्होंने बताया बुजुर्गों, महिलाओं एवं अन्य सभी वर्ग के नागरिकों को योग, व्यायाम एवं टहलने के लिए उपयुक्त स्थान की आवश्यकताएं पूर्ण होती है। किन्तु यह मैदान बढ़ती जनसंख्या और स्थानीय खिलाड़ियों की खेल गतिविधियों की मांग को देखते हुए पर्याप्त नहीं है। आज हरदा के खिलाड़ी खेल जगत में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर हरदा का नाम निरंतर गौरवान्वित कर रहे हैं। हरदा में 40 हजार से भी अधिक विद्यार्थी है, इन उभरते खिलाड़ियों को और अधिक अभ्यास की आवश्यकता है। बच्चों को मोबाइल की लत से दूर कर उन्हें खेल से जोड़ने की आवश्यकता है। इसलिए एक और खेल मैदान की अत्यंत आवश्यकता है। मजदूर नेता अनिल वैद्य ने कहा कि खंडवा रोड पर बस स्टैंड के पीछे शासकीय भूमि है, जो वर्तमान में रिक्त है, जो नवीन खेल मैदान निर्माण के लिए उपयुक्त स्थान है। यदि इस भूमि को खेल मैदान के रूप में विकसित किया जाता है, तो यह न केवल स्थानीय खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करेगा, बल्कि इसके माध्यम से शहर के युवाओं, बच्चो, बुजुर्गों, महिलाओं एवं सभी वर्ग के नागरिकों को अच्छा स्वास्थ्य भी मिलेगा और खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जा सकेगा। अशासकीय स्कूल संगठन के प्रदेश अध्यक्ष दीपक राजपूत ने कहा कि स्कूल में बच्चों को खेल तो सिखाया जाता है किंतु यदि बच्चे बाकी समय में अपनी ट्रेनिंग की तैयारी करना चाहे तो एक बड़े स्टेडियम की जरूरत है। ज्ञापन देते समय धीरज मूंदड़ा सौरभ काशिव,दीपांशु सोनी, छोटू शुक्ला, प्रतीक शर्मा,दीपक मालवीय, ज्ञानेश तिवारी,नितेश उइके ,भावेश केवट, योगेश काले, अनुराग रामकुचे, अनमोल मालवीय, हर्ष राजपूत, ज्ञानेश तिवारी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे ।

अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिसव पर आयोजित किए जाएगें विभिन्न कार्यक्रम

नर्मदापुरम, देशबन्धु। डिप्टी कलेक्टर नर्मदापुरम ने बताया कि राज्य आंनद संस्थान द्वारा आनंद विषय से संबंधित कुछ चयनित अंतर्राष्ट्रीय दिवसों का आयोजन प्रदेश स्तर पर किया जाता है। तत्संबंध में 5 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवसमनाया जाना है। तत्संबंध में डिप्टी कलेक्टर नर्मदापुरम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन के निर्देशानुसार 5 दिसम्बर अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियां एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना सुनिश्चित करें।

रीजनल इण्डस्ट्रीज कॉन्क्लेव की तैयारियों के संबंध में बैठक आज

नर्मदापुरम, देशबन्धु। रीजनल इण्डस्ट्रीज कॉन्क्लेव का आयोजन 7 दिसम्बर को नर्मदापुरम में किया जा रहा है। रीजनल इण्डस्ट्रीज कॉन्क्लेव की तैयारियों के संबंध में संभागायुक्त के.जी. तिवारी की अध्यक्षता में मंगलवार 3 दिसम्बर को सायं 4 बजे आयुक्त कार्यालय नर्मदापुरम के सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। सीसीएफ बैतूल, कलेक्टर बैतूल एवं हरदा तथा जिला बैतूल एवं हरदा के जिला स्तरीय अधिकारी बैठक में जूम लिंक के माध्यम से सहभागिता करेंगे।

स्वास्थ्य संस्थाओं में अधिकारी एवं कर्मचारियों ने ली पर्यावरण संरक्षण की शपथ

नर्मदापुरम, देशबन्धु। सीएमएचओ डॉ दिनेश देहलवार ने बताया कि राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के अवसर पर हमारी एवं आने वाली पीढ़ी के बेहतर भविष्य के लिए प्रदूषण रोकने का हर संभव प्रयास करेंगे। सोमवार को जिला अस्पताल सहित अन्य स्वास्थ्य संस्थाओं में अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा शपथ ली गई कि मैं, यह संकल्प करता हूँ कि मैं पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण के लिए सक्रिय रूप से प्रयास करूंगा। मैं इसके लिए जरूरी सभी कार्यों का पालन करूंगा। इन प्रयासों से हम एक स्वच्छ और स्थायी भविष्य की ओर बढ़ सकते हैं।

मेघा बंसल स्पोर्ट्स क्लब की जिला अध्यक्ष मनोनीत

इटारसी, देशबन्धु। मध्य प्रदेश सिंचाई जल संसाधन विभाग स्पोर्ट्स क्लब के क्षेत्रीय अध्यक्ष बशारत खान ने नर्मदापुरम जिला स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष पद पर अनुविभागीय अधिकारी मेघा बंसल को मनोनीत किया है। क्षेत्रीय अध्यक्ष बशारत खान ने बताया मेघा बंसल बैडमिंटन की उत्कृष्ट खिलाड़ी हैं, उनके नेतृत्व में स्पोर्ट्स क्लब निश्चित ही और ऊंचाइयों की ओर आगे बढ़ेगा। स्पोर्ट्स क्लब की 33 भी अंतर क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता जबलपुर में आयोजित हो रही है। नर्मदापुरम की टीमों के चयन हेतु तीन एवं चार दिसंबर को ट्रायल रखे गए हैं। मेघा बंसल की नियुक्ति पर प्रभारी महेंद्र ओगले, सचिव हेमंत अजनेरिया, अरविंद बस्तवार, दिलीप भूरिया, दातार सिंह चौहान, अनुराग पटेल, प्रभु दयाल कुमीं, विक्रांत मकवाना, रीवा शंकर संतौरे, राकेश दुबे ने जिला अध्यक्ष मनोनीत होने पर शुभकामनाएं दी एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष के प्रति आभार व्यक्त किया।

महिलाओं के कानूनी अधिकार एवं पीसीपीएनडीटी एक्ट के संबंध में किया जागरूक

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम हेतु 10 दिसंबर तक हम होंगे कामयाब पखवाड़ा अंतर्गत विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के मार्गदर्शन में हम होंगे कामयाब पखवाड़ा अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी तारतम्य में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री ललित डेहरिया के निर्देशानुसार सोमवार को जिला प्रशिक्षण केंद्र ,जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम में महिलाओं के कानूनी अधिकार एवं पीसीपीएनडीटी एक्ट के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग के समन्वय से किया गया। कार्यक्रम में डीएसपी श्री मनोज सांगवान द्वारा महिलाओं के कानूनी अधिकार के संबंध में जानकारी दी गई। एडवोकेट केके थापक द्वारा घरेलू हिंसा अधिनियम के संबंध में जानकारी दी गई। पुलिस उप निरीक्षक दीपिका लोखंडे द्वारा ऊर्जा डेस्क के बारे में बताया गया एवं डॉक्टर स्वपना बैस के द्वारा पीसीपीएनडीटी एक्ट के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती लता नागराज द्वारा किया गया। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी, ग्रामीण प्रमोद गौर, परियोजना अधिकारी शहरी श्रीमती प्रीति यादव, पर्यवेक्षक श्रीमती श्वेता पटवा, पर्यवेक्षक श्रीमती आस्था शिवहरे, ब्लॉक को ऑर्डिनेटर श्रीमती कीर्ति उपाध्याय, स्वास्थ्य विभाग की पर्यवेक्षक, एएनएम एवं महिला बाल विकास से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं उपस्थित रहे।

नर्मदापुरम, मंगलवार 3 दिसम्बर 2024
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

जनसंख्या पर भाजपायी विमर्श को बढ़ाते भागवत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने लोगों से दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने की गुजारिश की है और उसे जनसंख्या विज्ञान के 2.1 के फार्मूले से जोड़कर चाहे सियासी अर्थों को छिपाने की कोशिश की हो, लेकिन सच्चाई यह है कि इस बयान के पीछे उनके संगठन के वे ही पुराने गहन राजनैतिक मकसद मौजूद हैं जिसके लिये वह जानी जाती है- ध्रुवीकरण। उनका बयान ऊपरी खुले तौर पर चाहे संघ की राजनीतिक विंग भारतीय जनता पार्टी द्वारा अब तक की सोच के विपरीत दिखाई देता हो, जो देश के सामने अक्सर बढ़ती आबादी को लेकर चिंता जताती आई है, परन्तु भागवत के बयान को भाजपा के लिये एक दिशानिर्देश की तरह भी देखा जा रहा है। बहुत सम्भव है कि केन्द्र सरकार भागवत के बयान के अनुकूल कोई ऐसी जनसंख्या नीति लेकर आये जिससे हिन्दुओं की आबादी को बढ़ाया जा सके। संघ और भाजपा जनसंख्या सम्बन्धी वास्तविक तथ्यों व आंकड़ों को दरकिनार कर यह प्रचारित करती आई है कि देश में हिन्दुओं की आबादी घट रही है और मुस्लिमों की बढ़ रही है। देश में इस्लामोफोबिया बढ़ाने के लिये जनसंख्या को गलत तरीके से पेश करना संघ-भाजपा की पुरानी नीति है। अनेक महत्वपूर्ण मौकों पर भागवत हों या इन दो संगठनों से जुड़े लोग, इसका डर दिखाते रहे हैं।

नागपुर में एक संगठन के सम्मेलन में दिये भाषण में भागवत ने कहा कि- '2.1 की कम प्रजनन दर वाला समाज अपने आप नष्ट हो जाता है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'इससे कम जनसंख्या वाला समाज तब भी नष्ट हो जाता है जब कोई संकट न हो।' बिना संकट के भी ऐसे समाज के नष्ट होने की बात उन्होंने सम्भवत: इसलिये कही होगी ताकि लोग इस बात को तार्किक व वैज्ञानिक आधारों वाला कोई निष्कर्ष समझें और उन पर यह तोहमत न लगे कि वे लोगों को डरा रहे हैं या हिन्दू-मुस्लिम कर रहे हैं। उन्होंने कई भाषाओं और समाज के नष्ट होने की बात करते हुए लोगों को चेताया कि प्रजनन दर 2.1 से कम नहीं होनी चाहिये। इस वृद्धि दर को बनाये रखने के लिये लोगों को दो से ज्यादा (यानी तीन) बच्चे पैदा करने चाहिये। उन्होंने याद दिलाया कि देश में 1998 और 2002 में जो जनसंख्या सम्बन्धी नीतियां तय की गयी थीं उनमें भी 2.1 की दर को बनाये रखने की बात कही गयी थी। हालांकि उन्होंने अमूमन कम याददाश्त वाली जनता के सामने स्पष्ट नहीं किया कि ये दोनों नीतियां भारतीय जनता पार्टी प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस शासित कार्यकाल में लाई गयी थीं। चूंकि उनमें अनेक ऐसे राजनीतिक दलों का समावेश था जो इस मामले में दूसरी राय रखते थे, यह नीति कभी भी प्रभावशाली ढंग से लागू नहीं हो पाई थी।

अटल बिहारी वाजपेयी वाली यह सरकार 2004 में जाती रही तथा उसके बाद आई यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की सरकार (पीएम डॉ. मनमोहन सिंह- दो कार्यकाल) ने इस अनर्गल विषय को तूल देने या बढ़ती आबादी को लेकर रोना-धोना करने की बजाय अधिकतम आबादी को काम देने की नीति पर कार्य किया। 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा ने भी इस पर कोई काम करने की बजाय सियासी मुद्दा बनाकर समाज के भीतर उसे जिन्दा रखा। अपने पहले कार्यकाल (2014-19) के दौरान मोदी आबादी को लेकर एक सकारात्मक रवैया अख्तियार करते नज़र आये। उन्होंने अधिक जनसंख्या को, खासकर युवाओं की बहुलता के कारण भारत के लिये एक सौगात बताया। यह एक तरह से चीन की तरह की रणनीति अपनाने जैसा था जिसने बड़ी आबादी को अपनी ताकत बना दिया है। चूंकि पहले-पहल के मोदी भारत को चीन और अमेरिका के मुकाबले में लाने के दावे करते रहे, इसलिये कुछ समय तक तो उनकी पार्टी ने भी देश की आबादी बढ़ने का दुखड़ा सुनाना बन्द कर दिया जो इसका ठीकरा अक्सर मुस्लिम समुदाय पर फोड़ते थे। यह कारगर साबित इसलिये नहीं हुआ क्योंकि भाजपा और संघ के लोग हमेशा से जो बात सुनते आये थे और जिस पर भरोसा करते रहे, मोदी उसके विपरीत बोल रहे थे। साथ ही, जैसे-जैसे मोदी की नीतियां दगा देने लगीं, मोदी, भाजपा और संघ को अल्पसंख्यकों के विरूद्ध बहुसंख्यकों की लामबन्दी की ज़रूरत अधिक पड़ने लगी। दशक भर से कब्रिस्तान बनाम श्मशान, 80 व 20, कपड़ों से पहचान, बंटेंगे तो कटेंगे, एक हैं तो सेफ हैं जैसे नारे भाजपा के ध्रुवीकरण की नीति के उच्चार हैं। सवाल तो यह है कि अब संघप्रमुख ही जब हिन्दू समाज को कई बच्चे वाले बनाने पर तुले हैं तो मोदी के उस बयान का क्या होगा जो यह कहकर लोगों को डराते आये हैं कि 'यदि कांग्रेस आई तो महिलाओं के मंगलसूत्र, सोना और भैंसें छीनकर कई-कई बच्चे वालों को दे दी जायेंगीं?'

दरअसल भागवत के जनसंख्या सम्बन्धी बयान को संघ-भाजपा के उसी विमर्श को आगे बढ़ाने की नीति एवं प्रयासों की श्रृंखला की एक कड़ी के रूप में देखा जाना चाहिये। वे जब एक समाज के नष्ट होने की बात करते हैं तो वह समस्त भारतीय समाज की नहीं वरन केवल बहुसंख्यक समाज की बात कर रहे हैं। भागवत अभी भी उस अवधारणा से मुक्त नहीं हो पाये हैं जिसके अंतर्गत यह माना जाता है कि देश में आबादी बढ़ाने के दोषी केवल अल्पसंख्यक हैं जिससे एक दिन ऐसा आयेगा कि मुल्क पर उनका कब्जा हो जायेगा। जनसंख्या बाबत इस बयान को देते हुए उन्होंने चाहे इसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने का दिखावा किया हो, असल उद्देश्य भाजपा के राजनीतिक विमर्श को बढ़ावा देना ही है।

संसद को ठप्प कौन कर रहा है?

कथा

संसद का शीतकालीन सत्र उसी रास्ते जा रहा है, जिस रास्ते पिछले कई सत्र गए हैं। कुल तीन हफ्तों के सत्र में पहले हफ्ते संसद के लगातार ठप्प होने के बाद, दूसरे हफ्ते की भी शुरूआत उसके ठप्प रहने का सिलसिला जारी रहने से हो गयी है। संसद के इस तरह ठप्प होने में एक खास बात है, जिसकी संसद के ठप्प होने पर आम तौर पर सत्तापक्ष से लेकर मुख्यधारा के मीडिया तक द्वारा जतायी जाने वाली चिंताओं में, शायद ही कभी चर्चा की जाती है। यह खास बात यह है कि संसद के ठप्प होने से सरकारी काम-काज बिल्कुल भी प्रभावित नहीं होता है, बिल्कुल नहीं रुकता है। इसे एक छोटे से उदाहरण से समझा जा सकता है।

वक्फ संशोधन विधेयक को संसद के पिछले सत्र में भारी विरोध के बाद, संयुक्त संसदीय समिति को विचार के लिए भेजे जाने के बाद से, संयुक्त संसदीय समिति में दूर-दूर तक कोई सर्वसम्मति नहीं बन पाई थी। इसके लिए सबसे ज्यादा भाजपा और उसके सहयोगी जिम्मेदार थे, जिनके आचरण से यह साफ हो गया था कि प्रस्ताव भले ही अभी कानून में संशोधन का ही हो, संघ-भाजपा की नीयत वक्फ बोर्ड को खत्म करने की ही है। इसे तब और भी साफ कर दिया गया, जब महाराष्ट्र के विधानसभाई चुनाव में जीत की शाम को भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में अपने संबोधन में खुद प्रधानमंत्री ने वक्फ बोर्ड को, 'आंबेडकर के संविधान के खिलाफ' करार दे दिया।

फिर भी जैसाकि मोदी-पूर्व के दौर में हुआ करता था, जब बहुपक्षीय विचार-छानबीन के मंच के रूप में संसदीय समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका हुआ करती थी और संयुक्त संसदीय समितियों के काम को बहुत गंभीरता से लिया जाता था, सर्वसम्मति के करीब नजर न आने को देखते हुए, उक्त संयुक्त संसदीय समिति को अपने काम के लिए और समय दिए जाने का सुझाव आया था। इसके पीछे सोच यह थी कि और विचार-विमर्श तथा अध्ययन के जरिए, मतभेदों को कम कर के, सर्वसम्मति के ज्यादा नजदीक पहुंचा जा सकेगा। लेकिन, प्रधानमंत्री के उक्त भाषण से सत्ताधारी भाजपा की दिशा साफ हो गयी और वक्फ संशोधन विधेयक को शीतकालीन सत्र की कार्यसूची में प्रमुखता से रख दिया गया।

इसके बाद भी, चूंकि इस मामले में भाजपा के लिए अपनी मर्जी चलाना आसान नहीं था और विपक्ष के एकजुट विरोध के अलावा इस मामले में उसके सामने जनता दल यूनाइटेड तथा तेलुगू देशम् जैसे अपने सहयोगी दलों को साधने की भी चुनौती थी, जो भाजपा की तरह सीधे-सीधे मुस्लिमविरोध की कतारों में खड़े नहीं होना चाहते हैं, उसे शीतकालीन सत्र में सरकारी कामकाज की प्राथमिकताओं में थोड़ा पीछे खिसकाना पड़ा। इसके बावजूद, भाजपा ने संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट पेश किए जाने के लिए, शीत सत्र के आखिर तक का विस्तार ही स्वीकार किया है। अंतत: उसे अपने मंसूबों में कामयाबी मिले या नहीं मिले, पर फिलहाल भाजपा इसकी कोशिश करने जा रही है कि संबंधित रिपोर्ट इसी सत्र के अंत तक संसद में पेश कर दी जाए, जिससे भाजपा इस मामले में अपना एजेंडा आगे बढ़ा सके। इस मुद्दे को जोर-शोर से आगे बढ़ाए जाने की एक वजह यह भी हो सकता है कि संघ-भाजपा के मोदी राज को इसका एहसास हो गया हो

राजेंद्र शर्मा

> हम संसद के ठप्प होने और किए जाने के मसले पर लौटें। आखिर, संसद को ठप्प कर कौन रहा है? इस सवाल के निश्चित उत्तर के लिए हम कानून के एक लोकप्रिय सिद्धांत या धारणा का सहारा ले सकते हैं। यह सिद्धांत यह कहता है कि अपराधी का पता लगाने का आसान तरीका है, इसका पता लगाना कि संबंधित अपराध से लाभ किसका होगा? संसद के ठप्प होने से किस का लाभ हो रहा है?

कि उत्तराखंड जैसे इक्का-दुक्का राज्यों में उसकी सरकारों के तथाकथित समान नागरिक कानून या संहिता को आगे बढ़ाने के बावजूद, देश के पैमाने पर ऐसा कानून बनाना इसके बावजूद आसान नहीं होगा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बड़ी चतुराई से इसे समान नागरिक कानून की जगह, सेकुलर नागरिक कानून कहना शुरू कर दिया है। ऐसे में देश के पैमाने पर अपने मुस्लिमविरोधी एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए, वक्फ कानून उनके लिए एक उपयोगी साधन हो सकता है।

बहरहाल, हम संसद के ठप्प होने और किए जाने के मसले पर लौटें। आखिर, संसद को ठप्प कर कौन रहा है? इस सवाल के निश्चित उत्तर के लिए हम कानून के एक लोकप्रिय सिद्धांत या धारणा का सहारा ले सकते हैं। यह सिद्धांत यह कहता है कि अपराधी का पता लगाने का आसान तरीका है, इसका पता लगाना कि संबंधित अपराध से लाभ किसका होगा? संसद के ठप्प होने से किस का लाभ हो रहा है? इस सवाल का एक ही जवाब हो सकता है—इसमें सरकार का ही फायदा है? क्यों? क्योंकि सारे शोर-शराबे के बीच भी, सरकार न सिर्फ सामान्य सरकारी काम-काज पूरा कर लेती है बल्कि उसने बिना चर्चा के ही विधेयकों पर संसद से मोहर लगवाने को, नया नॉर्मल ही बना दिया है। जब संसद में किसी वास्तविक बहस के बिना ही सरकार का काम हो रहा हो, तो बहस-मुबाहिसे के अर्थ में संसद चलवाने में सरकार की दिलचस्पी क्यों होगी?

यह कोई संयोग ही नहीं है कि नरेंद्र मोदी के राज में पिछली संसद ने बदनामी के कहे जा सकने वाले एक नहीं कई-कई रिकार्ड बनाए थे। इनमें तीन रिकार्ड सबसे खास थे। सबसे ज्यादा, करीब डेढ़ सौ विपक्षी सांसदों को एक साथ संसद के दोनों सदनों से निलंबित किए जाने का रिकार्ड। लोकसभा के एक पूर्ण कार्यकाल में सबसे कम बैठकों का रिकार्ड। बिना किसी वास्तविक चर्चा के विधेयक पारित कराए जाने और विधेयकों पर चर्चा में औसतन सबसे कम समय लगाए जाने का रिकार्ड। वास्तव में यह संसदीय व्यवस्था के साथ सलूक की नरेंद्र मोदी की आम शैली ही है। गुजरात में अपने शासन के 13 साल में मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी ने आम तौर पर यह सुनिश्चित किया था कि विपक्ष को विधानसभा में चर्चा के जरिए सरकार को जवाबदेह बनाने का कोई मौका ही नहीं मिले और खासतौर पर विधानसभा की बैठकों की संख्या कम से कम रहे। उसी गुजरात मॉडल को अब संसद के स्तर पर लागू किया जा रहा है।

पूछा जा सकता है कि लेकिन, संसद को क्या विपक्ष ही ठप्प नहीं कर रहा है? क्या विपक्ष ही नहीं है जो दोनों सदनों के सभापतियों के मना करने के बावजूद, अडानी घोटाले—वास्तव में रिश्वतखोरी—से लेकर महंगाई, मणिपुर आदि तक, मुद्दों पर बहस कराने को लेकर अड़ा हुआ नहीं है? क्या विपक्ष ही, सभापति के आसन के आदेशों की अवहेलना कर, अपनी बात मनवाने के लिए शोर-शराबे का सहारा नहीं ले रहा है? फिर संसद के ठप्प होने के लिए सत्ता पक्ष कैसे जिम्मेदार है? हैरानी की बात नहीं है कि संसद के सत्र से ऐन पहले के अपने परंपरागत वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष को गैर-जिम्मेदार साबित करने की कोशिश करते हुए, उस पर हमला ही बोल दिया था। यह सत्ता पक्ष के लिए और जाहिर है कि दोनों सदनों के आसनों के लिए भी, इसका इशारा था कि इस सत्र में भी विपक्ष नहीं सुनी जानी चाहिए।

संसदीय जनतंत्र में विपक्ष की आवाज, सिर्फ विपक्ष की आवाज नहीं होती है। जनतंत्र में विपक्ष की आवाज, जनता की आवाज होती है। और जनता की यही आवाज यह सुनिश्चित करती है कि चुनाव के जरिए सत्ता में पहुंचने वालों को, जनता के सामने जवाबदेह बनाया जाए। जनता की यही आवाज यह सुनिश्चित करती है कि सत्ता के लिए चुने जाने के बाद, सत्ता में बैठे लोग, जनता के प्रति अपने आचरण में तानाशाह नहीं बन जाएं, भले ही यह तानाशाही उनके निर्वाचन की अवधि तक ही हो। बेशक, एक निश्चित अवधि के लिए चुनाव के जरिए जनता यह सुनिश्चित करती है कि सत्ता में बैठने वाले अंतत: उसके प्रति जवाबदेह हों। लेकिन, जनतंत्र कोई निर्वाचन के कार्यकाल के लिए, तानाशाही का पट्टा देने की व्यवस्था नहीं है। जनतंत्र हर रोज शासन की जवाबदेही सुनिश्चित करने की व्यवस्था का नाम है। और विपक्ष, संसद के जरिए इसी जवाबदेही को सुनिश्चित करने का, जनता का हथियार है।

प्रकटत: विपक्ष, संसद की कार्रवाई को ठप्प करता लग सकता है, जिसका सत्ता पक्ष द्वारा और उसके पालतू मीडिया द्वारा बहुत शोर भी मचाया जाता है। लेकिन, वास्तव में संसद को नहीं चलने देने के लिए सत्तापक्ष ही जिम्मेदार है, जो जनता के लिए सबसे ज्यादा महत्व के मुद्दों पर बहस ही नहीं होने देने के जरिए, न सिर्फ विपक्ष को अपनी भूमिका अदा नहीं करने दे रहा है, बल्कि संसद को भी अपना असली काम नहीं करने दे रहा है। कहने की जरूरत नहीं है कि संसद का काम सिर्फ सरकारी काम-काज पर मोहर लगाना नहीं है बल्कि उसका असली काम तो सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करना ही है। पाठकों को शायद अब भी याद होगा कि पिछली लोकसभा के आखिरी सत्रों में से एक विपक्ष के सिर्फ इसके संघर्ष की भेंट चढ़ गया था कि मणिपुर में महीनों से जारी भयानक हिंसा और इथनिक टकराव पर, सरकार में उच्च पदों पर बैठे लोगों के वक्तव्य के आधार पर, संसद में चर्चा हो। संसद को और विपक्ष को भी, अपना काम नहीं करने देने का वर्तमान सत्तापक्ष का हठ और स्वार्थ ही है, जो संसद को ठप्प कर रहा है। इसके खिलाफ संघर्ष कर विपक्ष, जनतंत्र की रखवाली का ही बहुत ही जरूरी काम कर रहा है। इस संघर्ष में कोताही करना, विपक्ष का जनता और जनतंत्र के साथ विश्वासघात करना होगा।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

अडानी को जांच से बचाने का मोदी सरकार का निराशोन्मत्त प्रयास

■ के रवींद्रन

अमेरिकी अधिकारियों द्वारा लगाये गये भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के गंभीर आरोपों के बाद अडानी समूह और भारत सरकार द्वारा किये गये बचाव ने भारत में कॉरपोरेट हितों और राजनीतिक शक्ति के बीच परस्पर सम्बंधों के बारे में गंभीर सवाल खड़े किये हैं। जहां एक ओर अमेरिकी जांच ने भ्रष्टाचार सहित गंभीर वित्तीय अपराधों को उजागर किया, वहीं अडानी समूह और भारत सरकार दोनों ने कंपनी का बचाव करने के लिए एक संयुक्त मोर्चा पेश किया और कहा कि आरोपों को केवल तकनीकी रूप से तैयार किया गया है और कम्पनी का नेतृत्व किसी भी कदाचार में शामिल नहीं है। लेकिन बचाव को मोदी सरकार की ओर से कॉरपोरेट हितों को बचाने के लिए एक रणनीतिक चाल के रूप में ही देखा जा सकता है।

अमेरिकी आरोप, जो संभावित धोखाधड़ी गतिविधियों, स्टॉक मूल्य हेरफेर और अपतटीय संस्थाओं से संबंधों की ओर इशारा करते हैं, न केवल कंपनी के संचालन के लिए बल्कि भारत के व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र पर इसके व्यापक प्रभाव के रूप में एक गंभीर खतरा पेश करते हैं। अमेरिकी जांचकर्ताओं ने अडानी समूह के लेन-देन में गहराई से जांच की है, जिसमें अनियमितताओं का आरोप लगाया गया है, जिसका अंतरराष्ट्रीय व्यापार और घरेलू निवेश विश्वास दोनों पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है। स्थिति की गंभीरता के बावजूद, अडानी समूह और भारत सरकार की प्रतिक्रिया दृढ़ रही है। अरबपति गौतम अडानी के नेतृत्व वाले समूह ने कहा है कि उसके खिलाफ आरोप निराधार हैं, उन्हें गलतफहमी या सबसे खराब स्थिति में, अनुपालन में तकनीकी त्रुटियों के अलावा कुछ नहीं बताया जा सकता। भारत सरकार की ओर से अडानी समूह के बचाव को मजबूत राजनीतिक समर्थन मिला है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ताओं ने दावा किया है कि यह निजी संस्थाओं से जुड़ा एक विशुद्ध रूप से कानूनी मामला है, और इसलिए, सरकार से चल रही कानूनी कार्रवाई में हस्तक्षेप करने की उम्मीद नहीं की जानी चाहिए। हालांकि, इस बयानबाजी ने अंतर्निहित प्रेरणाओं के बारे में संदेह को कम करने में बहुत कम मदद की है। मामले को वित्तीय कदाचार के गंभीर मामले के बजाय कानूनी तकनीकी मुद्दों के रूप में पेश करके, अडानी समूह और भारत सरकार दोनों ही रणनीतिक रूप से आरोपों की मूल प्रकृति से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रतिक्रिया उल्लेखनीय रूप से एक समान रही है, भारत में प्रमुख राजनीतिक हस्तियों और यहां तक कि मीडिया आउटलेट्स ने अडानी समूह के पक्ष में दलीलें दीं तथा इसे वित्तीय घोटाले में उलझी कंपनी के बजाय विदेशी हस्तक्षेप का शिकार बताया। इस बचाव के व्यापक निहितार्थ महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यह इस बात पर सवाल उठाता है कि भारत में कॉर्पोरेट प्रभाव किस हद तक सरकारी कार्रवाई से जुड़ा है।

> कई मायनों में, अडानी का मामला इस बात का उदाहरण है कि कैसे शक्तिशाली निगमों और राजनीतिक अभिजात वर्ग के हित एक दूसरे से इस तरह से जुड़े हुए हैं कि वे लोकतांत्रिक और कानूनी प्रक्रियाओं को विकृत कर रहे हैं, जिनकी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए। जब सरकार गंभीर अपराधों के लिए जांच के दायरे में आई किसी कंपनी के पीछे खड़ी होती है।

ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और रसद में अपने विशाल व्यावसायिक हितों के साथ अडानी समूह भारत की सबसे प्रभावशाली कॉर्पोरेट संस्थाओं में से एक है। इसका उदय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के आर्थिक विकास के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। पिछले दशक में अडानी समूह की धूमकेतु की तरह वृद्धि को अक्सर देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की इसकी आकांक्षाओं के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इस प्रकार, समूह का बचाव केवल एक कॉर्पोरेट मुद्दा नहीं है – इसे राष्ट्रीय हित का मामला बना दिया गया है।

अगर भ्रष्टाचार के इन आरोपों को दबा दिया जाता है या महज तकनीकी बातों के तौर पर खारिज कर दिया जाता है, तो इससे पारदर्शिता और नैतिक व्यावसायिक गतिविधियों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता में विश्वास कम होने का जोखिम है। अडानी समूह के राजनीतिक हस्तियों के साथ घनिष्ठ संबंध अच्छी तरह से उजागर हैं। कई लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या इन संबंधों ने समूह को नियामक जांच की पूरी सीमा से बचाने में मदद की है। इसलिए, समूह का बचाव करने में सरकार की भूमिका ने राजनीतिक अभिजात वर्ग की संभावित मिलीभगत के बारे में चिंता जताई है, जो जवाबदेही पर कॉर्पोरेट सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाली प्रणाली को बढ़ावा दे रहा है। अडानी समूह और भारत सरकार दोनों द्वारा निर्मित कथा एक निर्दोष पक्ष के रूप में सावधानीपूर्वक तैयार किये गये चित्रण पर टिकी हुई है, इस आरोप के साथ कि इसे विदेशी शक्तियों द्वारा गलत तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। यह बयानबाजी एक व्यापक राष्ट्रवादी कथा की प्रतिध्वनि है जो घरेलू निगमों, विशेष रूप से सरकार के साथ निकटता रखने वालों को अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप के शिकार के रूप में पेश करती है। आरोपों को भारत की संप्रभुता और इसकी आर्थिक उपलब्धियों पर हमले के रूप में पेश करके, सरकार ने आलोचना को कुशलतापूर्वक टाल दिया है, और खुद को विदेशी आलोचकों के खिलाफ राष्ट्रीय गौरव के रक्षक के रूप में पेश किया है। हालांकि, यह राष्ट्रवादी रूपरेखा अधिक महत्वपूर्ण मुद्दे से ध्यान हटाती है कि क्या अडानी समूह ने विकास और मुनाफे की तलाश में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय कानूनों और नैतिक मानदंडों का उल्लंघन किया है?

यदि अमेरिकी अधिकारी अपनी जांच को आगे बढ़ाते रहते हैं, तो इससे दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव पैदा हो सकता है। अडानी समूह का निरंतर बचाव, खासकर अगर आरोप सही साबित होते हैं, तो राजनयिक संबंधों में तनाव पैदा हो सकता है। भारत सरकार खुद को एक मुश्किल स्थिति में पा सकती है, जिसे गहरे राजनीतिक संबंधों वाली एक शक्तिशाली कॉर्पोरेट इकाई का समर्थन करने या वित्तीय जवाबदेही के अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ खुद को संरेखित करने के बीच चयन करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

कई मायनों में, अडानी का मामला इस बात का उदाहरण है कि कैसे शक्तिशाली निगमों और राजनीतिक अभिजात वर्ग के हित एक दूसरे से इस तरह से जुड़े हुए हैं कि वे लोकतांत्रिक और कानूनी प्रक्रियाओं को विकृत कर रहे हैं, जिनकी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होनी चाहिए। जब सरकार गंभीर अपराधों के लिए जांच के दायरे में आई किसी कंपनी के पीछे खड़ी होती है, तो यह इस बात को लेकर परेशान करने वाले सवाल खड़े करता है कि किस हद तक कॉर्पोरेट हित राष्ट्रीय नीति को प्रभावित कर रहे हैं। अडानी समूह कोई अलग उदाहरण नहीं है – अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज सहित भारत में अन्य कॉर्पोरेट दिग्गज भी अलग-अलग जांच के साथ प्रभाव के ऐसे ही गलियारों में काम कर चुके हैं।

ललित सुरजन की कलम से

भगवान ने सवाल पूछा!

एक रोचक खबर ट्विटर पर पढ़ने मिली कि सचिन तेंदुलकर ने राज्यसभा में तीन साल बीतने के बाद पहली बार कोई प्रश्न पूछा। इस पर मैंने टीका की- 'हे भगवान, जब स्वयं भगवान सवाल पूछने लगे तो हम सामान्य मनुष्यों के सवालों का उत्तर कौन देगा।' यह तो हुई मजाक की बात। किन्तु इस बहाने अपने समय की एक चिंताजनक सच्चाई पर विचार करने का मौका हाथ लग गया है। हमने न जाने कब क्यूं अमिताभ बच्चन व सचिन तेंदुलकर इत्यादि को महानायक और शताब्दी पुरुष जैसे विशेषणों से नवाज दिया। जहां कुछेक आध्यात्मिक गुरु यथा ओशो रजनीश, श्रीराम शर्मा, सत्य साईं बाबा आदि स्वयं को भगवान कहलाने लगे थे मानो उन्हीं का बराबरी करते हुए ग्लैमर की दुनिया के इन सितारों को भी हमने भगवान बना डाला। मुझे संदेह होता है कि योग गुरु बाबा रामदेव भी इनके पीछे-पीछे ही चल रहे हैं। उन्होंने स्वयं को नोबेल पुरस्कार का अधिकारी तो घोषित कर ही दिया है। वे भी किसी दिन भारत रत्न से अलंकृत हो जाएं तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा।

यदि सचिन तेंदुलकर द्वारा अपने कार्यकाल का आधा समय बीत जाने के बाद राज्यसभा में एक सवाल उठाना समाचार बन सकता है, तो हमें इस पर गौर करने की आवश्यकता है कि आखिरकार क्या सोचकर क्रिकेट के इस महान खिलाड़ी को राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में मनोनीत किया गया। उन्हीं राष्ट्रपति द्वारा सचिन को भारत रत्न देने का भी क्या औचित्य था। जैसा कि हम जानते हैं राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से किए गए ये निर्णय वस्तुत- तत्कालीन सरकार के होते हैं, इसलिए पिछली सरकार के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और उनकी पार्टी की अध्यक्ष सोनिया गांधी दोनों को आज शायद आत्मचिंतन करना चाहिए कि सचिन तेंदुलकर को इतना महत्व देकर देश, सरकार और पार्टी का क्या भला हुआ। यह सवाल फिल्म अभिनेत्री रेखा के बारे में भी है, जिन्हें राज्यसभा में लाया गया। कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से हम उत्तर की अपेक्षा नहीं रखते, लेकिन शायद भूतपूर्व पत्रकार और वर्तमान राजनेता राजीव शुक्ला हमारी जिज्ञासा शांत कर सकते हैं, क्योंकि संभवत: इन निर्णयों के पीछे उनकी अहम् भूमिका थी।

(देशबन्धु में 10 दिसंबर 2015 को प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2015/12/blog-post_9.html

आपके पत्र

नशा देश के लिए गंभीर चुनौती

देश में लगातार हो रही ड्रग्स की सप्लाई ने देशभर में अपराधों का इजाफा कर दिया है। नशीले पदार्थ आपराधिक गतिविधियों के लिए शासन, प्रशासन तथा पुलिस के लिए एक गंभीर चुनौती बन हुआ है। नशीले पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय, अंतर राज्यीय तस्करी देश तथा विश्व के लिए एक बड़ा सिरदर्द बनी हुई है। यह चुनौती इसलिए भी है कि पिछले वर्ष में अपराधियों ने सूखे नशे का सेवन कर अपराध की वारदातें की हैं, नशे की लत में आकर अपराधियों में महानगरों मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई में लगातार बलात्कार, लूट, डकैती,और राहगीरों की हत्या को जन्म दिया है। दूसरी तरफ सूखे नशे की लत में स्कूल और कॉलेज के युवा तथा बच्चे अपना भविष्य खराब करने पर आमादा है। गुजरात, मुंबई और अन्य प्रदेशों नारकोटिक्स इकाई ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर बड़ी मात्रा में चरस, कोकीन, गांजा, स्मैक की बड़ी तादाद में जब्त कर कई नामचीन अभिनेता, अभिनेत्रियों को गिरफ्तार कर प्रकरण न्यायालय के हवाले किया है। दूसरी तरफ दिल्ली,बेंगलुरु, कोलकाता में भी पुलिस प्रशासन द्वारा सीधे कड़ी कार्रवाई की हैं।

वर्तमान में शराब तो सामाजिक बुराई बना ही हुआ है। साथ-साथ सूखा नशा भी समाज के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है, सुखे नशे के मामले में केंद्र के सर्वोच्च नेतृत्व में यानी प्रधानमंत्री ने भी गंभीरतापूर्वक इसे रोकने के लिए चिंता जताई है। देश में न सिर्फ ड्रग्स के नशे का इस्तेमाल किया जा रहा है बल्कि बड़े पैमाने पर इसकी तस्करी कर अवैध कारोबार भी किया जा रहा है ड्रग्स का नशा सामाजिक विडंबना बना हुआ है। तब देश में नए वर्ष के आगमन के पूर्व बड़े-बड़े आलीशान होटलों मैं सूखे नशे की पार्टियां आयोजित करने की तैयारी कर ली है, ऐसे में पुलिस के केंद्र सरकार के तथा राज्य सरकार के आला अधिकारी इसे रोकने के लिए हर संभव प्रयास की रणनीति बनाने में जुट गए है और शासन तथा पुलिस प्रशासन अपना पूरा ध्यान सूखे नशे को प्रतिबंधित करने में लगे हुए हैं, मूलत: मुंबई गोवा और पाकिस्तानी सरहद से लगे क्षेत्र और राज्य से सूखे नशे पदार्थों की आवक सभी राज्यों में होती है। निस्संदेह इसे गंभीर षड्यंत्र के रूप में लिया जाना चाहिए। मुंबई सूखे नशे का एक बड़ा केंद्र बन चुका है, सुशांत सिंह राजपूत के आत्महत्या प्रकरण को लेकर जब पुलिस के आला अधिकारी को नशीले पदार्थों के रैकेट हाथ लगा तब राज्य तथा केंद्र के कान खड़े हो गए और तब से पूरे देश में ताबड़तोड़ नशे के विरोध में कार्रवाई की जाने लगी और इसी तारतम्य में देश को यह बात समझ में आई कि सूखे नशे की लत में बड़े शहरों के तमाम पूंजीपति नशे के आदी हो चुके हैं। परिस्थितियां बहुत गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है, नए वर्ष के आगमन की सेलिब्रेशन तमाम नशीले पदार्थ की सप्लाई करने वाले तस्कर अपनी तैयारी में जुट गए हैं। देश के सभी राज्यों में नशीले पदार्थों के विरोध में केंद्र के निर्देशन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है और युवा वर्ग बच्चों को सोशल मीडिया के द्वारा भी इसकी बुराई के संबंध में लगातार अवगत कराया जा रहा है एवं इस बुराई से दूर रहने का आह्वान किया गया है, देश के बड़े-बड़े रिसोर्ट, जंगल के पिकनिक स्पॉट, देश की मुख्य सड़कों के आसपास ढाबों के संचालकों पर भी नजर रखने की योजना को मूर्त रूप दिया जाना है ताकि अपराधों में कमी आ सके, शराब से तो अपराध होते ही हैं पर सूखे नशे से अपराध ज्यादा उग्र हिंसक और मस्तिष्क शून्य हो जाते हैं ऐसे में अपराध करने में उन्हें कोई हिचक नहीं होती और इस तरह वे नशे में आपराधिक कृत्य करने से नहीं चूकते। केंद्र तथा राज्य प्रशासन की चिंता इस बात के लिए तो है ही कि इससे अपराध की संख्या में काफी वृद्धि हुई है पर साथ में इसके तस्करों द्वारा की जा रही ड्रग्स की तस्करी पर एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय सीमा से आने वाला ड्रग्स शारीरिक रूप से भी काफी नुकसानदेह होता है। अंतरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय नशीले पदार्थों की तस्करी को रोकने का एक राष्ट्रीय स्तर पर योजना बनाकर उसे रोकने का प्रयास किया जा रहा है, जितने व्यक्ति नशा करके अपराध करने के लिए दोषी हैं ज्यादा दोषी नशीले पदार्थों के तस्करी करने वाले भी है, तस्कर समूह को चिन्हित कर उस पर बड़ी कार्रवाई करने की देश को गंभीर आवश्यकता है।

संजीव ठाकुर

पावन प्रसंग

चरित्र निर्माण के महत्व

मनुष्य इस सृष्टि का सबसे विचित्र एवं विलक्षण प्राणी है, जिसका स्वरूप विरोधाभासी तथ्यों से युक्त उच्चतर एवं निम्नतर प्रकृति का अद्भुत समुच्चय है। एक ओर जहां इसमें दैवी संभावनाएं भरी पड़ी हैं, तो दूसरी ओर पाशविक प्रवृत्तियों का बाहुल्य भी उसके अस्तित्व का कटु सत्य है। इसी आधार पर श्री अरविंदो ने सामान्य मनुष्य को मेंटल एनिमल भी कहा है।

अधिकांश मनुष्य इसी सत्य को चरितार्थ करते हुए पशु की भांति जीवन जीते हैं। वहीं कुछ समझदार लोग अपनी दिव्यता को जगाने का प्रयास करते हैं और अपने देवस्वरूप को प्राप्त करने में सफल होते हैं। इस प्रक्रिया में मानव से महामानव और देवमानव बनने की सीढ़ियों को पार करते हुए समझदार लोग जीवन के परम लक्ष्य को प्राप्त होते हैं। चरित्र निर्माण की प्रक्रिया इसका आधार रहती है।

चरित्र निर्माण वह महान प्रक्रिया है, जो उसे सृष्टि के अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ बनाती है। चरित्र निर्माण की प्रक्रिया में व्यक्ति का गहानतम स्तर पर परिष्कार होता है, उसके चिंतन और आचरण- व्यवहार में आमूलचूल परिवर्तन होता है। इसके साथ समाज, संसार एवं विश्व के सुधार एवं निर्माण का कार्य भी सुनिश्चित होता है।

एक चरित्रवान व्यक्ति असंख्यों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है और कितने सारे भटके एवं भ्रमित इंसानों को जीने की नई राह दिखा जाता है। चरित्र व्यक्तित्व का सार है, रूह की खुशबू है। यह व्यक्ति के विचार, भाव, आचरण, व्यवहार का सम्मिलित प्रभाव है।

वस्तुत: चरित्र व्यक्तित्व के सारतत्व का प्रतिनिधित्व करता है। व्यक्ति के चिंतन एवं व्यवहार के माध्यम से यह प्रतिबिंबित होता है। चरित्र जीवन का मूल्य बोध है, आचरण-व्यवहार की लक्ष्मण रेखा है। चरित्रवान व्यक्ति के प्रति स्वत: ही सम्मान, श्रद्धा एवं सात्विक प्रेम के भाव उमड़ते हैं।

चरित्र एक ऐसा गुण है, जो मनुष्य को अन्य जीवों से अलग करता है, इंसान को देवतुल्य बनाता है। आश्चर्य नहीं कि स्वयं देवता भी इस विशेषता के कारण मानव जन्म लेने के लिए तरसते हैं। कहावत प्रख्यात है कि धन गया तो समझो कुछ नहीं गया, स्वास्थ्य गया तो कुछ गया, चरित्र गया तो समझो सब कुछ चला गया।

आज चरित्र के अभाव में व्यक्ति जीवन का अर्थ, सार्थकता का भाव और दिशा खो बैठा है। चरित्र निर्माण के अभाव में आज पूरा विश्व त्राहिमाम कर रहा है। तरह-तरह के आकर्षणों एवं प्रलोभनों के बीच आज का मानव सूखे पत्ते की भांति उड़ने के लिए विवश है, माया की चकाचौंध में उसकी आंखें चुंधिया गई हैं। आश्चर्य नहीं कि लोग अकूत संपदा व धन के बावजूद खुश नहीं हैं। सकल भौतिक संसाधन, सामाजिक रुतबा, रोब-दाब होते हुए भी उन्हें शांति नहीं मिल रही, संतोष से वे वंचित हैं। आज समाज में जितनी समस्याएं विद्यमान हैं, उनका प्रमुख कारण चरित्र निर्माण के प्रति बरती गई उदासीनता है। मनुष्य अपना सारा जीवन सुख-भोगों की भाग- दौड़ में गंवा रहा है।

-अखंड ज्योति

खेल जगत

लखनऊ सुपरजायंट्स ने नए कप्तान पर फैसला कर लिया है : संजीव गोयनका

नई दिल्ली। आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) के मालिक संजीव गोयनका ने कहा कि टीम के नए कप्तान का फैसला हो गया है। आईपीएल 2025 सीजन से पहले अगले कुछ दिनों में इसकी घोषणा की जाएगी। आईपीएल 2022-24 चक्र में एलएसजी का नेतृत्व केएल राहुल ने किया था। हालांकि आईपीएल 2023 में वह चोटिल होने के कारण बाहर हो गए थे जिसके बाद क्रुणाल पांड्या ने टीम की कप्तानी संभाली। लेकिन फ्रेंचाइजी ने पिछले महीने जेद्दा में हुई मेगा नीलामी से पहले दोनों को रिटेन नहीं करने का फैसला किया। राहुल अब दिल्ली कैपिटल्स और क्रुणाल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में हैं।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में घबराहट साफ देखी जा सकती है : सुनील गावस्कर

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर (एजेंसियां)। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम के माहौल में घबराहट साफ देखी जा सकती है, उन्होंने जोश हेजलवुड की टिप्पणियों का हवाला देते हुए कहा कि पर्थ में पहले टेस्ट में भारत से 295 रनों से हारने के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम में घबराहट साफ देखी जा सकती है। इस करारी हार का मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया अब पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से पीछे है, जबकि दूसरा मैच गुलाबी गेंद से खेला जाएगा, जो 6 दिसंबर को एडिलेड में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में घबराहट साफ देखी जा सकती है, पूर्व खिलाड़ियों ने कुछ खिलाड़ियों को हटाने की बात कही है और कुछ ने तो तीसरे दिन के खेल के अंत में जोश हेजलवुड के मीडिया इंटरव्यू के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम में दरार की ओर इशारा किया है, जिसमें उन्होंने सुझाव दिया था कि अब बल्लेबाजों को कुछ करना चाहिए। गावस्कर ने सोमवार को स्पोर्टस्टार के लिए अपने कॉलम में लिखा, अब, कुछ दिनों बाद, हेजलवुड कथित तौर पर साइड स्ट्रेन के कारण दूसरे टेस्ट और संभवत: सीरीज से भी बाहर हो गए हैं। अजीब बात है, क्योंकि उस मीडिया कॉन्फ्रेंस में किसी ने भी हेज़लवुड में कुछ भी गलत नहीं देखा था। रहस्य, रहस्य - जैसा कि पहले भारतीय क्रिकेट में आम बात थी। अब यह ऑस्ट्रेलियाई है, और पुराने मैकडोनाल्ड की तरह, मैं इसे बहुत पसंद कर रहा हूं। उन्होंने बाएं हाथ के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की दूसरी पारी में उनके शानदार 161 रन के लिए सराहना की, और बताया कि कैसे उन्होंने पर्थ में चमकने के लिए जल्दी से समायोजन किया और पहली पारी में आठ गेंदों पर शून्य पर आउट होने के बाद ऑस्ट्रेलिया पर और अधिक मुसीबतें ला दीं। गावस्कर ने कहा कि युवा यशस्वी जायसवाल ने दिखाया कि वह एक तेज सीखने वाला खिलाड़ी है, जो दूसरी पारी की शुरुआत में उसके बल्ले की सीधी चाल से स्पष्ट था। जैसे ही वह दूसरे छोर पर केएल राहुल के शानदार मार्गदर्शन में जम गया, कोई भी इस प्रतिभाशाली खिलाड़ी से एक और बड़ा शतक बनाने की अनिवार्यता पर ऑस्ट्रेलियाई कंधों को झुकते हुए देख सकता था। विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया में एक और शतक बनाने के लिए सलामी जोड़ी द्वारा स्थापित ठोस मंच का लाभ उठाया, जिससे उनके सिर और भी झुक गए। उसी समय, गावस्कर ने ऑलराउंडर नितीश रेड्डी की पर्थ में बल्ले से सराहनीय स्वभाव दिखाने के लिए सराहना की, जहाँ उन्होंने 47 और नाबाद 38 रन बनाए, साथ ही एक विकेट भी लिया। ये दो शतक शानदार थे, जैसा कि 200 से अधिक की ओपनिंग साझेदारी थी, लेकिन सबसे प्रभावशाली पारी नितीश रेड्डी की थी कि उन्होंने दिखाया कि क्या आवश्यक है, जिसने इस तथ्य को झुठला दिया कि वह अपना पहला टेस्ट खेल रहे थे। पहली पारी में भी, उन्होंने स्कोरिंग अवसरों को अच्छी तरह से समझा और शीर्ष स्कोरर बने।

■ इस करारी हार का मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया अब पांच मैचों की सीरीज में 1-0 से पीछे है

गुलाबी गेंद से होने वाले टेस्ट पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज पर्थ में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच में 295 रनों से हारने के बाद एडिलेड में भारत के खिलाफ गुलाबी गेंद से होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए खुद को तैयार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट बहुप्रतीक्षित डे-नाइट टेस्ट है, क्योंकि टीमों को गुलाबी गेंद से तालमेल बिठाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है। दोनों टीमों के बीच आखिरी और एकमात्र बार गुलाबी गेंद से खेले गए टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दूसरी पारी में मात्र 36 रनों पर समेटने के बाद आठ विकेट से मैच जीत लिया था, जो भारत का सबसे कम टेस्ट स्कोर रहा। स्टीव स्मिथ, जो पर्थ में 0 और 17 रन बनाकर आउट हुए, का मानना है कि बल्लेबाजों के लिए दिन से रात में तालमेल बिठाना मुश्किल होगा। स्मिथ ने स्टार स्पोर्ट्स द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कहा कि हां , गुलाबी गेंद। इसलिए यह दिन या रात के अलग-अलग समय पर चुनौतीपूर्ण हो सकता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कहां बल्लेबाजी कर रहे हैं और खेल और गेंद की स्थिति क्या है, और इस तरह की सभी चीजें। इसलिए बस पूरी तरह से तैयार रहना है। गुलाबी गेंद कई बार थोड़ी अप्रत्याशित हो सकती है।

गंभीर आज एडिलेड में भारतीय टीम से जुड़ेंगे

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर (एजेंसियां)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर स्वदेश लौटने के बाद मंगलवार को रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम से ऑस्ट्रेलिया में जुड़ेंगे। गंभीर ने कुछ निजी मामलों के कारण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के तहत ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ दो दिवसीय अभ्यास मैच नहीं खेला है। ईएसपीएन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, गंभीर, जो निजी कारणों से भारत आए थे, मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया में टीम से जुड़ेंगे।

गंभीर कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ दो दिवसीय गुलाबी गेंद अभ्यास मैच में टीम के साथ नहीं थे, जिसे बारिश के कारण सीमित ओवरों के मैच में बदल दिया गया था, और 26 नवंबर को पर्थ में पहले टेस्ट के निर्धारित अंतिम दिन मेहमान टीम से चले गए थे।उनकी अनुपस्थिति में, सहयोगी स्टाफ के सदस्य अभिषेक नायर, रेयान टेन डेशकाटे और मोर्ने मोर्कल ने टीम के प्रशिक्षण और दौरे के मैच की तैयारियों की देखरेख की, जिसे भारत ने छह विकेट से जीता। हर्षित राणा (4-44) और शुभमन गिल (62 गेंदों पर 50) ने दिन-रात के मैच में भारत की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भारतीय टीम सोमवार दोपहर कैनबरा से एडिलेड पहुंची और तीन अभ्यास सत्र होंगे - जिनमें से दो मंगलवार और गुरुवार को रोशनी में होंगे, इससे पहले कि 6 दिसंबर से एडिलेड ओवल में गुलाबी गेंद से टेस्ट मैच शुरू हो। गंभीर अब बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट से पहले महत्वपूर्ण चयन चर्चाओं का सामना कर रहे हैं। भारत पूर्णकालिक कप्तान रोहित शर्मा का स्वागत करेगा, जो अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए अपनी पत्नी के साथ रहने के लिए पहला टेस्ट मिस कर गए थे। जसप्रीत बुमराह ने रोहित की अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी की थी, जिसकी बदौलत भारत ने 295 रनों से शानदार जीत दर्ज की थी। गिल, जो प्रशिक्षण के दौरान अंगूठे में फ्रैक्चर के कारण पर्थ टेस्ट के लिए बाहर हो गए थे, भी फिर से दावेदारी में हैं। अगर रोहित और गिल को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जाता है, जो संभवत: देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल की जगह लेंगे, तो टीम प्रबंधन को ओपनिंग संयोजन पर विचार करना होगा।

पुजारा ने पिंक और लाल गेंद का अंतर बताया

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पर्थ टेस्ट में 295 रनों से जीत से शुरुआत करने के बाद भारत अब जल्दी ही उस शहर में जाएगा जहां वे पिछली बार दिसंबर 2020 में 36 रनों पर ढेर हो गए थे। भारत यहां एडिलेड में एक बार फिर डे-नाइट टेस्ट खेलेगा और चेतेश्वर पुजारा का मानना है कि गुलाबी गेंद से जल्दी ही सामंजस्य बैठाना होगा क्योंकि यह थोड़ा अधिक स्किड होती है। पुजारा ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा कि अगर आप लाल गेंद को देखें तो यह अधिक चमकती नहीं है। आप देख सकते हैं कि गुलाबी गेंद लाल गेंद से थोड़ा अधिक चमकती है। इसका कारण यह है कि इस पर कलर के कोट कुछ अधिक होते हैं, इसमें पेंट की कुछ अधिक लेयर होती हैं, जो जल?दी से नहीं जाती है। जब आप लाल गेंद का सामना कर रहे हो तो यह आम लेदर गेंद है जो जल्दी से पुरानी हो जाती है। जबकि गुलाबी गेंद में अधिक समय तक चमक बनी रहती है। उन्होंने कहा कि और क्योंकि गुलाबी गेंद पर पेंट की अधिक लेयर होती हैं, तो जब यह पिच पर पड़ती है, सीम पर गिरती है या चमकीले हिस्से पर भी गिरती है तो यह थोड़ा अधिक स्किड करती है।

'हमने नीलामी से सही तालमेल चुना' : हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर (एजेंसियां)। पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि वह जेद्दा में हाल ही में हुई मेगा नीलामी से जिन खिलाड़ियों को चाहते थे, उनके बारे में कोचिंग स्टाफ के साथ करीबी संपर्क में थे और उन्हें लगा कि 2025 सीजन के लिए टीम वास्तव में अच्छी निकली है। पिछले महीने की नीलामी में, एमआई ने ट्रेंट बोल्ट, विल जैक्स, रयान रिकलेटन, मिशेल सेंटनर, लिजाद विलियम्स और रीस टॉपली जैसे अनुभवी विदेशी खिलाड़ियों के साथ-साथ दीपक चाहर, नमन धीर, रॉबिन मिंज, कर्ण शर्मा, राज अंगद बावा जैसे भारतीय खिलाड़ियों को भी शामिल किया। उन्होंने अल्लाह ग़ज़नफ़र, बेवॉन जैकब्स, विग्नेश पुथुर और वेंकट सत्यनारायण राजू जैसे कम जाने-माने खिलाड़ियों को भी शामिल किया। हार्दिक ने मुंबई टीम के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा कि मैं टेबल के संपर्क में था, हम वास्तव में किसके लिए जा रहे हैं और मुझे लगता है कि हम नीलामी से काफी अच्छे निकले हैं और टीम कैसी दिख रही है। हमने सही मिश्रण पाया है, जिसमें अनुभवी खिलाड़ी हैं, जैसे कि बौल्टी वापस आ गए हैं, दीपक चाहर, जो टीम में हैं, और साथ ही, विल जैक्स, रॉबिन मिंज और रिकेल्टन जैसे युवा खिलाड़ी, जो नए हैं। इसलिए मुझे लगता है कि हमने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। हमने सभी आधारों को कवर किया है। उन्होंने नीलामी की रोलरकोस्टर प्रकृति पर भी बात की, जो एक आईपीएल सीज़न के लिए टीम बनाने में एक बड़ी भूमिका निभाती है।

भारत अर्शदीप की हैट्रिक से द.कोरिया पर 8-1 की जीत से जू. हॉकी एशिया कप के सेमीफाइनल में

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर (देशबन्धु)। स्ट्राइकर अर्शदीप सिंह की हैट्रिक और ऑलराउंडर अरिजित सिंह हुंडल के दो तथा गुरजोत सिंह, रोशन कुजूर व रोहित के एक एक गोल की बदौलत भारत ने दक्षिण कोरिया को रविवार रात चौथे और आखिरी मैच में 8-1 से हराकर लगातार चौथी जीत के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर मस्कट (ओमान) पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में स्थान बना लिया। पराजित दक्षिण कोरिया के लिए इकलौता गोल ताहीआन किम ने दागा। भारत अब सेमीफाइनल में तीन दिसंबर को मलयेशिया से भिड़ेगा। भारत ने छोटे छोटे पासों से आगाज करने के साथ बीच बीच में एरिअल पास का इस्तेमाल कर मैच पर अपनी पकड़ बनाने की शुरुआत की। आक्रामक अंदाज में आगाज किया और अरिजित सिंह हुंडल तीसरे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के लिए पुश की गई गेंद को रिया की जूनियर टीम के गोलरक्षक सुकयो किम को छका गेंद को संभाल गोल कर भारत की जूनियर टीम का खाता खोला। अर्शदीप सिंह, अरिजित हुंडल और मनमीत आपस में गेंद को लेकर बराबर दक्षिण कोरिया के गोल पर हमले बोलते रहे। अर्शदीप सिंह ने हॉकी की कलाकारी दिखाकर मैच के नौवें मिनट में मैदानी गोल कर भारत की जूनियर टीम की बढ़त 2-0 कर दी और दिलराज सिंह के शॉट पर गोलरक्षक क पैषड से लग कर वापस लौटती गेंद को गुरजोत सिंह ने संभाल कर दो मिनट बाद बढ़िया मैदानी गोल कर अपनी टीम की बढ़त 3-0 कर दी। दोंगोजियान किम ने दूसरे क्वॉर्टर के तीसरे मिनट में 000 दक्षिण कोरिया के ताहीआन किम ने मैदानी गोल कर स्कोर 1-3 कर दिया। अरिजित हुंडल से तेज फर्राटा लगा दिए तेज पास पर रोशन कुजूर ने गोल कर स्कोर 4-1 और रोहित ने पेनल्टी कॉर्नर पर बढ़िया ड्रैग फ्लिक से गोल कर भारत की जूनियर टीम की बढ़त 5-1 कर दी। अर्शदीप सिंह के बाएं से तेज फर्राटे पर अरिजित सिंह हुंडल ने तीसरे क्वॉर्टर के सातवें मिनट में गेंद संभाल मैच का अपना दूसरा गोल कर भारत की जूनियर टीम की बढ़त 6 -1 कर दिया।

■ भारत अब सेमीफाइनल में तीन दिसंबर को मलयेशिया से भिड़ेगा

भारत एशियाई महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर (एजेंसियां) कप्तान दीक्षा कुमारी की अगुआई वाली 25 सदस्यीय टीम बहुप्रतीक्षित 20वीं एशियाई महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप (एडब्ल्यूएचसी) 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी, जो मंगलवार को नई दिल्ली में शुरू होगी। भारत पहली बार एडब्ल्यूएचसी की मेजबानी कर रहा है और विश्व हैंडबॉल लीग (डब्ल्यूएचएल) द्वारा प्रस्तुत और एशियाई हैंडबॉल महासंघ द्वारा आयोजित इस आयोजन में एशियाई दिग्गजों के साथ आमने-सामने होगा। टीमों को दो समूहों में विभाजित किया गया है, जिसमें प्रत्येक समूह की शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जिसमें शीर्ष-चार टीमें 2025 विश्व महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करेंगी। अपनी गहन तैयारी के हिस्से के रूप में, टीम ने मुख्य कोच सचिन चौधरी के नेतृत्व में गुजरात के गांधीनगर में एनसीओ साई सेंटर में एक गहन प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया, जिसमें मेनिका जैसी असाधारण प्रतिभाएं शामिल थीं।

नंबर 3 पर बल्लेबाजी करना एक आश्चर्य था : बेथेल

क्राइस्टचर्च, 2 दिसम्बर (एजेंसियां)। पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड पर इंग्लैंड की 8 विकेट की जीत में 37 गेंदों पर नाबाद 50 रन बनाने के बाद, जिसमें विजयी रन भी शामिल हैं, बल्लेबाज जैकब बेथेल ने कहा कि अगर टीम थिंक-टैंक द्वारा उन्हें आश्चर्यजनक निमंत्रण नहीं दिया जाता तो वे डेब्यू पर नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने के लिए कहते। नहीं। मेरा मतलब है कि शायद यह एक आश्चर्य (एक स्तर पर) हो, लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मैं इसके लिए कहता। मुझे ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी करना पसंद है। तो हां, मैं वास्तव में खुश था कि मुझे अवसर मिला। यह वह सब कुछ था जिसका मैंने सपना देखा था। जब से मैं छोटा बच्चा था, मैंने हमेशा टेस्ट क्रिकेट खेलने का सपना देखा है। मैं हमेशा शीर्ष 4 में बल्लेबाजी करना चाहता था, इसलिए तीसरा स्थान एकदम सही है। मुझे लगता है कि मेरा खेल किसी भी शैली में खेलने के लिए उपयुक्त है। हमने (दूसरी पारी में) थोड़ा ज़्यादा आक्रामक अंदाज़ देखा, लेकिन मैं थोड़ा दबाव भी झेल सकता हूं। मुझे यकीन है कि मेरे करियर में कई बार ऐसा करने का मौक़ा भी आएगा। बेथेल ने पत्रकारों से कहा कि मुझे याद है कि मैंने 2010/11 एशेज देखी थी और मैं इसका हिस्सा बनना चाहता था। जब से बैज़ (ब्रेंडन मैकुलम) ने कमान संभाली है, मैंने टीवी पर देखा है और सोचा है, 'यह कितना मज़ेदार लग रहा है?' और यह उम्मीदों पर खरा उतरा। यह पूछे जाने पर कि क्या सितंबर में सफ़ेद गेंद से डेब्यू करने के बाद टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन करने को लेकर उनके मन में कोई संदेह था, बेथेल ने कहा कि बिल्कुल नहीं। जब भी मैंने बेहतर लोगों के खिलाफ़ खेला है, मैंने बेहतर खेला है। द हंड्रेड में कदम? बेहतर खेला। सीधे अंतरराष्ट्रीय मैचों में? बेहतर खेला। मेरे मन में वास्तव में कोई संदेह नहीं था कि टेस्ट क्रिकेट में आने से पहले मैं अच्छा प्रदर्शन करूंगा। चाहे हम शेड में एक-दूसरे से बात कर रहे हों, बल्लेबाजी कर रहे हों, गेंदबाजी कर रहे हों, फील्डिंग कर रहे हों, यह सब अच्छा था। यह मेरा पहला अनुभव था, जब मुझे भरी हुई घास, साफ-सुथरी आउटफील्ड, अच्छी पिचों और एक अच्छी टीम के खिलाफ खेलने का मौका मिला, इसलिए यह शानदार रहा। बेथेल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की मेगा नीलामी में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर द्वारा साइन किए जाने पर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, जहां वह करिश्माई विराट कोहली के साथ टीम के साथी होंगे।

हरियाणा कुश्ती दंगल के लिए आज ट्रायल

सिरसा, 2 दिसम्बर (एजेंसियां)। खेल विभाग की ओर से अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2024 के अवसर पर कुरुक्षेत्र में 12 दिसंबर को हरियाणा कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के जिला स्तर पर चयन के लिए तीन दिसंबर को शहीद भगत सिंह स्टेडियम, बरनाला रोड, सिरसा में ट्रायल करवाए जाएंगे। जिला खेल अधिकारी जगदीप ने बताया कि हरियाणा कुश्ती दंगल में पुरुष और महिला खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। इस प्रतियोगिता में पुरुष खिलाड़ी 79 किलोग्राम से कम व 79 से 97 किलोग्राम भार वर्ग तथा महिला खिलाड़ी 62 से कम, 62 से 76 किलोग्राम भारवर्ग के मुकाबले होंगे। उन्होंने बताया कि भारवर्ग में जिला स्तर पर प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले पहलवानों का ही चयन हरियाणा कुश्ती दंगल के लिए होगा।

सब-जूनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी : चंडीगढ़, मिजोरम, पंजाब ने छठे दिन जीत दर्ज की

सिकंदराबाद, 2 दिसम्बर (एजेंसियां)। चंडीगढ़, मिजोरम, पंजाब, मणिपुर और आंध्र प्रदेश की टीमों ने सोमवार को यहां साउथ सेंट्रल रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 14वीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 के छठे दिन अपने प्रतिद्वंद्वियों पर जीत हासिल की। हॉकी चंडीगढ़ ने दिन की कार्यवाही शुरू करने के लिए पूल ई में हॉकी अरुणाचल को 3-1 से हराया। हॉकी चंडीगढ़ के लिए कप्तान अप्रम (7%), अन्नू (13%) और तमन्ना (31%) ने गोल किए। हॉकी अरुणाचल का एक गोल कप्तान रानू तिवारी (60%) ने किया। पूल ई में भी हॉकी मिजोरम ने केरल हॉकी को 7-0 से हराया। लालडिनपुई (16%, 18%, 31%, 52%) ने अपनी टीम के लिए चार गोल किए। कप्तान लालतलंचुंगी (11'), वनलालरिन्हलुई (29') और मंगलावमसंग (40') ने भी एक-एक गोल करके योगदान दिया। पूल जी में हॉकी पंजाब ने असम हॉकी को 9-0 से हराया। कप्तान सना (12', 15', 36', 47', 53', 57') ने अविश्वसनीय प्रदर्शन किया और अपनी टीम के लिए छह गोल किए। खुशवीर कौर (3'), सलोनी (33') और मस्कीनप्रीत कौर (51') ने भी स्कोरशीट पर जगह बनाई। मणिपुर हॉकी ने दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव हॉकी के खिलाफ पूल ए मुकाबले में 5-1 से जीत दर्ज की। कप्तान देवी मोइरांगथेम प्रिंजा (2', 51') और हुइड्रोम बिद्यालक्ष्मी देवी (33', 52') ने दो गोल किए जबकि सेराम हेंथोई चानू (49') ने भी एक गोल किया। राशि सिंह (37') ने दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव हॉकी के लिए मैच का एकमात्र गोल किया। पूल एच में, हॉकी आंध्र प्रदेश ने ले पुडुचेरी हॉकी पर 26-1 से दबदबा बनाया। कप्तान तुलसी कुप्पा (6', 12', 21', 23', 32', 33', 34', 43', 56') ने अपनी टीम का नेतृत्व किया और अकेले नौ गोल किए। नंदिनी मुनिपल्ली नागा (16', 28', 29', 54'), पुजारी मधुरिमा बाई (26', 39', 42', 47'), लक्ष्मी परीकी (8', 32', 37'), तेजा चिल्लुरू नागा (14', 24'), वैष्णवी मंडला (19', 45'), पाटन मुजिया बेगम (11') और जोशना थिरुमालाशेट्टी (41') अन्य गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं।

■ हॉकी चंडीगढ़ ने दिन की कार्यवाही शुरू करने के लिए पूल ई में हॉकी अरुणाचल को 3-1 से हराया

उत्तराखंड 28 जनवरी से 14 फरवरी तक 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी करेगा : आईओए

नई दिल्ली, 2 दिसस्म्बर (एजेंसियां)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने घोषणा की है कि 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी उत्तराखंड 28 जनवरी से 14 फरवरी, 2025 तक करेगा। इस भव्य आयोजन में देश भर के बेहतरीन एथलीट कुल 36 खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक साथ आएंगे, जो खेल भावना और उत्कृष्टता का प्रदर्शन करेंगे। आईओए और उत्तराखंड राज्य ओलंपिक संघ (यूएसओए) के बीच 2014 में हस्ताक्षरित मूल समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार, राष्ट्रीय खेलों में 34 खेल विधाओं में प्रतियोगिताएं शामिल होनी थीं। इन खेल विधाओं की आईओए द्वारा 2019 में फिर से पुष्टि की गई। 2023 में, उत्तराखंड सरकार ने बुनियादी ढांचे के विकास के साथ सभी 34 सहमत खेलों के साथ राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी करने की अपनी तत्परता की पुष्टि की। आईओए अध्यक्ष और खेल तकनीकी आचरण समिति (जीटीसीसी) ने हाल ही में अपनी बैठक में 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए 32 खेल विधाओं और चार प्रदर्शनी खेल आयोजनों को मंजूरी दी। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेल भारत में पारंपरिक और आधुनिक दोनों तरह के खेलों को बढ़ावा देने में एक ऐतिहासिक आयोजन साबित होंगे। कलारीपयट्टू, योगासन, मल्लखंभ और राफ्टिंग जैसे प्रदर्शनी खेलों को शामिल करना भारत की समृद्ध विरासत का सम्मान करने और एथलीटों के लिए नए अवसरों को प्रोत्साहित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सार संक्षेप

संतोष ट्रॉफी का फाइनल राउंड 14 को हैदराबाद में शुरू होगा

नई दिल्ली। संतोष ट्रॉफी के लिए 78वीं सीनियर नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप का फाइनल राउंड 14 दिसंबर को हैदराबाद में शुरू होगा। बारह टीमें - ग्रुप चरण के नौ विजेता, पिछले सीजन के दो फाइनलिस्ट (सर्विसेज और गोवा) और मेजबान तेलंगाना को छह-छह के दो समूहों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक समूह से शीर्ष चार टीमें 26 और 27 दिसंबर को खेले जाने वाले क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। क्वार्टर फाइनल तक सभी मैच डेक्कन एरिना में होंगे। 29 दिसंबर को सेमीफाइनल और 31 दिसंबर को फाइनल जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में होगा। पश्चिम बंगाल रिकॉर्ड 32 बार का चैंपियन है और 2016-17 के बाद से अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश करेगा। गत चैंपियन सर्विसेज के नाम सात खिताब हैं, जिनमें से छह पिछले 11 सीजन में आए हैं। आठ बार की चैंपियन पंजाब लगातार दूसरे सीजन में फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई करने से चूक गई। उन्हें ग्रुप स्टेज में जम्मू और कश्मीर से हार का सामना करना पड़ा, जिन्होंने 2015-16 के बाद पहली बार फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई किया।

अबू धाबी टी10: डेक्कन ग्लेडिएटर्स लगातार चौथे सीजन फाइनल में

अबू धाबी। डेक्कन ग्लेडिएटर्स ने जायद क्रिकेट स्टेडियम में 2024 अबू धाबी टी10 टूर्नामेंट के क्वालीफायर 1 में मॉरिसविले सैम्प आर्मी को हरा दिया, जिसने राउंड-रॉबिन चरण में शानदार प्रदर्शन किया था। इस शानदार जीत के साथ, दो बार के चैंपियन ग्लेडिएटर्स ने लगातार चौथी बार और कुल मिलाकर पांचवीं बार फाइनल में जगह बनाई। अपने कप्तान और वेस्टइंडीज के खिलाड़ी निकोलस पूरन और इंग्लैंड के टॉम कोहलर-कैडमोर की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत ग्लेडिएटर्स ने 10 ओवर में 147/2 का विशाल स्कोर बनाया। पूरन 33 गेंदों पर 72 रन बनाकर नाबाद रहे, इस पारी में पांच छक्के और चार चौके शामिल थे। दूसरी ओर, कोहलर-कैडमोर ने अर्धशतक बनाया, लेकिन अंततः 24 गेंदों पर 51 रन बनाकर आउट हो गए।

विंटर कार्निवाल दो से छह जनवरी तक होगा आयोजित

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश की पर्यटन नगरी मनाली में दो से छह जनवरी तक राष्ट्रीय स्तर का विंटर कार्निवाल- 2025 आयोजित किया जाएगा। कार्निवाल के सफल आयोजन को लेकर सोमवार को विधायक भुवनेश्वर गौड़ की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि 13 वां राष्ट्रीय स्तरीय शरदोत्सव मनाली में गत वर्षो की तरह इस वर्ष भी धूमधाम से मनाया जाएगा। शरदोत्सव के मुख्य आकर्षण विंटर क्वीन, वॉइस ऑफ कार्निवाल उत्तर क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के विभिन्न राज्यों के दलों के अलावा प्रदेश के विभिन्न जिलों के सांस्कृतिक दल होंगे। उन्होंने बताया कि गत वर्षो की तरह इस वर्ष भी महिला मंडलों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।

बानसुजारा ग्राम समूह जल प्रदाय योजना में भ्रष्टाचार की दस्तक

◆ अखण्ड प्रताप सिंह यादव

बल्देवगढ़, देशबन्धु। जनपद अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों की हर गली में पानी पहुंचाने वाली सरकार की महत्वाकांक्षी वानसुजारा ग्राम समूह जल प्रदाय योजना की मंजिल अब भ्रष्टाचार हो गई है। मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित परियोजना के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इंवायरो इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड दिल्ली की कंपनी के ठेकेदारों से मिलीभगत कर ग्राम समूह जल प्रदाय योजना को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाया जा रहा है। क्षेत्र में टंकियों का घटिया निर्माण कार्य कराया जा रहा हैं। उल्लेखनीय है कि वानसुजारा ग्राम समूह जल प्रदाय योजना के तहत बल्देवगढ़ विकासखंड के हर गांव में इंवायरो इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड दिल्ली की कंपनी के द्वारा पानी की टंकियो का निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जिससे क्षेत्र के हर एक गांव में पेयजल पानी की सप्लाई की जा सके। टंकियो के निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार द्वारा मध्यप्रदेश जल निगम मर्यादित परियोजना के जिम्मेदार अधिकारियों से मिली भगत कर निर्माण कार्य में लगने वाली सामग्री में घटिया मटेरियल का उपयोग किया जा रहा है, जिससे निर्माणाधीन टंकी की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे है। मानक के विपरीत निर्माण होने की ग्रामीणों ने शिकायत की है। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत अहार में इंवायरो इंफ्रा इंजीनियरिंग लिमिटेड दिल्ली की कंपनी द्वारा टंकी के निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिसमें घटिया मटेरियल का इस्तेमाल कर गुणवत्ता हीन निर्माण कार्य कराया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार इंवायरो इंफ्रा इंजीनियरिंग एक लिमिटेड दिल्ली की कंपनी

- **ग्रामीणों ने की शिकायत**
- **टंकियों के निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल कर रहे**

इंजीनियरों को कमीशन देकर घटिया किस्म की रेत के साथ कम गुणवत्ता वाला कम मात्रा में सरिया उपयोग किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार के द्वारा क्रांकीट बनाने में भारी लापरवाही की जा जाती हैं, और गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया की इंवायरो इंफ्रा इंजीनियरिंग एक लिमिटेड दिल्ली की कंपनी क्षेत्र में टंकियों का घटिया निर्माण कार्य किया जा रहा है।

पति से पीड़ित महिला न्याय पाने लगा रही थाने के चक्कर

परिवार न्यायालय जाकर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दे रही पुलिस

दिगौड़ा, देशबन्धु। कस्बा निवासी महिला के साथ उसका पति, सास व ससुर लड़ाई झगड़ा करते थे और खर्च के लिए रुपया पैसा नहीं देता थे। इसी विवाद के कारण पिछले एक साल से महिला अपने मायके में रह रही है। महिला की दो छोटी-छोटी बच्चियां हैं, जिनको उनका पति ना तो लेने के लिए आता है और ना ही बच्चियों को भरण पोषण के लिए रुपये देता है। महिला ने सोमवार को अपने भाई के साथ न्याय के लिए पुलिस थाने में चौथी बार गुहार लगाई है। महिला पूनम पत्नी अंकित राय उम्र 30 साल निवासी दिगौड़ा ने पुलिस थाने में अपने भाई अनीश राय के साथ उपस्थित होकर बताया है कि उनका पति अंकित राय शराब पीने का आदी है, जो शराब पीकर आए दिन झगड़ा करता था और महिला को खर्च के लिए पैसा नहीं देता था। इसी विवाद के कारण पिछले एक साल से वह अपनी छोटी-छोटी दो बच्चियों के साथ अपने मायके हेवतपुरा थाना पनवाड़ी उत्तरप्रदेश में रहती है। महिला ने बताया है कि उसका पति उसको लेने के लिए मायके में एक बार भी नहीं आया और न ही उसे व उसकी बच्चियों को भरण पोषण के लिए रूपए देता है। महिला ने बताया है कि उसने पुलिस थाने में चार बार रिपोर्ट दर्ज कराई लेकिन उसको आज तक न्याय नहीं मिला है। इस मामले में पुलिस ने महिला को बताया है कि वह परिवार न्यायालय में जाकर अपनी शिकायत दर्ज कराए।

लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम पर कार्यशाला-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

टीकमगढ़, देशबन्धु। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं हितेन्द्र सिंह सिसौदिया प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टीकमगढ़ के मार्गदर्शन में सोमवार को पुष्पा स्कूल के सामने सभाकक्ष में महिलाओं का कार्य स्थल लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम 2013 के विषय पर कार्यशाला/जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टीकमगढ़ वरूण पुनासे एवं जिला विधिक सहायता अधिकारी टीकमगढ़ बृजेन्द्र सिंह भदौरिया द्वारा कार्यशाला में ऑरेलियानो फ़िर्नांडिस - स्टेट ऑफ गोवा में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के संबंध में उपस्थित महिलाओं को जागरूक किया। उन्होंने अधिनियम के तहत विभिन्न महत्वपूर्ण प्रावधानों पर प्रकाश डाला, जिसमें लैंगिक उत्पीड़न की परिभाषा और इसमें शामिल कृत्यों का उल्लेख किया। उन्होंने यह भी समझाया कि लैंगिक उत्पीड़न की शिकायत आंतरिक शिकायत समिति से किस प्रकार की जा सकती है और नियोक्ता के कर्तव्यों का महत्व रेखांकित किया। साथ ही मध्य प्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना 2015, नालसा विधिक सहायता हेल्पलाईन नंबर 15100 एवं 14 दिसंबर 2024 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं उक्त नेशनल लोक अदालत में शासन द्वारा विद्युत प्रकरणों में दी गई छूट संबंधी जानकारी दी। साथ ही नेशनल लोक अदालत एवं अन्य योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु पेम्प्लेट का वितरण किया गया। कार्यशाला/कार्यक्रम में ग्रामीण स्वावलंबन समिति के सचिव एवं कार्यकर्ता, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी एवं अधिक संख्या में महिलाएं उपस्थित रहे।

महिला ने फांसी लगाकर दी जान

टीकमगढ़, देशबन्धु। नगर के पारस विहार कॉलोनी में सोमवार को एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी लगते ही देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पंचनामा की कार्रवाई के बाद महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। मृतका के पति भज्जू माली ने बताया कि वह अस्तोन गांव का रहने वाला है। यहां पारस विहार कॉलोनी के जैन मंदिर में काम करता है। मंदिर समिति की ओर से उसे कमरा दिया गया है, जिसमें वह पत्नी चांदनी और 3 साल की बच्ची के साथ रहता है। सोमवार सुबह वह मंदिर में काम करने चला गया। पत्नी और बच्ची कमरे में थे। थोड़ी देर बाद बच्ची रोते हुए मंदिर पहुंची। इसके बाद जब कमरे में जाकर देखा तो चांदनी ने पंखे पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उसने तुरंत घटना की जानकारी देहात थाना पुलिस को दी। देहात थाना पुलिस के मुताबिक मृतका के जेठ ने थाने में सूचना दी थी। मौके पर पहुंच कर देखा तो महिला पंखे से लटक रही थी और उसकी मौत हो चुकी थी।

डेढ़ हजार से अधिक विद्यार्थियों को मोटीवेट करके दिलाई राष्ट्र निर्माण की शपथ

टीकमगढ़, देशबन्धु। जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मवई प्राचार्य आर एन पुरोहित, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरगापुर की प्रिंसिपल श्रीमती स्नेह लता राय, शासकीय मॉडल स्कूल बल्देवगढ़ प्रिंसिपल मोतीलाल प्रजापति, भैलसी हाई स्कूल एवं शासकीय महाविद्यालय बल्देवगढ़ शिक्षण संस्थानों में बुंदेलखंड के समाजसेवी राष्ट्रीय आदर्श शिक्षा रत्न उपाधि से सम्मानित संतोष गंगेले कर्मयोगी नौगांव बुंदेलखंड जिला छतरपुर द्वारा डेढ़ हजार से अधिक विद्यार्थियों से रूबरू होकर उन्हें नैतिक शिक्षा भारतीय संस्कृति, संस्कारों, नशा मुक्ति, सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा, वार्षिक परीक्षाओं जैसे महत्वपूर्ण विषय पर मोटिवेट करके देश राष्ट्र निर्माण के लिए शपथ संकल्प दिलाया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मवई प्राचार्य आर एन पुरोहित ने अपने उद्बोधन में कहा कि बुंदेलखंड के समाजसेवी संतोष गंगेले कर्मयोगी निश्चित रूप से समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित भावना से कार्य कर रहे हैं। उनके मोटिवेट लेक्चर विद्यार्थियों को दिलों में छू जाते हैं। आज विद्यालय में उनके मोटिवेशन से हमारे शिक्षक गण भी प्रभावित हुए हैं। इस अवसर पर शिक्षक विवेक जैन, मनोज नामदेव, सूर्य प्रकाश पांडे, राजेश कुमार मिश्रा, राजेंद्र प्रसाद तिवारी, अयोध्या प्रसाद अहिरवार एवं वाहिद खान शिक्षक संगोष्ठी में शामिल हुए।

समन्वय समिति सामूहिक दवा सेवन फाइलेरिया की बैठक आयोजित

माइक्रो फाइलेरिया के प्रकरणों को ध्यान में रख कर चलाएं स्वच्छता अभियानः कलेक्टर

टीकमगढ़, देशबन्धु। कलेक्टर अवधेश शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम अन्तर्गत सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम 2024 के लिए जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मलेरिया अधिकारी एच.एम.रावत द्वारा सामूहिक दवा सेवन अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की गयी। बैठक में कलेक्टर श्री शर्मा द्वारा जिला टास्क फोर्स में सम्मिलित प्रत्येक विभाग प्रमुख को इस दिशा में प्राथमिकता से समय-सीमा में कार्य हेतु आदेशित किया गया। साथ ही संस्थागत रूप से प्रचार-प्रसार कराने और शत-प्रतिशत आबादी को दवा सेवन कराने पर बल दिया गया। उन्होंने नगरीय क्षेत्र लिधौरा, ग्राम पंचायत बूदौर (पलेरा ब्लॉक) तथा बेदउ (जतारा ब्लॉक) में माइक्रो फायलेरिया के प्रकरणों को ध्यान में रखते हुये विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने इनके अतिरिक्त 34 फाइलेरिया प्रभावित ग्राम, नगरों में विशेष कार्य योजना बनाकर सामूहिक दवा सेवन और समग्र स्वच्छता अभियान सफल बनाने के लिए समस्त मुख्य नगर पालिका अधिकारी और सी.ई.ओ जनपद पंचायत को निर्देशित किया।

किसान संघ की बैठक देवीजी मंदिर के प्रांगण में आयोजित

ग्राम समितियों का गठन करने के लिए करेंगे प्रयासः फूल सिंह

टीकमगढ़, देशबन्धु। भारतीय किसान संघ की तहसील मोहनगढ़ व दिगौड़ा की मासिक बैठक देवी जी मंदिर के प्रांगण में सोमवार को आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम भगवान बलराम जी का पूजन किया गया। बैठक में जिला कार्यकारिणी सदस्य राघवेंद्र सिंह ने बताया कि जो हिन्दूओं की स्थिति बांग्लादेश में है, वह स्थिति भारत में ना हो, उसको लेकर के संपूर्ण हिंदू एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सभी संगठन जिला स्तर पर एक विशाल आंदोलन करने जा रहे है। इस आंदोलन का अभी समय, दिनांक निश्चित नहीं हुआ है। समय आते ही सबको अवगत करा दिया जाएगा। किसान संघ के दिगौड़ा तहसील अध्यक्ष फूल सिंह घोष ने कहा कि किसान संगठन की शक्ति का असर देखने को मिलने लगा है। प्रशासनिक अधिकारी किसान संगठन के कार्यकर्ताओं के कार्य करने लगे हैं। यह सब संगठन शक्ति का असर है, अब हम सबको अधिक प्रयास करना है और अधिक ग्राम समिति का गठन करना है। बैठक में जिला कार्यकारिणी सदस्य डॉ अंश जैन, सुमित आदिवासी, तहसील उपाध्यक्ष धनीराम अहिरवार, ब्रजकिशोर विश्वकर्मा, नारायण चढ़ार, हरप्रसाद चढ़ार, गब्बर सिंह घोष, छत्रपाल सिंह घोष, सुजान सिंह घोष, लापू चढ़ार, धनीराम विश्वकर्मा, राकेश रैकवार, घनश्याम रैकवार, सूरज, रुक्कु बाई, ज्ञान आदिवासी, विनोद आदिवासी सहित किसान संगठन के कई सदस्य मौजूद रहे।

4 दिवसीय 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ आज

दिगौड़ा, देशबन्धु। नगर के मंडी भवन के प्रांगण में 3 दिसंबर से 6 दिसंबर तक चार दिवसीय 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का भव्य व विशाल आयोजन किया जाना है। इस आयोजन को लेकर गायत्री परिवार के सदस्यों व ग्रामवासियों-क्षेत्रवासियों द्वारा मंगलवार को विशाल व भव्य कलश यात्रा दिगौड़ा नगर से निकाली जाएगी। पिछले एक महीने से लगातार गायत्री परिवार के सदस्यों द्वारा दिगौड़ा व क्षेत्र के ग्रामों में घर-घर जाकर 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ में सपरिवार शामिल होने के लिए पीले चावल देकर निमंत्रण पत्र दिया जा रहा है। गायत्री परिवार के सदस्य डॉ बीके झां, विष्णु तिवारी ने बताया है कि 3 से 6 दिसंबर तक मंडी भवन दिगौड़ा में चार दिवसीय 24 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मंगलवार 3 दिसंबर की दोपहर 3 बजे से विशाल व भव्य कलश यात्रा गायत्री परिवार के सदस्यों सहित ग्रामवासियों व क्षेत्रवासियों द्वारा गायत्री शक्ति पीठ दिगौड़ा से प्रारंभ होकर निकाली जाएगी जो किले का मैदान, मुख्य बाजार, बस स्टैंड से होते हुए मंडी प्रांगण तक पहुंचेगी। मंडी प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में 4 दिसंबर को देवपूजन, महायज्ञ, संगीत प्रवचन, संस्कार विवेचन व वीडियो प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। 5 दिसंबर को महायज्ञ, संस्कार, दीपयज्ञ आयोजित किए जाएंगे और 6 दिसंबर को महायज्ञ, विभिन्न संस्कार व विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। समिति द्वारा आग्रह किया गया है कि इस धार्मिक आयोजन में अधिक से अधिक सनातनी व सभी धर्मों के लोग उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित करें।

भाजपा कार्यालय में संगठन पर्व की जिला कार्यशाला संपन्न

बूथ समिति को ऑनलाइन चेक करके अच्छे कार्यकर्ताओं को दें स्थानः कांतिदेव सिंह

टीकमगढ़,देशबन्धु। स्थानीय जिला भाजपा कार्यालय पर संगठन पर्व की जिला कार्यशाला संपन्न हुई। भाजपा मीडिया प्रभारी स्वप्निल तिवारी व प्रफुल्ल द्विवेदी ने बताया कि संगठन पर्व पर जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसके पहले प्रदेश में कार्यशाला हुई थी, इसके बाद सोमवार को जिले की कार्यशाला है, जिसमें प्रमुख रूप से भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व संगठन जिला चुनाव प्रभारी कांतदेव सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष अमित नुना, सह चुनाव प्रभारी वरिष्ठ नेता अशोक गोयल व अश्विनी चढ़ार, महामंत्री आशुतोष भट्ट व पूरन चंद्र लोधी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में भारत माता के चित्र पर पुष्पांजलि व दीप प्रज्वलित किया गया। कार्यशाला का संचालन महामंत्री अश्विनी चढ़ार द्वारा किया गया तथा राष्ट्रगान के साथ बैठक समाप्त हुई। कार्यक्रम की शुरुआत में भाजपा जिला अध्यक्ष अमित नुना ने कहा कि भाजपा में कार्यकर्ता ही मुख्य होता है जिसका आज परिणाम पूरे देश व दुनिया में सबसे बड़ा और सबसे मजबूत संगठन के रूप में दिखाई पड़ता है। सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत स्वरूप ही यह पार्टी खड़ी हुई है। पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक गोयल ने कहा कि हमें एक दूसरे का साथ बनाकर अपने कदम बढ़ाना है और पार्टी में नए लोगों को जोड़कर आगे लाना है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व जिला संगठन चुनाव अधिकारी कांतदेव सिंह ने कहा कि टीकमगढ़ जिले में बूथ स्तर पर समिति का गठन कर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि एक बार फिर से बूथ समिति को ऑनलाइन भी चेक करें और अच्छे कार्यकर्ताओं को उसमें जगह दे। उन्होंने कहा कि भाजपा पदाधिकारीयों को सक्रिय सदस्य होना चाहिए। साथ ही ऑफलाइन व ऑनलाइन वेरीफाई भी सरल ऐप पर होना चाहिए। संगठन पर्व पर द्वितीय चरण तक बूथ समिति का गठन पूरा किया है, हम सभी कार्यकर्ताओं को सभी 808 बूथों पर 50 लोगों को प्राथमिक सदस्य बनाना है। हमने प्रदेश में 65 हजार बूथों में से 64 हजार बूथों पर समिति बनाने का असंभव कार्य संभव किया। जिले में लगभग 1 लाख 75 हजार सदस्यता अभियान से सदस्य जोड़ें और आगे की प्रक्रियाएं भी हमारी पार्टी में सबके साथ मिलकर आपसी सहमति, आपसी एकता के साथ कदम से कदम मिलाकर निभाई जाएंगी। संगठन पर्व पार्टी में उत्सव का पर्व है। कार्यशाला में भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रीति शर्मा, अभिषेक खरे रानू, रोहित खटीक, मुकेश तिवारी, बल्देवगढ़ अध्यक्ष शालिनी विश्व दीपक मिश्रा, जिला मंत्री विकास यादव, जनमेजय तिवारी, अमित जैन, भाजपा नेता किशन पटेरिया, इंजी अभय प्रताप सिंह यादव, रामगोपाल चौरसिया, शोभरन कुशवाहा, राकेश हटैया, अनीश खान, रोहित बैसाखिया, मनीष श्रीवास्तव, शक्ति दोंदरिया, शक्ति सिंह राय, शिवचरण उटमालिया, संजय श्रीधर, संदीप पायक, बाबूलाल, महेश गौतम, महेश पटेरिया, सुरेंद्र लोधी, सुनील रैकवार, विनय सेन, निर्मल नीरज शर्मा, सूरज कड़ा, नरेश तिवारी, पंकज प्रजापति आदि कार्यकर्ता मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

निशुल्क कृत्रिम लैंस प्रत्यारोपण आपरेशन शिविर 19 को

बैतूल, देशबन्धु। युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल, चिरायु मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल बैरागढ़ भोपाल के तत्वावधान में एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आठनेर के सहयोग से 19 दिसंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आठनेर में मोतियाबिंद जांच परामर्श ऑपरेशन एवं नासूर रोग जांच, भेगापन की जांच, आंखों के परदे की जांच परामर्श एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन दोपहर 12 से 3 तक आयोजित किया जाएगा। आयोजन समिति के प्रहलाद साहू एवं अजय जीतपुरे ने बताया कि मरीज को अपने साथ आयुष्मान कार्ड, समग्र आईडी एवं आधार कार्ड की छाया प्रति लाना जरूरी है। सभी मरीजों के जांच परामर्श एवं ऑपरेशन निशुल्क चिरायु मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल बैरागढ़ भोपाल में निशुल्क किए जाएंगे। यहां पर मरीजों को निशुल्क दवाइयां आवास एवं भोजन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। संगठन ने जिले वासियों से आठनेर में होने वाले शिविर का लाभ लेने का आग्रह किया है।

सिविल सर्जन डॉक्टर जगदीश घोरे ने किया मासूमों के लिए रक्तदान

बैतूल, देशबन्धु। जिले के प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ एवं जिला चिकित्सालय बैतूल के सिविल सर्जन डॉ.जगदीश घोरे ने सोमवार को जिला चिकित्सालय में भर्ती सिकलसेल से पीड़ित मासूम बच्चे के लिए उसकी पीड़ा को देखते हुए रक्तदान किया। जिले में सिकलसेल से पीड़ित बच्चो की एक बड़ी संख्या है, जिन्हे प्रतिदिन 6 यूनिट रक्त लगता है, ऐसे में स्वयं डॉक्टर घोरे ने मासूम के लिए रक्तदान किया। उनके इस पुनीत कार्य पर मां शारदा सहायता समिति के शैलेंद्र बिहारिया ने कहा डॉ.घोरे ऐसे संवेदनशील सिविल सर्जन है, जो पीड़ित मासूमों को रक्त की जरूरत पड़ने पर स्वयं ही रक्तदान करने पहुंच गए। उनका यह कार्य बेहद प्रशंसनीय है, हमारी संस्था उनके इस कार्य के लिए उन्हें रक्तक्रांति सम्मान प्रदान कर सम्मानित करेगी। इस अवसर पर रेडक्रास समिति के प्रदेश प्रतिनिधि संजय शुक्ला ने कहा की रक्तदान महादान होता है और सिविल सर्जन का यह कार्य हम सबको प्रेरणा देगा। इस अवसर पर रक्त केंद्र अधिकारी डॉक्टर ऋषभ शर्मा, लैब टेक्नीशियन श्रीमती पद्मा पवार, मारोती निवारे, राजेश बोरखड़े, नर्स लता बैध, श्रीमती सोमती नर्गिश, निलेश जावलकर सहित समस्त स्टाफ उपस्थित था।

श्रीराम सहकारी संस्था का चैक अनादरण का परिवाद खारिज, आरोपी दोषमुक्त

बैतूल, देशबन्धु। न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी बैतूल सुरेश यादव की अदालत में श्रीराम सहकारी संस्था, मोती वार्ड गोठी कालोनी बैतूल द्वारा रात्नेश पवांर के विरूद्ध धारा 138 परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 का परिवाद पत्र चैक राशि 1 लाख 13 हजार 175 रू की वसूली के लिए पेश किया गया।

परिवाद इस प्रकार था कि परिवादी 2 लाख रू का ऋण 13.08.2019 को स्वीकृत किया था जो कि 24 मासिक ईएमआई 9 हजार 600 रू के जरिए लौटाया जाना था। संस्था को 16 मासिक किश्ते प्राप्त हुई हैं। बकाया ऋण राशि के लिए आरोपी ने चैक जारी किया था। संस्था के प्रबंधक योगेश सावरकर के द्वारा न्यायालय में कथन किए गए तथा दस्तावेजी सबूत पेश किए गए। आरोपी रत्नेश पवांर की ओर से अधिवक्ता भारत सेन ने बचाव में दस्तावेजी सबूत पेश किए। न्यायालय के समक्ष परिवादी संस्था को यह प्रमाणित करना था कि चैक पर अंकित रकम विधिमान्य ऋण हैं। बचाव पक्ष का बचाव था कि चैक राशि पर अधिक राशि अंकित हैं, ऋण एवं ब्याज की गणना गलत हैं। बचाव पक्ष ने बैंक स्टैटमैन्ट पेश करते हुए प्रमाणित किया कि संस्था ने 2 लाख रू का ऋण देकर 16.08.2019 को अमानती चैक के जरिए 33 हजार रू का आहरण कर लिया था। इस तरह से कुल 1 लाख 67 हजार रू का आरोपी उपयोग एवं उपभोग कर पाया था। सहकारी संस्था ने 2 लाख रू की ऋण राशि पर मासिक ईएमआई 9 हजार 600 की तय गई थी जो कि अधिक थी जबकि गणना 1 लाख 67 हजार पर करते हुए मासिक ईएमआई तय की जाना थी। सहकारी संस्था ने अनुचित व्यापार प्रथा का अनुसरण किया हैं जिससे आरोपी को क्षति हुई हैं।

अपहरण और मारपीट के मामले में एक माह बाद भी आरोपी गिरफ्त से बाहर

पीड़ित ने की आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग, एसपी को दिया आवेदन

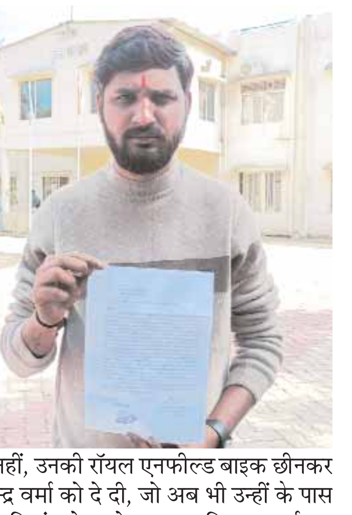

बैतूल, देशबन्धु। लगभग एक माह बीतने के बाद भी अपहरण के मामले में पुलिस किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है। अपहरण और मारपीट के इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर पीड़ित पक्ष ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर त्वरित कार्रवाई की मांग की। पीड़ित हिमांशु दुबे ने एसपी को दिए शिकायत आवेदन में बताया कि 2 नवंबर 2024 को अक्षय तातेड़ और उसके साथियों ने उनका अपहरण किया, मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर जबरन एक वीडियो बनवाया।

हिमांशु दुबे ने बताया कि अपहरण के बाद से लगातार आरोपी उन्हें और उनके परिवार को मानसिक प्रताड़ना दे रहे हैं। उनकी छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। इतना ही नहीं, उनकी रॉयल एनफील्ड बाइक छीनकर हेमेन्द्र वर्मा को दे दी, जो अब भी उन्हीं के पास है। हिमांशु ने आरोप लगाया कि एफआईआर दर्ज कराने के बाद आरोपियों ने 25 लाख रुपये का चेक बाउंस करवाकर उन पर दबाव बनाया। आरोपी द्वारा डरा धमकाकर जो विडियो बनाया गया था उसमें 5 हजार रूपये लेने देन की बात कर रहा है। एफ.आई.आर. करने के बाद 25 लाख रूपये का चेक बाउंस करवाकर दबाव बनाया जा रहा है। इसके अलावा, उनके आधार कार्ड का दुरुपयोग कर सिम ली गई, जिसका इस्तेमाल ऑनलाइन सट्टेबाजी में किया जा रहा है। उन्होंने सट्टेबाजी में उपयोग किए जा रहे फोन नंबर भी खुलासा किया।

पुलिस की कार्रवाई पर सवाल - पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी थी कि आरोपी अपने निवास गोठी कॉलोनी में परिवार से मिलने आ रहा है। पुलिस ने वाहन तो जब्त कर लिया, लेकिन आरोपी फरार हो गया। हिमांशु का कहना है कि आरोपी पर पहले से ही सट्टेबाजी के कई मामले दर्ज हैं, लेकिन वह अब भी खुलेआम घूम रहा है। हिमांशु ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उन्हें या उनके परिवार को कोई हानि होती है तो इसके जिम्मेदार अक्षय तातेड़ होंगे।

सट्टेबाजी के आरोपों पर अक्षय ने किया पलटवार

बैतूल, देशबन्धु। विगत एक माह से चल रहे अपहरण के विवाद ने तूल पकड़ लिया है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकल पाया है। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं, जिससे मामला और जटिल होता जा रहा है। सोमवार को हिमांशु दुबे ने एसपी को आवेदन सौंप कर सट्टेबाजी का खुलासा किया है। इसके बाद अक्षय तातेड़ ने हिमांशु दुबे पर पलटवार करते हुए कहा कि वह खुद सट्टेबाजी के चार मामलों में फंसे हुए हैं।

अक्षय तातेड़ ने अपहरण के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि जिस वाहन में अपहरण किए जाने का दावा किया जा रहा है, वह तीन महीने पहले ही एट्रोसिटी के एक मामले में हिमांशु दुबे के पास से जब्त किया गया था। इस मामले में हिमांशु खुद आरोपी था। वाहन थाने में खड़ा रहा और डेढ़ महीने बाद पुलिस ने उसे हिमांशु को सुपुर्द किया था। वर्तमान में भी यह वाहन थाने में ही खड़ा है, ऐसे में अपहरण का दावा पूरी तरह से बेबुनियाद है। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस को चाहिए कि वह निष्पक्षता से जांच करे और अगर कोई दोषी है तो उसे सख्त सजा दी जाए। तातेड़ ने अंत में कहा कि वह किसी भी जांच के लिए तैयार हैं और सच्चाई जल्द ही सबके सामने आएगी। अक्षय तातेड़ ने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या महज 28 हजार रुपये के लिए कोई अपहरण करेगा? तातेड़ ने यह भी कहा कि समाजसेवा में लाखों रुपये खर्च होते हैं और ऐसी स्थिति में 28 हजार रुपये के लिए अपहरण करना असंभव है। उन्होंने आरोप लगाया कि हिमांशु दुबे ने 28 हजार रुपये की उधारी के लिए अपनी गाड़ी गिरवी रखी थी और दीपावली के दिन गाड़ी लौटाने की बात पर झूठे आरोप लगाए।

अक्षय तातेड़ ने खुलासा किया कि हिमांशु दुबे से उनके पारिवारिक संबंध थे। उन्होंने हिमांशु की बहन की शादी और मां के इलाज में मदद की थी। लेकिन अब 25 लाख रुपये की उधारी चुकाने से बचने के लिए हिमांशु झूठे आरोप लगा रहा है। तातेड़ ने यह भी कहा कि हिमांशु की ओर से लगाए गए आरोपों का कोई आधार नहीं है और वह खुद सट्टेबाजी में लिप्त है। अक्षय ने कहा कि यह मामला एक महीने से उलझा हुआ है और उन्होंने पुलिस से आग्रह किया है कि सच्चाई सामने लाने के लिए दोनों पक्षों को रिमांड पर लिया जाए। तातेड़ ने साफ तौर पर कहा कि अगर वह दोषी हैं तो कानून उन्हें सजा दे, लेकिन अगर हिमांशु झूठ बोल रहे हैं तो उन्हें भी इसका अंजाम भुगतना होगा। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि पुलिस निष्पक्ष जांच कर इस विवाद की सच्चाई उजागर करे।

251 कुंडीय गायत्री महायज्ञ में आज, बालाघाट आएंगे डॉ. चिन्मय पंड्या

बैतूल, देशबन्धु। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में बालाघाट में 251 कुंडीय राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। यह महायज्ञ 4 दिसंबर तक आयोजित है। गायत्री परिवार के जिला समन्वयक डॉ. कैलाश वर्मा ने बताया कि महायज्ञ का शुभारंभ 1008 भव्य जल कलश यात्रा से हुआ। 3 दिसंबर को देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति और युग मनीषी डॉ. चिन्मय पंड्या युवाओं को सफल जीवन की दिशा और जिला स्तरीय विराट दीपोत्सव में शांतिकुंज हरिद्वार का संदेश देंगे। गायत्री परिवार के प्रवक्ता रविशंकर पारखे ने सभी परिजनों से आयोजन में उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

श्रमिकों के हित में हमेशा तत्पर रहेगा भारतीय मजदूर संघः खंडेलवाल

रेन बसेरा में श्रमिकों से मिला संघ, सैकड़ों कार्यकर्ता हुए शामिल

बैतूल, देशबन्धु। विश्व के सबसे बड़े श्रम संगठन भारतीय मजदूर संघ के श्रमिक संपर्क अभियान का आयोजन सोमवार 2 दिसंबर को बैतूल के रेन बसेरा सदर में किया गया। इस अवसर पर विधायक हेमंत खंडेलवाल, नगर पालिका अध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर, भारतीय मजदूर संघ के पूर्व महामंत्री एवं श्रमिक शिक्षा बोर्ड, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के क्षेत्रीय अध्यक्ष मधुकर साबले, संपर्क प्रभारी राजेश मंसूरिया, विभाग प्रमुख विनय डोंगरे, अध्यक्ष संपत दरवाई जिला मंत्री पंजाब राव गायकवाड और मीडिया प्रभारी चाणक्य राखड़े सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विधायक हेमंत खंडेलवाल ने भारतीय मजदूर संघ के 70 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यकर्ताओं को बधाई दी और कहा कि मजदूर संघ हमेशा श्रमिकों के हितों के लिए तत्पर है। उन्होंने श्रमिकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की समस्याओं का समाधान करना ही मजदूर संघ का मुख्य उद्देश्य है।

नगर पालिका अध्यक्ष पार्वतीबाई बारस्कर ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ का यह अभियान श्रमिकों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। वहीं पूर्व प्रदेश महामंत्री मधुकर साबले ने कहा कि मजदूर संघ श्रमिकों के अधिकारों के लिए संघर्ष करता है, उन्हें केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ दिलाने का भी प्रयास करता है। इस कार्यक्रम में राजेंद्र कनेरे, महेंद्र प्रजापति, डॉ. गोविंद साहू, भवन निर्माण मजदूर संघ के मिरचंद साहू, शैलेंद्र बिहरिया, विजय यादव, संतोष शिंदे, योगेश देशमुख, ऋषभ जैन, राजेंद्र कटारे, नारायण सिंह नागदे, राजकुमार राठौर, सुभाष सिंह रघुवंशी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने श्रमिकों के हित में काम करने की प्रतिबद्धता जताई और इस अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

वार्ड-वार्ड घूम रहे हैं योग साधक, आरोग्य शिविर के लिए जगा रहे अलख

बैतूल, देशबन्धु। इस ठंड में जब लोग सुबह उठ नहीं पाते हैं तब योग की अलख जगाने योग साधक बैतूल के वार्डों में रैली निकालकर घूम रहे हैं। योग रैली के पहले ओपन आडिटोरियम में योग भी होता है। दरअसल, आगामी 13, 14 और 15 दिसंबर को तीन दिवसीय योग-आरोग्य शिविर बैतूल के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम और शिवाजी ओपन ऑडिटोरियम में होने जा रहा है।

इस संबंध में भारत स्वाभिमान न्यास और पंतजलि योग समिति बैतूल के जिला प्रभारी सुनील कुबड़े और युवा भारत के जिला प्रभारी हितेश पटेल ने बताया कि योग का महाकुंभ का आयोजन लंबे समय बाद बैतूल में होने जा रहा है। इसमें पंतजलि के मुख्य केन्द्रीय प्रभारी और स्वामी रामदेव के अतिप्रिय शिष्य और देशभर में युवासंत के रूप में लोकप्रिय स्वामी डॉ.परमार्थदेव के साथ प्रदेश भर के योगी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। स्टेडियम में जहां सुबह 6 से 8 तक योग शिविर होगा। वहीं सुबह 9 से शाम 5 बजे तक आडिटोरियम में आरोग्य चिकित्सा शिविर लगेगा जिसमें आयुर्वेद, पंचकर्म और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रसिध्द चिकित्सक निशुल्क अपनी सेवाएं देंगे।

योग शिविर की आयोजन समिति से जुड़े संजय शुक्ला पप्पी ने बताया कि बैतूल जिले के हर घर से इन तीन दिनों लोगों को स्टेडियम और आडिटोरियम लाने व उनका तन-मन ठीक करने के लिए योग साधकों की टीम हर सुबह वार्ड-वार्ड अलख जगा रही है। प्रत्याशा संस्था की तूलिका पचौरी और लायंस क्लब की नीलम दुबे ने बताया कि करो योग-रहो निरोग के नारे लगाते ये साधक जब सड़कों पर घूमते हैं तो आम लोग भी इनके साथ जुड़कर योग शिविर में शामिल होने का संकल्प लेते हैं।

योग-आरोग्य शिविर के संयोजक सुनील व्दिवेदी ने जिले के सभी लोगों से अपील की है कि इस निशुल्क शिविर में शामिल होकर स्वास्थ्य लाभ कमाएं और पीड़ित लोगों को स्वास्थ्य लाभ दिलवाएं। प्रतिदिन वार्डों में निकल रही रैली में पतंजलि के विमल दुबे, श्रीमती रोमा पटेल, श्रीमती रत्नमाला कुबड़े, माधुरी खातरकर, रामदयाल बोरबन तेजस कुबड़े, लक्ष्मीकांत साहू, मनोहर साहू, दिनेश लिखितकर, गणेश मायवाड़े, भूपेंद्र सोनी, एमएस पवार, मोतीलाल यादव, नारायण यादव, अनिल साहू, मनोहर साहू, नरेश अनघोरे, हरकचन्द सोलंकी, हितेंद्र देशमुख, लालचंद सिनोटिया आदि प्रमुखता से शामिल हो रहे हैं।

लंबित प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करें: संभागायुक्त

बैतूल, देशबन्धु। वन सीमा से 250 मीटर के क्षेत्र में आवेदित खनिज रियायतों के प्रकरणों के निराकरण के लिए संभागायुक्त केजी तिवारी की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में संभाग स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की शाहपुर तहसील से संबंधित चार प्रकरणों में समिति द्वारा निर्णय लिए गए। इस दौरान संभागायुक्त श्री तिवारी ने निर्देश दिए कि जंगलों से लगे बाहरी क्षेत्र में खनिज उत्खनन की अनुमति देने से पूर्व वन्यजीवों की सुरक्षा और वन क्षेत्र में लगे वृक्षों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। इसके अलावा चैन लिंक फेंसिंग भी अनिवार्य रूप से की जाए तथा वन सीमा क्षेत्र से खनिज परिवहन नहीं किया जाना सुनिश्चित करना होगा। बैठक में समिति के सदस्य कलेक्टर बैतूल नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, मुख्य वन संरक्षक बैतूल व्रत सुश्री बासु कनौजिया, वनमंडलाधिकारी उत्तर बैतूल सामान्य नवीन गर्ग, वन विकास निगम संभागीय प्रबंधक सुश्री एस दीपिका, खनि प्रशासन उप संचालक मनीष पालेवार, खनि अधिकारी नर्मदापुरम दिवेश मरकाम सहित अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद और वन विभाग के अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

दशरथ धुर्वे ने संभाला अजाक्स कार्यवाहक जिला अध्यक्ष का पदभार

नई ऊर्जा और उमंग के साथ अजाक्स को ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प

बैतूल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश अनुसूचित जाति जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ (अजाक्स) की जिला शाखा बैतूल के नवनियुक्त कार्यवाहक जिला अध्यक्ष दशरथ धुर्वे ने सोमवार को अजाक्स कार्यालय बैतूल पहुंचकर विधिवत पदभार ग्रहण किया। विदित हो कि हाल ही में अजाक्स के प्रांतीय अध्यक्ष जे.एन. कंसोटियां (आईएएस) ने दशरथ धुर्वे को अजाक्स बैतूल का कार्यवाहक अध्यक्ष तथा अनिल कापसे को नर्मदापुरम संभागीय अध्यक्ष नियुक्त किया था।

पदभार ग्रहण करने के बाद दशरथ धुर्वे ने कहा कि वे नई ऊर्जा और उमंग के साथ अजाक्स संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। उन्होंने संगठन में निष्क्रिय पदाधिकारियों को जल्द ही सक्रिय करने की बात कही और संगठन में नए और उत्साही कार्यकर्ताओं को शामिल करने का भी वादा किया। धुर्वे ने कहा कि जिन ब्लॉकों में संगठन के पदाधिकारी निष्क्रिय हैं, उन्हें सक्रिय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन के प्रत्येक सदस्य को साथ लेकर चलना और उन्हें प्रेरित करना उनकी प्राथमिकता होगी ताकि अजाक्स को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सके।

इस अवसर पर नर्मदापुरम संभागीय अध्यक्ष अनिल कापसे ने दशरथ धुर्वे को नए दायित्व के लिए बधाई देते हुए हर संभव सहयोग और मार्गदर्शन देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने में सभी का योगदान महत्वपूर्ण होगा और इसके लिए वह धुर्वे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे। नवनियुक्त कार्यवाहक जिला अध्यक्ष दशरथ धुर्वे को शुभकामनाएं देने वालों में नर्मदापुरम संभागीय अध्यक्ष अनिल कापसे, जिला महासचिव काशीनाथ वाघमारे, धर्मदास दवंडे, नरेंद्र अंबुलकर, विकासखंड अध्यक्ष घोड़ाडोंगरी हेमराज बेले, ललित मालवीय सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सभी ने संगठन के लिए उनकी नई भूमिका में सफलता की कामना की।

बैतूल-हरदा में आम आदमी पार्टी को सशक्त बनाने की जिम्मेदारी संभालेंगे अजय और रीना

बैतूल, देशबन्धु। आम आदमी पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल ने संगठन विस्तार, समन्वय स्थापन और कार्यक्रम क्रियान्वयन को लेकर प्रदेश के कई प्रमुख नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इसी क्रम में प्रदेश संयुक्त सचिव अजय सोनी और भोपाल की रीना सक्सेना को बैतूल और हरदा जिलों में संगठनात्मक कार्यों और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन का विशेष दायित्व दिया गया है।

प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल के निर्देशन में अजय सोनी और रीना सक्सेना को इन जिलों में पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी के अनुसार,अजय सोनी और रीना सक्सेना अपनी कुशल नेतृत्व क्षमता और संगठनात्मक कौशल से बैतूल और हरदा में संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि यह कदम बैतूल और हरदा जिलों में आम आदमी पार्टी को मजबूती प्रदान करेगा। प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल ने विश्वास जताया कि अजय सोनी,रीना सक्सेना और अन्य नव-नियुक्त पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ निभाएंगे। इस नए कार्य विभाजन से पार्टी के कार्यकर्ताओं में उत्साह है। जिला मीडिया प्रभारी मुकेश गायकवाड़ बैतूल ने कहा कि अजय सोनी और रीना सक्सेना जी के नेतृत्व में पार्टी के आगामी कार्यक्रमों और जनसंपर्क अभियानों को नई दिशा मिलेगी। पार्टी को संगठित और सशक्त बनाने के लिए यह निर्णय अहम साबित होगा। इस विशेष दायित्व से पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को गति मिलेगी और संगठन को मजबूती प्रदान होगी।

मजदूर का हाथ तोड़ा, आरोपी फरार

बैतूल, देशबन्धु। थाना बैतूल बाजार अंतर्गत ग्राम पीपला के रहने वाले शिवदीन लोखंडे ने मारपीट के मामले में आरोपी छोटू उर्फ चन्द्रकिशोर निवासी दभेरी के खिलाफ एसपी को ज्ञापन सौंपकर गिरफ्तारी की मांग की है। शिवदीन ने बताया कि वह एक साधारण मजदूर है और उसके परिवार में छह सदस्य हैं। 25 नवंबर 2024 की रात करीब 8 बजे आरोपीगण छोटू उर्फ चन्द्रकिशोर साबले, अशोक दाते, अशोक के बेटे दादा दाते और विक्की दाते ने उनके घर पर धावा बोल दिया।

शिवदीन ने बैतूल बाजार थाने में दर्ज शिकायत में बताया कि आरोपीगण उनके घर के दरवाजे पर लात मारते हुए जबरन अंदर घुस आए और गालियां देते हुए लोहे की पाइप से बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया। इस हमले में शिवदीन का एक हाथ टूट गया। जब उनकी पत्नी संगीता ने बचाने की कोशिश की तो आरोपी छोटू ने उसे भी लातों से मारा। शिवदीन की मां शम्मो डर के मारे पलंग के नीचे छिप गई, लेकिन आरोपियों ने उसे भी बाहर निकालकर बेरहमी से पीटा। इसके बाद आरोपियों ने शिवदीन को जबरन सफेद कार में डालकर अपने गांव दभेरी ले गए। वहां पर छोटू चन्द्रकिशोर ने बांस के डंडे से और विक्की ने लात-घूंसों से मारपीट की। इस दौरान छोटू ने शिवदीन का गला दबाते हुए धमकी दी कि यदि किसी को कुछ बताया तो पूरे परिवार को जान से मार देंगे। पीड़ित को पूरी रात एक कमरे में बंद रखा गया। आरोपियों ने उनका मोबाइल भी छीन लिया। शिवदीन ने बताया कि थाने पहुंचने के बाद भी आरोपी अशोक दाते और उसके बेटे ने दबाव बनाया और झूठी शिकायत दर्ज कराई। इस घटना के बाद थाना बैतूल बाजार में मामला दर्ज किया गया। लेकिन मुख्य आरोपी छोटू उर्फ चन्द्रकिशोर साबले अभी तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। शिवदीन लोखंडे ने एसपी से आग्रह किया कि आरोपी की गिरफ्तारी जल्द से जल्द की जाए। उन्होंने कहा कि आरोपी के फरार होने से उनके परिवार को जानमाल का खतरा है।

तहसीलदार की जांच रिपोर्ट में मां चण्डी दरबार की ऐतिहासिक महत्ता की हुई पुष्टि

● मां चण्डी दरबार की भूमि पर आदिवासी समाज ने जताया दावा

बैतूल, देशबन्धु। मां चंडी दरबार चिचोली गोधना में तहसीलदार कार्यालय की रिपोर्ट के अनुसार, प्राचीन राजस्व अभिलेखों में मां चण्डी दरबार का ऐतिहासिक महत्व स्पष्ट रूप से दर्ज है। तहसीलदार कार्यालय की जांच रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि मां चण्डी दरबार गोधना का ऐतिहासिक महत्व पुरातन राजस्व अभिलेखों में दर्ज है।

वर्ष 1916-17 के दस्तावेजों के अनुसार, खसरा नंबर 537 की 14.91 एकड़ भूमि पर गेदाराम, पन्नालाल, लम्बरदार जैसे भूमिपतियों का स्वामित्व था, जबकि जोतदार के रूप में पतिराम वल्द मंसू गौली का नाम दर्ज था। 1968-69 के अभिलेखों में खसरा नंबर 549 की भूमि गोपाल पतिराम के नाम दर्ज है, जो वर्तमान में 6.034 हेक्टेयर में विस्तारित है। पुरानी नक्शा शीट में दो मंदिरों और किलेनुमा संरचनाओं का उल्लेख मिलता है, जिन्हें ग्रामीण गोंड राजाओं द्वारा निर्मित बताते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि ये किले राजा ईल के शासनकाल में बनाए गए थे। इसी भूमि पर स्थित मां चण्डी दरबार मंदिर को आदिकाल से पूजनीय माना जाता है, जहां रविवार और बुधवार को हजारों श्रद्धालु जुटते हैं। ग्राम पंचायत गोधना के सरपंच संतोष टेकाम ने कहा कि मां चण्डी दरबार आदिवासी समाज की कुल देवी का स्थल है, जिसकी स्थापना राजा ईल और उनकी पत्नी ने की थी। ग्रामीणों ने इस ऐतिहासिक स्थल को आदिवासी समाज को सौंपने की मांग की है।

तहसीलदार चिचोली के आदेशानुसार, वशिष्ठ दुबे को पुजारी नियुक्त किया गया है, जो वर्तमान में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मंदिर की देखरेख के लिए 11 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है, जिसके पास दान-दक्षिणा और अन्य व्यवस्थाओं का जिम्मा है। प्रशासन का कहना है कि शांति व्यवस्था और लोकहित को प्राथमिकता देते हुए मंदिर का प्रबंधन समिति के पास ही रहना उचित होगा। ग्रामीणों ने पुरातत्व विभाग से मंदिर और प्राचीन किलों की स्थिति का अवलोकन करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि मां चण्डी दरबार की ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता को देखते हुए इसे आदिवासी समाज को सौंपा जाना चाहिए। इस मंदिर का पंजीयन 1998 में मध्यप्रदेश सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के तहत हुआ था।

संस्कार भारती ने किया आनंद उत्सव का आयोजन

सारनी, देशबन्धु। मध्य भारत प्रांत संस्कार भारती ने बैतूल जिले के सरस्वती शिशु मंदिर के महेश कतणी सभागार में एक भव्य आनंद उत्सव का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सभी उपस्थित लोगों ने मिलकर सहभोज का आनंद लिया। मुख्य अतिथियों ने भगवान नटराज का पूजन कर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे ने विशिष्ट अतिथि का स्वागत करते हुए स्थानीय महामंत्री योगेन्द्र ठाकुर ने मंचासीन अतिथियों का परिचय दिया। संस्कार भारती के प्रांतीय महामंत्री मोतीलाल कुशवाह ने संघ के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि संघ का उद्देश्य समाज को संगठित करना है और वह कला एवं साहित्य के क्षेत्र में भी सक्रियता से कार्य कर रहा है इस अवसर पर कुशवाह ने कहा, कला वह है जो बुराइयों के बंधन को काटकर मुक्ति प्रदान करती है। उन्होंने जयपुर में हाल ही में संपन्न अखिल भारतीय साधारण सभा में लिए गए निर्णयों का जिक्र करते हुए बताया कि समाज को पांच विधाओं के माध्यम से संगठित करने का प्रयास किया जा रहा है। कुशवाह ने चित्रकला के आधुनिक स्वरूप पर चिंता जाहिर की और कहा कि कुछ कलाकार आधुनिकता के नाम पर संस्कृति का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने लोगों को अपने घरों में बदलाव लाने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसमें कुटुंब प्रबोधन की आवश्यकता है। संस्कार वान विद्यालय को शिक्षा का माध्यम बताते हुए उन्होंने संस्कार वान पीढ़ी के निर्माण की बात की। इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक गणमान्य व्यक्तियों और मातृ शक्ति के साथ-साथ बच्चों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का कुशल संचालन चंद्र शेखर टैगोर, प्राचार्य सरस्वती शिशु मंदिर ने किया और वंदेमातरम गीत के साथ समापन हुआ।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

अल्ट्रासिमको	3.93 प्रतिशत
जेएसडब्ल्यू स्टील	2.47 प्रतिशत
अडानी पोर्ट्स	2.18 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	1.81 प्रतिशत
टाइटन	1.73 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एनटीपीसी	1.55 प्रतिशत
कोटक बैंक	0.70 प्रतिशत
हिंदुस्तान यूनिलीवर	0.69 प्रतिशत
इंडसइंड बैंक	0.60 प्रतिशत
पावरग्रिड	0.49 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम) स्टैंडर्ड	75,916
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	87,197
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	84.73	84.81
पौंड स्टर्लिंग	106.21	106.45
यूरो	88.45	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2600-2700
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4000-4100
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	7000-7100
दाल चना	8000-8100
मसूर काली	7450-7550
उड़द दाल	10050-10150
मूंग दाल	9500-9600
अरहर दाल	9950-10050

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

पर्यावरणीय सुरक्षा दुनिया का सामूहिक दायित्व : गोयल

■ **ग्लोबल साउथ के देशों का विश्वसनीय साझेदार है भारत**

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर (एजेंसियां)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि वैश्विक पर्यावरण को हुए नुकसान के लिए ग्लोबल साउथ जिम्मेदार नहीं है। यह नुकसान उन विकसित देशों के कारण हुआ है, जिन्होंने कम लागत वाली ऊर्जा का लाभ उठाया।

मंत्री गोयल ने सीआईआई भागीदारी शिखर सम्मेलन 2024 के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए यह बात कही। इटली, इजरायल, भूटान, बहरीन, अल्जीरिया, नेपाल, सेनेगल, दक्षिण अफ्रीका, म्यांमार, कतर के व्यापार मंत्री और कंबोडिया के वाणिज्य मंत्रालय के राज्य सचिव शिखर सम्मेलन में भागीदार देश हैं।

मंत्री गोयल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पर्यावरण के प्रति प्रत्येक भागीदार देश की साझा जिम्मेदारियां हैं,

वैश्विक पर्यावरण को हुए नुकसान के लिए ग्लोबल साउथ जिम्मेदार नहीं है : पीयूष गोयल

लेकिन शिखर सम्मेलन में उपस्थित देश पर्यावरण को होने वाले नुकसान के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। उन्होंने कहा, साझा आपूर्ति श्रृंखलाओं और स्थिरता के प्रति जिम्मेदारियों को साझा, लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारी के माध्यम से पूरा करना होगा। उन्होंने कहा कि हालांकि सभी को मिलकर काम करना होगा, लेकिन पर्यावरण समस्या में उनके योगदान के आधार पर सभी को जिम्मेदारी दी जानी चाहिए।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि भारत ग्लोबल साउथ के देशों का एक विश्वसनीय साझेदार है। सत्र में सामान्य विषयों को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि उपस्थित प्रति?भागि?यों द्वारा अंतरिक्ष, उपग्रह और स्थिरता के बारे में सबसे अधिक बात की गई और इस बात पर जोर दिया गया कि आज दुनिया को इन चर्चाओं की आवश्यकता है।

भागीदार देशों की अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने के बारे में बोलते हुए मंत्री ने भविष्य के लिए वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए तरलता की आवश्यकता पर जोर दिया।

भारत में प्रॉपटेक में निवेश 2030 तक 16 अरब डॉलर पहुंचने की उम्मीद

मुंबई। देश में किफायती घरों की बढ़ती मांग के कारण प्रॉपटेक में निवेश 15 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर 2030 तक 16 अरब डॉलर पहुंच सकता है। 2023 में यह 6 अरब डॉलर था। यह जानकारी सोमवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। वैश्विक प्रॉपटेक मार्केट में 2023 में करीब 50 अरब डॉलर का निवेश हुआ है, जिसमें कुल जुटाई गई फंडिंग में भारत छठे स्थान पर रहा। अकेले 2023 में सभी मान्यता प्राप्त भारतीय स्टार्टअप्स में प्रॉपटेक की हिस्सेदारी 6 प्रतिशत थी।

शिशिर बैजल ने कहा कि टेक्नोलॉजी उद्योगों में विकास को आगे बढ़ाती है। प्रॉपटेक में बढ़ता निवेश भारत के लिए क्रांतिकारी है, इससे सस्टेनेबिलिटी को सपोर्ट मिलेगा और रियल एस्टेट उद्योग को लाभ होगा।

भारत ने 448 मिलियन डॉलर किया जैविक खाद्य उत्पादों का निर्यात

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 के पहले आठ महीनों (अप्रैल से नवम्बर) में 447.73 मिलियन डॉलर के जैविक खाद्य उत्पादों का निर्यात किया है। पिछले पूरे वित्त वर्ष में देश ने 494.80 मिलियन डॉलर के जैविक खाद्य उत्पादों का निर्यात किया गया था। इस कारण उम्मीद लगाई जा रही है कि चालू वित्त वर्ष में जैविक खाद्य उत्पादों का निर्यात पिछले साल के आंकड़े को पार कर लेगा।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने कहा कि चालू वित्त वर्ष में 25 नवम्बर तक जैविक खाद्य उत्पाद निर्यात की कुल मात्रा 263,050 मीट्रिक टन (एमटी) तक पहुंच गई। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री नवनीत सिंह बिट्टू ने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में कहा कि वित्त वर्ष 24 में जैविक खाद्य उत्पादों का निर्यात 494.80 मिलियन डॉलर था। मंत्रालय ने जैविक उत्पादों के उत्पादन के लिए उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए कोई विशिष्ट निधि आवंटित नहीं की है। हालांकि, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) जैविक खाद्य उत्पादों के निर्यातकों सहित

■ **एपीडा ने की ग्लोबल रिटेल चेन एलएलसी के साथ साझेदारी की घोषणा**

अपने सदस्य निर्यातकों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। एपीडा राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) लागू कर रहा है। इस प्रोग्राम में प्रमाणन निकायों की मान्यता, जैविक उत्पादन के लिए मानक, जैविक खेती और विपणन को बढ़ावा देना आदि शामिल है। भारत में राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम के अंतर्गत जैविक प्रमाणित प्रसंस्करण इकाइयों की कुल संख्या 1,016 है।

सितम्बर में एपीडा ने ग्लोबल रिटेल चेन लुलु ग्रुप इंटरनेशनल (एलएलसी) के साथ साझेदारी की घोषणा की।

भारत को ईएमएस सेक्टर में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर (एजेंसियां)। देश में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसी सरकारी पहलों से प्रेरित होकर इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सर्विस (ईएमएस) सेक्टर वित्त वर्ष 22 में 1.46 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 27 में 6 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है।

■ **वित्त वर्ष 2027 में 6 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा**

सोमवार को आई एक रिपोर्ट के अनुसार ईएमएस सेक्टर अल्पावधि से मध्यम अवधि में अच्छा प्रदर्शन करेगा। रिपोर्ट के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर कैलेंडर वर्ष 2023-2030 के बीच 26 प्रतिशत की मजबूत सीएजीआर से बढ़कर 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। मोतीलाल ओसवाल वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड की रिपोर्ट के अनुसार, ईएमएस सेक्टर में असेंबली एक्टिविटी में वृद्धि और मांग के कारण भारत इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए विशेष रूप से मोबाइल फोन, ऑटोमोटिव और औद्योगिक क्षेत्रों में एक पसंदीदा वैश्विक गंतव्य के रूप में उभर रहा है। पीएलआई योजनाओं और सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम जैसी सरकारी नीतियों, घरेलू मांग में वृद्धि और आगे बढ़ा रहे हैं।

नवम्बर में विनिर्माण पीएमआई में तेजी जारी

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर (एजेंसियां)। भारत की फैक्ट्री गतिविधियां नवम्बर 2024 में भी त्यौहारी सीजन का असर दिखा जिससे विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) 56.5 पर रहा। हालांकि अक्टूबर महीने की तुलना में इसमें थोड़ी सुस्ती देखी गई क्योंकि त्यौहारी मांग के बल पर अक्टूबर में यह 57.5 पर रहा था।

सोमवार को जारी पीएमआई के आंकड़ों में यह बात पता चला है। 50 से नीचे का पीएमआई को नकारात्मक माना जाता है जबकि इससे अधिक गतिविधियों में विस्तार को दर्शाता है। एचएसबीसी के भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि भारत ने नवम्बर में 56.5 विनिर्माण पीएमआई दर्ज किया, जो पिछले महीने से थोड़ा कम है, लेकिन फिर भी विस्तारवादी क्षेत्र में मजबूती से बना हुआ है। नए निर्यात ऑर्डर में चार महीने के उच्चतम स्तर से प्रमाणित मजबूत व्यापक-आधारित अंतरराष्ट्रीय मांग ने भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की निरंतर वृद्धि को बढ़ावा दिया। हालांकि, उसी समय, मूल्य दबावों में वृद्धि के कारण उत्पादन विस्तार की दर में कमी आ रही है। एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल द्वारा लगभग 400 निर्माताओं के पैनल में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए प्रश्नावली के जवाबों से संकलित किया जाता है। यह

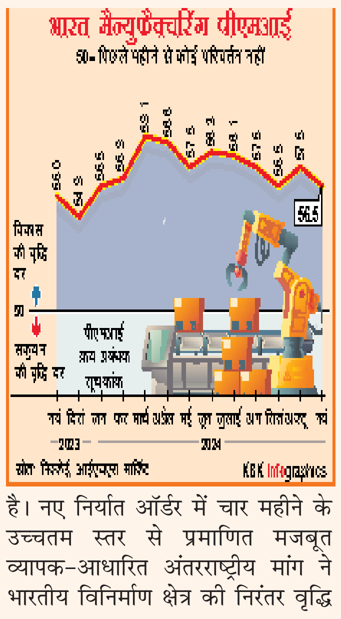

■ **अक्टूबर की तुलना में रही सुस्ती**

अर्थशास्त्रियों, बाजारों और नीति-निर्माताओं द्वारा बारीकी से देखे जाने वाले उच्च-आवृत्ति डेटा में से एक है।

सर्वेक्षण में कहा गया है कि सकारात्मक मांग के रुझान ने इस साल नवंबर में बिक्री और उत्पादन में तेज विस्तार को बढ़ावा दिया, हालांकि कंपनियों ने संकेत दिया कि प्रतिस्पर्धी स्थितियों और मूल्य दबावों से विकास कुछ हद तक सीमित था।

सार संक्षेप

रेजरपे ने गृह मंत्रालय के साथ बढ़ाया सहयोग का हाथ

बेंगलुरु। रेजरपे पेमेंट गेटवे ने सोमवार को जानकारी दी कि फिनटेक मेजर ने डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम के तहत साइबर सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए गृह मंत्रालय और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) के साथ साझेदारी की है। इस सहयोग का उद्देश्य व्यवसायों और एंड कस्टमर्स को खुद की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण ज्ञान प्रदान करना है, साथ ही देश भर में साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाना है। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के हालिया आंकड़ों से पता चला है कि पूरे भारत में डिजिटल धोखाधड़ी की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हुई है, जिसमें प्रतिदिन जनवरी से अप्रैल 2024 के बीच 7,000 से अधिक शिकायतें दर्ज की गई हैं। चिंताजनक बात यह है कि इनमें से 85 प्रतिशत शिकायतें वित्तीय धोखाधड़ी से संबंधित हैं। जनवरी से अप्रैल तक, साइबर अपराधों में 21.2 मिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान उठाया गया।

मारुति के वाहनों की नवम्बर में बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) के वाहनों की इस वर्ष नवम्बर में कुल बिक्री (घरेलू बिक्री+निर्यात) इसके पिछले वर्ष की समान अवधि के 164439 के मुकाबले 10.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी लेकर 181531 इकाई पर पहुंच गई।
कंपनी ने सोमवार को बयान जारी कर बताया कि नवम्बर 2024 में उसने कुल 181531 वाहनों की बिक्री की, जो नवम्बर 2023 के 164439 इकाई की तुलना में 10.4 प्रतिशत अधिक है। इसमें उसकी घरेलू बाजार में कुल बिक्री 141489 से बढ़कर 152898 इकाई और कुल निर्यात 22950 से बढ़कर 28633 इकाई रहा। इस अवधि कंपनी मिनी और कॉम्पैक्ट सेगमेंट के वाहनों की बिक्री 74638 से घटकर 71123 इकाई रही वहीं यात्री वाहनों की बिक्री 134158 से बढ़कर 141312 इकाई पर पहुंच गई। इसी तरह हल्के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 2509 से बढ़कर 2926 इकाई हो गई।

एक्सिस बैंक का हर राह दिल से ओपन अभियान शुरू

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक एक्सिस बैंक ने 'दिल से ओपन' अभियान का अगला चरण शुरू किया है जिसमें बैंक के एक लाख से अधिक कर्मचारियों के समर्पण का प्रदर्शित किया गया है। बैंक ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह नवीनतम संस्करण, 'हर राह दिल से ओपन' बैंक के 100,000 से अधिक बैंकरों के समर्पण को मान्यता प्रदान करता है, जो ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए अथक परिश्रम करते हैं। ट्रांज़ैक्शन बैंकिंग के युग में बैंकिंग के लिए ग्राहकों को सर्वोपरि रखने वाले विजन पर जोर देते हुए यह अभियान एक्सिस बैंक के गर्मजोशी, सहानुभूति, दयालुता और खुलेपन जैसे आदर्श मूल्यों को और मजबूती से दर्शाता है।

लिवाली की बदौलत शेयर बाजार में तेजी

मुंबई, 2 दिसम्बर (एजेंसियां)। विश्व बाजार की तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर रियल्टी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, कमोडिटीज, हेल्थकेयर और धातु समेत 18 समूहों में हुई लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन भी मजबूती रही। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 445.29 अंक की छलांग लगाकर 80,248.08 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 143.50 अंक उछलकर 24,274.60 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 1.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 46,555.59 अंक और स्मॉलकैप 0.84 प्रतिशत मजबूत होकर 55,662.71 अंक हो गया।

■ **सेंसेक्स 445.29 अंक की छलांग लगाकर 80,248.08 पर रहा**
■ **निफ्टी 143.50 अंक उछलकर 24,274.60 पर बंद**

इस दौरान बीएसई में कुल 4237 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2508 में लिवाली जबकि 1550 में बिकवाली हुई वहीं 179 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 33 कंपनियों में तेजी जबकि 17 में गिरावट रही।

बीएसई के 18 समूहों में बढ़त का रुख रहा। इससे रियल्टी 3.16, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 2.26, कमोडिटीज 1.59, सीडी 1.14, ऊर्जा 0.52, वित्तीय सेवाएं 0.22, हेल्थकेयर 1.21, इंडस्ट्रियल्स 0.44, आईटी 1.02,

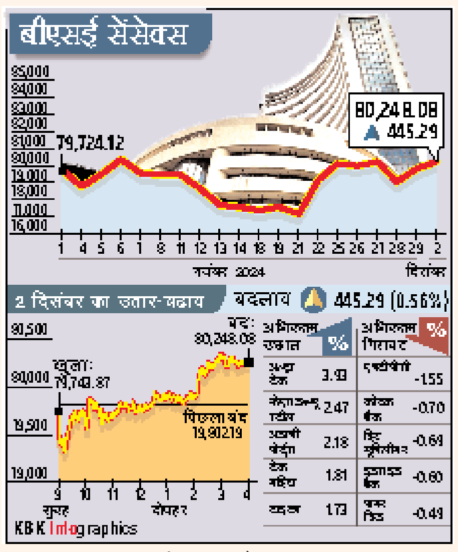

दूरसंचार 0.73, ऑटो 0.79, कैपिटल गुड्स 0.37, धातु 1.28, तेल एवं गैस 0.15, पावर 0.28, टेक 0.83, सर्विसेज 0.85 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.89 प्रतिशत चढ़ गए।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी का रुख रहा। इस दौरान जर्मनी का डैक्स 0.16, जापान का निक्केई 0.80, हांगकांग का हैंगसेंग 0.65 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 1.13 प्रतिशत मजबूत रहा जबकि ब्रिटेन के एफ़टीएसई में 0.08 प्रतिशत की गिरावट रही।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 59 अंक फिसलकर 79,743.87 अंक पर खुला और भारी बिकवाली के दबाव में थोड़ी देर बाद 79,308.95 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, लिवाली होने से यह लगातार बढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 80,337.82 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 79,802.79 अंक के मुकाबले 0.56 प्रतिशत की छलांग लगाकर 80,248.08 अंक पर पहुंच गया।

वहीं, निफ्टी 10 अंक बढ़कर 24,140.85 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 24,008.65 अंक के निचले जबकि 24,301.70 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 24,131.10 अंक की तुलना में 0.60 प्रतिशत चढ़कर 24,276.05 अंक पर बंद हुआ।

इस दौरान सेंसेक्स की मुनाफा कमाने वाली कंपनियों में अल्ट्रासिमको 3.93, जेएसडब्ल्यू स्टील 2.47, अडानी पोर्ट्स 2.18, टेक महिंद्रा 1.81, टाइटन 1.73, मारुति 1.60, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.59, सन फार्मा 1.49, रिलायंस 1.28, टाटा स्टील 1.28, एचसीएल टेक 1.18, बजाज फाइनेंस 1.12, इंफ़ोसिस 1.12, भारती एयरटेल 0.96, नेस्ले इंडिया 0.90, टाटा मोटर्स 0.39, एचडीएफ़सी बैंक 0.38, आईसीआईसीआई बैंक 0.25, एक्सिस बैंक 0.03 और आईटीसी 0.02 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, एनटीपीसी 1.55, कोटक बैंक 0.70, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.69, इंडसइंड बैंक 0.60, पावरग्रिड 0.49, एलटी 0.47, एसबीआई 0.33, एशियन पेंट 0.03 और टीसीएस ने 0.01 प्रतिशत नुकसान उठाया।

अप्रैल-सितम्बर में 29.79 अरब डॉलर रहा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर (एजेंसियां)। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के दौरान अप्रैल-सितम्बर में भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह 45 प्रतिशत बढ़कर 29.79 अरब डॉलर हो गया। 2023-24 के दौरान इसी अवधि में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 20.48 अरब डॉलर था। एफडीआई से लाभ पाने वाले अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों में सेवा, ऑटोमोबाइल, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर, आईटी हार्डवेयर, दूरसंचार और फार्मास्यूटिकल्स और रसायन शामिल रहे। एफडीआई प्रवाह से अर्थव्यवस्था में बेहतर टेक्नोलॉजी के साथ-साथ अधिक निवेश और रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान सेवाओं में एफडीआई बढ़कर 5.69 बिलियन डॉलर हो गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 3.85 बिलियन डॉलर था। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि गैर-पारंपरिक ऊर्जा में एफडीआई प्रवाह 2 अरब डॉलर रहा। चालू वित्त वर्ष के दौरान जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए एफडीआई प्रवाह 43 प्रतिशत बढ़कर 13.6 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 की इसी तिमाही में यह 9.52 अरब डॉलर था।

■ **एफडीआई प्रवाह में 45 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज**

इससे पहले एफडीआई प्रवाह अप्रैल-जून तिमाही में 47.8 प्रतिशत बढ़कर 16.17 अरब डॉलर दर्ज किया गया था। इक्विटी इन्वेस्टमेंट, रिइंवेस्टेड आय और अन्य पूंजी सहित कुल एफडीआई प्रवाह चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही के दौरान 28 प्रतिशत बढ़कर 42.1 अरब डॉलर हो गया, जो अप्रैल-सितंबर 2023-24 में 33.12 बिलियन डॉलर था।

खाद्य तेलों के टिकाव, अधिकांश दालें सस्ती

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों की गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत अन्य जिंसों के टिकाव रहा जबकि अधिकांश दालें सस्ती हो गईं। **तेल-तिलहन :** वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में दिसंबर का पाम ऑयल वायदा 28 रिंगिट फिसलकर 5210 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.22 सेंट उतरकर 41.51 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। **गुड़-चीनी :** मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस औरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। **दाल-दलहन :** दाल-दलहन के बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान चना 250 रुपये, दाल चना 250 रुपए, उड़द दाल 350 रुपए और अरहर दाल 350 रुपए प्रति क्विंटल सस्ती हो गई जबकि मसूर दाल 100 रुपए और मूंग दाल 100 रुपए प्रति क्विंटल चढ़ गई। **अनाज :** अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** चना 7000-7100, दाल चना 8000-8100, मसूर काली 7450-7550, मूंग दाल 9500-9600, उड़द दाल 10050-10150, अरहर दाल 9950-10050 रुपए प्रति क्विंटल रहे।

बिहार फूड प्रोसेसिंग इन्वेस्टर्स मीट में निवेशकों ने लिया हिस्सा

पटना, 2 दिसम्बर (एजेंसियां)। बिहार बिजनेस कनेक्ट 2024 को लेकर सोमवार को आयोजित फूड प्रोसेसिंग इन्वेस्टर्स मीट में देश दुनिया के बड़े निवेशकों ने न केवल भाग लिया, बल्कि राज्य में निवेश की इच्छा भी जताई।

राजधानी पटना में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान मुख्य अतिथि के रूप में और राज्य के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बिहार की बदलती तस्वीर के बारे में बात करते हुए, चिराग पासवान ने कहा कि बिहार में अनंत संभावनाएं हैं, जिसका पूर्ण इस्तेमाल करने के लिए सरकार तत्परता से काम कर रही है। विकसित भारत बनने का सपना साकार करने में बिहार की बड़ी भूमिका होगी, यदि हम यहां उपस्थित अवसरों का लाभ उठाने में सफल हुए।

उन्होंने कहा कि हमारा समाज तेजी से बदल रहा है, जिसमें प्रोसेस्ड फूड की मांग लगातार

बिहार में अनंत संभावनाएं हैं, जिसका पूर्ण इस्तेमाल करने के लिए सरकार तत्परता से काम कर रही है : चिराग पासवान

बढ़ने वाली है। ऐसे में इस क्षेत्र में निवेश का यह सबसे अच्छा समय है। इस कार्यक्रम में 14 आशय पत्रों पर हस्ताक्षर किए गए, जिसमें 2,181 करोड़ रुपए के निवेश और 4,175 नई नौकरियों के सृजन की बात की गई।

ये आशय पत्र बिहार के कृषि-औद्योगिक क्षेत्र को और उच्च स्तर तक ले जाने के इरादे को दर्शाती है। इनमें बेवरेजेज की 700 करोड़ रुपये की कोका-कोला बॉटलिंग यूनिट और बाबा एग्रो फूड की 160 करोड़ रुपए की हाई-टेक आटा मील भी शामिल है। साथ में आनंद डेयरी का 50 करोड़ रुपए का डेयरी प्लांट, मधुबनी मखाना प्राइवेट लिमिटेड की 25 करोड़ रुपए की मखाना प्रसंस्करण इकाई जैसी परियोजनाएं भी शामिल हैं। ये परियोजनाएं बिहार के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को नई ऊंचाई तक ले जाने, निर्यात को प्रोत्साहित करने और स्थानीय रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देगी।

राज्य सरकार के प्रयासों और बिहार में निवेशकों के अनुकूल परिस्थितियों के बारे में बात करते हुए बिहार के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि बिहार लगातार उन्नति के पथ पर अग्रसर है। इन्फ्रास्ट्रक्चर से लेकर बिजनेस पार्क के विकास तक हमारी सरकार बिहार की तरक्की को लेकर समर्पित है। राज्य अभी निवेश के लिए सुनहरा अवसर प्रदान कर रहा है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।